RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 August, 2022

अंक – 2 (मासिक) वर्ष – 18 अगस्त, 2022 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पचहत्तर की स्वतंत्रता

जयपुर माहेश्वरी समाज का नवीन नेतृत्व

केदारमल भाला

ज्योति तोतला

अभिषेक मांधना

रामेश्वरम् में आयोजित हुआ शिवानंद योग

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-02 अगस्त 2022 वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
गोविन्द मूंदड़ा, चेन्नई (तमिलनाडु)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

धर्म से बड़ा जीवन

महाभारत के शांतिपर्व की प्रसिद्ध कथा है जो धर्म बनाम जीवन की बहस में जीवन की महत्ता सिद्ध करती है। यह शांतिपर्व के उपपर्व 'आपद्धर्म' के 141 वें अध्याय में संकलित है तथा अनेक प्रवचनकारों द्वारा समय-समय पर अनेक रूपों में अभिव्यक्त की गई है। अपने दिव्य सन्देश के कारण यह कालजयी है और आज जब देश-दुनिया में धर्म बनाम जीवन की जंग तेज है, इसका सन्देश अत्यंत प्रासंगिक है।

कथा है कि त्रेता और द्वापर के संधिकाल में लगातार 12 वर्षों तक अवर्षा से अकाल पड़ गया और प्रजा अन्न-जल की अनुपलब्धता से त्राहि-त्राहि कर उठी। उस समय भूख से पीड़ित महर्षि विश्वामित्र एक दिन भोजन की तलाश में वन्य प्राणियों की हिंसा करने वाले चांडालों की बस्ती में जा पहुँचे।

रात का समय था तब आहार की खोज में विश्वामित्र एक झोपड़ी में घुसे और भूख से व्याकुल होने के कारण कुछ भी भक्ष्य न मिलने पर मांस का एक टुकड़ा उठा लिया। झोपड़ी में खटपट होने पर घर का मालिक जागा और विश्वामित्र को देख आश्चर्य से भर गया। गृहस्वामी चांडाल ने महर्षि को प्रणाम किया और इतनी रात चुपके से आने का कारण पूछा। यह उत्तर सुन वह चौंक गया कि महर्षि ब्राह्मण होकर भी मांस खाने को तत्पर थे। तब चांडाल ने हाथ जोड़कर प्रार्थना की कि 'यह अभक्ष्य है। अतः आप इसे ग्रहण न करें।' चांडाल अशिक्षित था पर धर्म की मर्यादा समझता था, अतः उसने विपरीत परिस्थिति के बावजूद महर्षि को उनके धर्म का स्मरण कराकर मांस भक्षण न करने के लिए समझाया।

तब विश्वामित्र ने उत्तर दिया कि 'धर्म की रक्षा तभी सम्भव है जब जीवन सुरक्षित हो। यदि जीवन ही न रहे तो धर्म और उसकी रक्षा कैसे सम्भव है।' इसलिए हर सच्चे धर्मालु को धर्म से पहले जीवन की रक्षा करना चाहिए। अकाल के रहते यदि मैं भूख से मर गया तो न जीवन रहेगा, न धर्म। यदि अभक्ष्य खाकर भी जीवन की रक्षा हो गई तो स्थिति सामान्य होते ही इस पाप का प्रायश्चित कर पुनः अपने धर्म के अनुकूल हो सकूँगा और इस प्रकार महर्षि मांस का टुकड़ा साथ ले गए। वे फलाहारी थे लेकिन जीवन की रक्षा के लिए आपदा के समय धर्म की मर्यादा का उल्लंघन करने में न सकुचाए। इसलिए कि जीवन हर हाल में धर्म से बहुत बड़ा और मूल्यवान है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

आजादी के 75 साल

पूरा देश इस समय आजादी की 75 वीं सालगिरह को अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अपने स्तर पर आयोजन किए जा रहे हैं तो जनमानस को भी इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है। हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने का अभियान चला कर नागरिकों को राष्ट्रभक्ति और देश के सम्मान के लिए उत्प्रेरित किया जा रहा है। आमतौर पर आजादी का मतलब केवल देश की स्वतंत्रता से ही लगाया जाता है। 15 अगस्त को देश अंग्रेजों की परतंत्रता से मुक्त हुआ था। यानी हमें आजादी थी कि हम देश में अपने तरीके से शासन चला सकते थे। अपने कानून लागू कर सकते थे। हमने इसके लिए लोकतांत्रिक शासन पद्धति को चुना और अपना संविधान बनाया। इस आजादी की 75 वीं वर्षगांठ आ गई है। यहां तक आते-आते वह पीढ़ी लगभग अलविदा हो गई है, जिसने आजादी की कीमत चुकाई और फिर नया भारत गढ़ने के सपने देखे। वह पीढ़ी भी बूढ़ी हो चुकी जिसने आजाद भारत को आगे बढ़ाने का संघर्ष किया। अब बागडोर उस पीढ़ी के हाथ है जिसका सपना समृद्ध और विकसित भारत है।

इस पड़ाव पर हम विचार कर सकते हैं, 75 साल का यह सफर देश के लिए कितना सफल रहा? हम अपनी शासन पद्धति और संविधान के प्रति कितने समर्पित रहे, और अब हमें क्या करना है? नई पीढ़ी के सामने नए भारत की स्पष्ट तस्वीर है, क्योंकि वह दुनिया को इतने करीब से देख रही है कि समझ भी सकें। आकाश से पाताल तक का ज्ञान उसकी मुट्ठी में है। दौड़ने के लिए मैदान और छलांग के लिए कई शिखर हैं। बीती पीढ़ियों के सामने इतना साफ रास्ता कभी नहीं रहा, जितना आज है। यह पीढ़ी वह है जिसके कदमों में थिरकने के लिए सफलता बेताब है और हम गौरवान्वित हैं कि यह सब नई पीढ़ी करके दिखा रही है। भारतीय प्रतिभा कभी किसी की मोहताज नहीं रही। उसकी ताकत और जज्बे को दुनिया ने हमेशा शीश नवाया है। दुनियाभर में भारतीय युवा अपने कर्तव्य और परिश्रम का लोहा मनवा रहे हैं। कल का भारत क्या होगा, इसकी तस्वीरें अब झिलमिलाने लगी हैं। बीते कुछ सालों में ही भारत ने वह कर दिखाया है जिसकी उम्मीद कभी दुनिया ने नहीं की थी। भले रास्ता रोकने वाले आतंक को दरकिनार बैठाने का दुस्साहस हो या आंतरिक मसलों पर सशक्त फैसलों की बारी, शासन स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कदम उठाए गए। देश का अत्याधुनिक विकास तभी संभव हो पाया, जब अनुशासन को अंगीकार करने और भ्रष्ट तंत्र पर लगाम कसने में कसर नहीं रखी गई। नई पीढ़ी बदलते भारत को देख रही है और सीख रही है, राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि ही आने वाली नई पीढ़ियों की उड़ान बन सकती है। आज 75 साला लोकतंत्र उन बाजों से मुक्त होना चाहता है जो छद्म लिबास में उसके रास्ते सत्ता में आने की जुगत लगाकर राष्ट्र को नोचने में जुट जाते हैं। संविधान उन दगाबाजों से आजादी चाहता है जो उसे गलत परिभाषित करने को पेशा बना चुके हैं। आजादी का यह अमृत महोत्सव तब सार्थक है, जब हम देश में लोकतंत्र और संविधान की उजली तस्वीर प्रस्तुत कर सकें। आओ हम आजादी के अमृत महोत्सव का यही पहला संकल्प लें।

आजादी केवल राजनीतिक और संवैधानिक परतंत्रता से ही नहीं, विचारों में भी आना चाहिए। आज हमारा समाज अपनी व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं के साथ राष्ट्र की सेवा में जिस तरह आजादी के आंदोलन से लेकर अब तक अपनी अलग पहचान रखता आया है, उसे हमारे नौजवान आगे बढ़ा रहे हैं। हाल ही में सम्पन्न म.प्र. के चुनावों में समाज के कई राजनेताओं को बड़ी सफलता मिली है, जिसका श्रेय समाज की राष्ट्र को समर्पित विचारधारा को है। उन सभी को श्रीमाहेश्वरी टाइम्स परिवार बधाई और शुभकामनाएं देता है। समाज संगठनों में भी लोकतांत्रिक शुचिता की बानगी हमारे समाजसेवी प्रस्तुत करते रहे हैं। हमें गर्व है कि हम रूढ़ियो को परिष्कृत करने अपनी संस्कृति को और निखारने में भी पीछे नहीं रहे हैं। यही समृद्धि हमारी मूल पूंजी है। देश की आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर सभी समाजजनों को बधाई और शुभकामनाएं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

मध्यप्रदेश के एक छोटे से गाँव मनासा (जिला-मंदसौर) में स्व. श्री बापूलाल व स्व. श्रीमती गोरजाबाई के यहाँ जन्मे चैन्नई निवासी श्री गोविन्द मूंदड़ा की समाज में पहचान एक सामाजिक चिंतक तथा साहित्यकार के रूप में है। श्री मूंदड़ा का बचपन से ही साहित्य से काफ़ी लगाव रहा है। बचपन से ही उनकी कविताएँ-कहानियां-लेख इत्यादी प्रादेशिक व राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहे हैं। मात्र 14 वर्ष की आयु में ही उन्होंने पत्र-मित्रता के लिए अंग्रेज़ी की एक मासिक पत्रिका ''फ्रेंड्स इंटरनेशनल'' का प्रकाशन भी किया था। व्यावसायिक रूप से वर्तमान में आप चेन्नई में प्लास्टिक उद्योग का संचालन कर रहे हैं। चेन्नई की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था ''अनुभूति'' के 5 वर्षों तक महासचिव भी रहे है। अभी 2 वर्षों पूर्व आपने एक मोबाइल फ्रेंड्ली ई - पत्रिका 'पुष्पांजलि' का आधुनिक तकनीक के साथ प्रकाशन प्रारम्भ किया है, जो देश की पहली पढ़ी व सुनी जा सकने वाली पत्रिका है। इसे बहुत पसंद किया जा रहा है। इसकी एक वार्षिक पत्रिका भी प्रकाशित की गई है। आप चेन्नई की कई सामाजिक और साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। अध्यक्ष - राजस्थान यूथ असोसिएशन व सचिव- माहेश्वरी क्लब के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। आपके पुत्र-पुत्री जय, वंदना व अनुराधा भी आपके ही पद्चिह्नों पर उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं।

'संस्कारिकता' के साथ हो 'आधुनिकता'

भारतीय संस्कृति का एक शब्द महत्वपूर्ण है- ''चरैवेति'' अर्थात चलते रहो। इसका अर्थ यह नहीं कि चलते रहना ही जीवन है। बल्कि अतीत का जो सांस्कारिक श्रेष्ठ है और आज के जीवन में जरूरी है, उसे जिया जाए। जो भार है, काम का नहीं है, उसे त्याग दिया जाए। पर हमारी अपनी पहचान बनी रहे। यह पहचान भूगोल की है, संस्कृति की है, राष्ट्र की है। हमारी जीवन शैली का महत्वपूर्ण पक्ष है कि नितान्त विरोधी विश्वासों में भी हम एक हैं। आस्तिक हों या नास्तिक, मूर्तिपूजक हों या ज्ञानमार्गी, निर्गुण हों या सगुण, दर्शन में सम्प्रदायों की विविधता हो, लेकिन हमारी पहचान भारतीय संस्कृति से होती है।

इसके साथ ही हमारे लोकोत्सव हैं, ऋतुएँ हैं, आराध्य पुरुष हैं, त्यौहार हैं। उनको भी नये संदर्भों में समझने और बदलने की जरूरत है। हम सभी बन्द गली के आखरी मकान नहीं, बल्कि सारे रीति रिवाजों, दर्शनों, धर्मग्रंथों, इतिहास, राष्ट्रीय-चरित्र, त्याग और भोग के संतुलन को समझने वाले हैं। यही कारण है। कि हम नदियों, पहाड़ों, वनस्पतियों, पशुपक्षियों को भी धर्म और उनके संरक्षण से जोड़ लेते हैं। केवल मानवों का वसुधैव कुटुम्बकम् नहीं, प्राणी मात्र का नहीं, बल्कि सृष्टि का भी संरक्षण, इसीलिए हमारे भीतर पावन गंगा बहती है। कृष्णा-कावेरी और ब्रह्मपुत्र प्रार्थना के बोल बन जाती हैं। 'समुद्रवसने देवीं' में समुद्र को भी वरुण देवता व लक्ष्मी के निवास के कारण पूज्य माना जाता है।

नवयुवकों में इस सांस्कृतिक चेतना के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स आए, रोबोटिक्स आए, मिसाइल ज्ञान आए, नया वाणिज्य आए, नागरिकता का भाव आए या ईमेल-फेसबुक-वाट्सएप की सोशल मीडिया की अपसंस्कृति यह हमें प्रभावित नहीं कर पाएगी?। नया ज्ञान जीवन का विकास करेगा, दुनिया के साथ देश को मजबूती के साथ खड़ा रखेगा। पर उनके साथ ये सांस्कृतिक पहचान भी आए तो शास्त्र और शस्त्र का, ज्ञान और आधुनिकता का मेल भारत को इतिहास और आधुनिकता से चरैवेति बनाए रखेगा। आज जितने सबल राष्ट्र की जरूरत है, उतनी ही सांस्कृतिक आत्मा की भी। जितनी नयी तकनीक की जरूरत है, उतनी ही अपनी धरोहर को नवनवीन बताते हुए विश्व संस्कृति में अपनी सार्थक पहचान बनाने की है।

हमारा समाज, हमारा युवा,नारी या पुरुष अपने-अपने क्षेत्र के सांस्कृतिक स्वरूप को पुरानेपन से निकाल कर नये समय के अनुरूप समझे और नया बनाए, यह चिरंतन अपेक्षा है। समयानुकूल आधुनिकता को स्वीकार करना तो समय की मांग है, लेकिन अपनी संस्कृति को भी अक्षुण्य रखना है। कारण है, हमारी अपनी सामाजिक संस्कृति हमारा गौरव है और हमारी पहचान भी। इसी से हम माहेश्वरी के रूप में पहचाने जाते हैं, और यही संस्कृति की विरासत हमारी सफलता की यात्रा में सदैव सम्बल बनी है। यही संस्कृति प्रभावित होगी तो हमारी पहचान भी खो जाएगी। अतः आधुनिकता जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी संस्कारिकता भी है।

गोविन्द मूंदड़ा, चेन्नई (तमिलनाडु)
अतिथि सम्पादक

श्री मूसा माताजी

माहेश्वरी समाज की हरिदास गोत्र के दरक, कोठारी, हलदिया, मूरचुनिया उपनाम के परिवारों की कुलदेवी श्री मूसा माता का मंदिर नाकावाला बालाजी मंदिर के पास, निंबार्क तीर्थ रोड, ग्राम खातोली, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर में स्थित है।

प्रो. किशनप्रसाद दरक, नांदेड़

गत कई वर्षों के प्रयास के पश्चात् राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा देश विदेश में बसने वाले दरक भाइयों ने खुले हृदय से आर्थिक सहयोग देकर मंदिर का नवनिर्माण करवाया। मंदिर प्रांगण में ही भक्तों के लिए तीन सुसज्ज एवं अटैच बाथरूम वाले कमरों का निर्माण नागपुर निवासी सत्यनारायणजी एवं चाइना निवासी उनके लघु भ्राता रामजी और श्याम के सहयोग से पूर्ण हुआ। मंदिर के भीतर के तीन रूम का आर्थिकभार गोपाल दरक वरंगल, रामावतार दरक मुंबई और एक भाई ने उठाया। संपूर्ण भारत वर्ष से पधारे हरद्रयास गोत्र के भाइयों की सपरिवार उपस्थिति में आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2079 तदर्थ गुरुवार दिनांक 30 जून 2022 को शतचंडी पाठ से मूर्ति स्थापना की पूजा का प्रारंभ हुआ। आषाढ़ शुक्ल दशमी संवत 2079 शनिवार दिनांक 9 जुलाई 2022 को होम हवन उपरांत श्री मूसा माता की मूर्ति की विधिवत स्थापना की गई।

हवन कुंड में अग्नि रूप मे दर्शन देने वाली माता के नयनोंन्मिलन विधी के समय कुंवारी कन्या के हाथों मूर्ति की आंखों पर की पट्टी हटाते ही सामने धरा आईना मां के तेज़पूंज से फूट गया। यह देखकर सभी भक्तों को माता रानी की उपस्थिति का एहसास हुआ और वर्षों से माता रानी के दर्शन की आस लगाए भाइयों के आंखों में आनंदघन बहने लगे। कार्यक्रम के मुख्य यजमान भाई काशीनाथ दरक एवं उनकी धर्मपत्नी सुनिता दरक थे। पधारे हुए सभी भाइयों ने सहपरिवार पूजा-अर्चना तथा यज्ञ में आहुतियां दी।

कैसे पहुँचे: श्री मूसा धाम जाने हेतु नजदीकी रेलवे स्टेशन किशनगढ़ अथवा अजमेर हैं। किशनगढ़ से मकराना रोड पर 12 किलोमीटर जाने के बाद बायी ओर निंबार्क तीर्थ की कमान लगती है। उस ओर मुड़ने पर मात्र 3 किलोमीटर पर खातोली गांव के बाद नाकावाला बालाजी मंदिर है। उसी के पास यह धाम बना हुआ है। पूरा रास्ता हाईवे बना हुआ है।

कहाँ ठहरें: ठहरने के लिये श्री मूसा माता मंदिर परिसर में 3 कमरे हैं और अधिक मात्रा में चाहिए तो श्री निंबार्क तीर्थ में उचित व्यवस्था है। श्री मूसा माता की नित्य पूजा हेतु पंडित संजय शर्मा (मोबाइल नंबर 99820 69 467, 7340390325) कार्यरत हैं। उनसे संपर्क किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की सहयोग राशि अथवा अन्य कार्य हेतु संस्था के अध्यक्ष काशीनाथ दरक औरंगाबाद मोबाइल नंबर 98229 98877 से संपर्क किया जा सकता है।

जयपुर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष बने केदारमल भाला

जयपुर माहेश्वरी समाज अपनी उत्कृष्ट समाजसेवा के कारण अपने चुनावों के दौरान हमेशा ही पूरे देश की जिज्ञासा का कारण बना रहता है। इस बार नवयुवक मंडल व महिला परिषद के चुनावों के भी इसके साथ होने से जिज्ञासा और भी बढ़ गई। आखिरकार इस बहुप्रतीक्षित चुनाव के परिणाम के साथ समाज को अपना नया नेतृत्व केदारमल भाला के रूप में मिल गया। वहीं माहेश्वरी नवयुवक मंडल का नेतृत्व अभिषेक मांधना तथा महिला परिषद का नेतृत्व ज्योति तोतला को सौंपा गया है।

चन्द्रमोहन शारदा, जयपुर

इस बार माहेश्वरी समाज जयपुर, श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल तथा श्री माहेश्वरी महिला परिषद मंडल इन तीनों के चुनाव एक साथ 31 जुलाई को सम्पन्न हुए। माहेश्वरी समाज के तीन साल बाद हुए इन चुनावों के लिए वोटिंग में महिला सशक्तिकरण देखने को मिला। युवाओं के मुकाबले महिलाओं ने अधिक वोट डाले। समाज की 97 साल पुरानी 1925 में बनी श्री माहेश्वरी समाज संस्था की तीनों कार्यकारिणी के 36वें चुनाव के लिए शहर में बनाए गए 6 जोन में 76.6 प्रतिशत वोटिंग हुई। रविवार सुबह 8 बजे से शुरू हुई वोटिंग में शाम 5 बजे तक जबरदस्त उत्साह देखा गया। इन चुनावों में 37वें समाज अध्यक्ष का ताज समाज के मतदाताओं ने वरिष्ठ समाजसेवी केदारमल भाला को पहनाया। श्री माहेश्वरी नवयुवक युवक मंडल में अभिषेक मांधना तथा श्री माहेश्वरी महिला परिषद में ज्योति तोतला अध्यक्ष निर्वाचित हुई। दिन भर चले मतदान के बाद हुई मतगणना के परिणाम में इनके विजयी होने की घोषणा की गई।

ज्योति तोतला
अध्यक्ष
श्री माहेश्वरी महिला परिषद्

अभिषेक मांधना
अध्यक्ष
श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल

इस तरह हुआ सफलतापूर्वक मतदान

इस चुनाव के लिये मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल राठी को नियुक्त किया था। इस चुनाव में कुल 21699 मतदाता थे। संगठनात्मक व्यवस्था के अंतर्गत सम्पूर्ण शहर को 6 जोन तथा 14 चौकड़ियों में विभाजित किया गया। इस चुनाव के अंतर्गत श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के एक अध्यक्ष तथा 90 कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन हुआ। महिला परिषद अंतर्गत 01 अध्यक्ष व 60 कार्यकारिणी सदस्यों तथा नवयुवक मंडल अंतर्गत 01 अध्यक्ष तथा 50 कार्यकारी मंडल सदस्यों का निर्वाचन हुआ। इस बार समाज का समय तथा धन बचाने के लिए समाज की इन तीनों इकाईयों के चुनाव एक साथ करवाने की पहल की गई। अभी तक इनके चुनाव अलग-अलग हो रहे थे। मुख्य कार्यकारिणी के लिए 21699 मतदाताओं में से 16,637 ने वोटिंग की। यानी 76.6 प्रतिशत वोटिंग हुई। महिला परिषद के 10896 मतदाताओं में से 8,145 ने वोट डाले। 74.75 प्रतिशत वोटिंग हुई। नवयुवक मंडल अध्यक्ष व कार्यकारिणी के लिए 4566 वोटर्स में से 3224 ने मतदान किया। इनका मतदान प्रतिशत 70.06 ही रहा। महिलाओं ने युवाओं से अधिक मताधिकार (4.69प्रतिशत) का प्रयोग किया।

ऐसे हुई चुनावी टक्कर

पूर्णतः समाजसेवा की भावना से होने वाले इन तीनों चुनावों में गत चुनावों की तरह ही कांटे की टक्कर थी। इसमें प्रत्याशियों का लक्ष्य भी सेवा था, माध्यम भी सेवा व शक्ति भी सेवा। समाज अध्यक्ष पद के लिये उमेश सोनी तथा केदारमल भाला, नवयुवक मंडल के लिये अमित मालपानी व अभिषेक मांधना तथा महिला परिषद अध्यक्ष पद हेतु स्नेहलता साबू व ज्योति तोतला के बीच चुनावी जंग हुई। इसमें समाज अध्यक्ष के चुनाव में कुल 16637 में से श्री भाला 8764 मत प्राप्त कर विजयी हुऐ। श्री सोनी को 7588 मत ही प्राप्त हो सके। नवयुवक मंडल अध्यक्ष के चुनाव में श्री मांधना 1673 मत प्राप्त कर विजयी हुए। वहीं अमित मालपानी 1500 मत ही प्राप्त कर सके। महिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव में ज्योति तोतला 4336 मत प्राप्त कर विजयी हुईं। स्नेहलता साबू 3576 मत ही प्राप्त कर सकीं।

क्यो हैं जयपुर के चुनाव महत्वपूर्ण

अत्यधिक वृहद व गतिशील होने से सम्पूर्ण देश की नजर जयपुर समाज पर टिकी रहती है। वर्तमान में जयपुर समाज कई समाजसेवा संगठनों, महाविद्यालयों व उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थाओं तथा वृद्धाश्रम आदि का संचालन कर रहा है। जयपुर की शान उत्सव एवं अभिनंदन भवन के संचालन सहित समाज सामूहिक प्रयत्नों से अर्जित कई सम्पत्तियों का रखरखाव भी कर रहा है। इस लिहाज से देखा जाऐ तो जयपुर समाज के पदाधिकारियों के सुपुर्द समाज की कई बड़ी जिम्मेदारियाँ होती हैं। समाज के मतदाताओं ने इस बार समाज के 37वें सत्र के लिये अध्यक्ष पद का कार्यभार श्री भाला को विश्वास के साथ सौंपा है। अब बारी श्री भाला की है कि वे इस चुनौती पर कितने खरे उतरते हैं। श्री भाला समाज के वरिष्ठ समाजसेवी हैं। बी.कॉम. तक शिक्षित श्री भाला लगभग 38 वर्षों से विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं से सम्बद्ध रहते हुए अपनी सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही आजीविका के तौर पर आपकी पहचान एक व्यवसायी के रूप में हैं। वर्तमान में संचालन समिति सदस्य, श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'उत्सव' तथा आजीवन दानदाता एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री माहेश्वरी समाज, जनोपयोगी भवन अभिनंदन के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

बाहेती ने दी नवनिर्वाचितों को शुभकामना

वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने श्री माहेश्वरी समाज जयपुर, महिला परिषद् व नवयुवक मण्डल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सहित समस्त कार्यकारी मण्डल को बधाई देते हुऐ उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं व्यक्त की। श्री बाहेती ने आशा व्यक्त की इस चुनाव के सम्पन्न होने के पश्चात समाज के समस्त पदाधिकारी व सदस्य हर प्रकार की चुनावी कटुता को त्याग कर एकजुट होकर समाज के विकास के लिए कार्य करेंगे। इसके साथ ही श्री बाहेती ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए अपनी सम्पूर्ण कार्यकारिणी एवं सदस्यो सहित समस्त समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज़

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही
विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा
माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज
तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
~~Rs. 125/-~~
Rs. 100/-

amazon पर उपलब्ध

ऋषिमुनि प्रकाशन 90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161, 91799-28991 rishimuniprakashan@gmail.com

दक्षिणांचल के शिवानंद योग में दिखे शिवाराधना के रंग

शिवनगरी रामेश्वरम् में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टम कार्यसमिति बैठक के साथ हुए आयोजन

रामेश्वर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टम् कार्यसमिति बैठक एवं दक्षिणांचल अधिवेशन शिवानंद योग गत 2 व 3 जुलाई को ज्योतिर्लिंग एवं भगवान शिव की नगरी रामेश्वरम् में आयोजित हुआ। इसमें सामाजिक समस्याओं पर चिंतन के साथ ही शिवाराधना से सम्बंधित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ।

आध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति के अंतर्गत 250 सदस्यों की उपस्थिति में इसका आयोजन हुआ। 2 जुलाई प्रातः 10:30 से राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक की शुरुआत हुई। इसमें राष्ट्रीय वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा पूर्व गतिविधियों के साथ भावी प्रकल्पों की जानकारी दी गयी। प्रदेशों के कार्य मूल्यांकन को कैटेगरी के साथ घोषित किया गया। उदघाटन सत्र दोपहर 3 बजे से शुरु हुआ। आयोजन स्थल द्वार पर दक्षिणांचल के पाँचों प्रदेशों के प्रादेशिक परिवेश में 5 सदस्याओं ने कुंकुम इत्र से सभी का स्वागत किया। अतिथि स्वागत मेनगेट से मंच तक महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा लेझिम, तमिलनाडु द्वारा मयूरनृत्य तथा पाँचो प्रदेशों की पदाधिकारी द्वारा अपने-अपने प्रदेश की भाषा में स्वागत गीत के साथ नृत्य एवं भावभंगिमा से ओतप्रोत रहा। इस स्वागतीय प्रजेंटेशन ने सभागृह का मन मोह लिया। तमिलनाडु द्वारा गणेशवंदना, महेशवंदना नृत्य तथा स्वागत गीत पेश किया गया। अतिथि के रूप में आशा माहेश्वरी व राजेश कृष्ण बिरला, प्रमुख वक्ता के रूप में अशोक बंग, विमला दम्माणी, मंजु बांगड़ व लता लाहोटी मंच पर उपस्थित थीं। दक्षिणांचल उपाध्यक्षा कलावती जाजू ने सभी का शाब्दिक स्वागत किया। स्वागताध्यक्ष शकुंतला मोहता एवं आध्यात्म समिति राष्ट्रीय प्रभारी अरुणा लड्ढा ने भी सम्बोधित किया। संयुक्त मंत्री पुष्पा तोषनीवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

महाकाल दर्शन व शिवचरित्र का आयोजन

3 जुलाई प्रातः 10 बजे से उद्घाटन समय में आंध्रप्रदेश द्वारा मनमोहक महेशवंदना नृत्य एवं मुंबई प्रदेश द्वारा शिवस्त्रोत प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि श्यामा हेड़ा- मुंबई व सरोज तोषनीवाल- महाराष्ट्र किसी विशेष कारण की वजह से अनुपस्थित रही। राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा ज्योति राठी एवं संगठन मंत्री शैला कलंत्री ने आतिथ्य स्वीकार कर मार्गदर्शन दिया। शिवचरित्र में माहेश्वरी समाज उत्पत्ति की कथा आदि से लेकर पार्वतीजी की तपस्या, रामेश्वरम् में रामजी द्वारा शिव स्थापना, शिव पार्वती विवाह, नटराज शिव दर्शन आदि कई विषयों पर अनुपम प्रस्तुतियों द्वारा शिव के ही दरबार में शिवचरित्र दर्शाने का पांचों प्रदेशों ने भरकस प्रयास किया, जिससे भावस्पर्शी समां बंध गया। दक्षिणांचल स्तर पर भक्त और भगवान तथा सामाजिक, चिंतन-मनन वत्कृत्व स्पर्धा का अनूठा आयोजन हुआ। स्पर्धाओं की निर्णायक राष्ट्रीय पदाधिकारी लता लाहोटी, मंगल मर्दा, उर्मिला कलंत्री, उषा मोहंता थीं।

इनका हुआ विशिष्ट सम्मान

राष्ट्रीय दक्षिणांचल पूर्व उपाध्यक्षा शकुंतला मोहता को दक्षिणांचल गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। दक्षिणांचल आध्यात्म सहप्रभारी सरिता तापड़िया ने सम्मान पत्र का वाचन किया। राष्ट्रीय वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू व संयुक्त मंत्री

पुष्पा तोषनीवाल को सम्मानित किया गया। शाम 7 बजे से शिव मंदिर में अभिषेक एवं दर्शन के बाद सुवर्ण नंदीजी पर आरूढ सुंदर विग्रह स्वरूप भगवान की उत्सवमूर्तियों के साथ भव्य रथयात्रा निकाली गई। रात में महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा आयोजित दशावतार एवं दीपोत्सव के भावस्पर्शी कार्यक्रम ने सभागृह को मंत्रमुग्ध कर दिया। दीपनृत्य-दीपगीत, दीप प्रज्जवलन के साथ दीपोत्सव का अविस्मरणीय आयोजन हुआ।

प्रदेशों ने दी प्रादेशिक लोकनृत्य की प्रस्तुति

दोपहर लंच के बाद प्रादेशिक लोकनृत्य के तहत महाराष्ट्र द्वारा वर्तमान में चर्चित पंढरपूर की वारी एवं आंध्रप्रदेश द्वारा ''बदकम्मा देवी'' भक्तिस्वरूप उत्सव का सादरीकरण हुआ, जो सभी के मन को अविभूत

कर गया। राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने भी मंच पर उपस्थित रह कर दोनों प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इसमें कलाकारों ने अपनी ऐसी सजीव प्रस्तुति दी कि पूरा घटनाक्रम ही जीवंत हो उठा। सभी ने मुक्तकण्ठ से इसकी सराहना की।

समापन में दिखा सफलता का हर्ष

अंत में आयोजित समापन समारोह में प्रमुख अतिथि मंजु बांगड़, उषा करवा, गोविंद चांडक-सेलम, मधु चांडक-चेन्नई, संगीता बिहाणी-महाराष्ट्र आदि ने अपने उद्‌बोधन में संपूर्ण आयोजन एवं दक्षिणांचल टीम के योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। मुख्य अतिथि माँ रत्नीदेवी काबरा स्वास्थ्य ठीक ना होने से अनुपस्थित रहीं, लेकिन उनका वरदहस्त व शुभकामनाएँ अवश्य प्राप्त हुई। अतिथि कलावती लोया-आंध्रप्रदेश ने भी अपनी सद्‌भावनाएँ प्रेषित की थी। अंत में पाँचों प्रदेशों की कार्यकर्ता टीम, कलाकार टीम तथा तमिलनाडु युवा कार्यकर्ताओं की टीम का महामंत्री मंजू बांगड़ के करकमलों द्वारा सम्मान हुआ। धन्यवाद ज्ञापन दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू व संयुक्त मंत्री पुष्पा तोषनीवाल ने किया।

शिवानंद योग के मुख्य सूत्रधार

कलावती जाजू

पुष्पा तोषनीवाल

शकुंतला मोहता

अरुणा लड्ढा

सरिता तापड़िया

राजनीति में भी फहरा माहेश्वरी परचम

गत दिनों मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत तथा नगर निकाय के चुनावों का आयोजन हुआ। इन चुनावों में इस बार हर स्तर पर माहेश्वरी उम्मीदवारों ने अपनी न सिर्फ उपस्थिति दर्ज करवाई बल्कि जीत भी हासिल की।

मतदान पद्धति से निर्वाचन यही हमारे देश के लोकतंत्र की विशेषता है। इसी से हमारे देश में निष्पक्ष था सर्वसम्मत राजनीति व्यवस्था कायम है। इन सबके बावजूद राजनीति को आमतौर पर ''कोयले की कोठरी'' मानकर लोग इससे दूर रहने की कोशिश करते हैं। जबकि जरूरत है इस क्षेत्र में अच्छे लोगों के पदार्पण की जिससे राजनीति का क्षेत्र अपनी काजल की कोठरी वाली पहचान से उभरे। माहेश्वरी समाज में इसी सोच के साथ समाजजनों को राजनीति की ओर प्रेरित करने का सतत प्रयास किया जाता रहा है। इसका असर सतत रूप से पूरे देश में दिखाई दे रहा है। गत दिनों देश की हृदय स्थली मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत तथा नगर निकाय के चुनाव सम्पन्न हुए। इनमें भी माहेश्वरी समाजजन अपनी जीत का परचम फहराने में पीछे नहीं रहे।

ये बने नगर निकाय पार्षद

अर्चना पुष्कर झंवर
मनासा (भाजपा)

नीलिमा नागेंद्र मारू
मनासा (भाजपा)

ज्योति रमेशचंद्र मूंदड़ा
मनासा (कांग्रेस)

गगन बाहेती
गौतमपुरा (वार्ड-10)

हर्षला गगन बाहेती
गौतमपुरा (नप.अध्यक्ष)

संध्या सुनिल मालू
लोहारदा (भाजपा)

नरेंद्र मूंदड़ा
लोहारदा (वार्ड-02)

सत्यनारायण नोगजा
सतवास (वार्ड-06)

संदीप धूत
कन्नौद (वार्ड-05)

सुशील पसारी
काँटाफोड़ (भाजपा)

रजत राजेश बजाज
बागली (वार्ड-12)

दिव्या अनूप माहेश्वरी
मंदसौर (वार्ड 20)

कमल लड्ढा
इन्दौर (पार्षद)

अंजना प्रकाशचंद्र राठी
सुखेड़ा (रतलाम) वार्ड-10

स्मिता राजेश माहेश्वरी
रतलाम (भाजपा)

निशा पवन सोमानी
रतलाम (भाजपा)

माही अनमोल छापरवाल
उदयपुरा

माधुरी गोपाल माहेश्वरी
नरसिंहगढ़ (राजगढ़)

रमा संपत मूंदड़ा
पिपरिया (भाजपा)

हरीश मालानी
बनखेड़ी (वार्ड 13)

डॉ. बंकट माहेश्वरी
जीरापुर

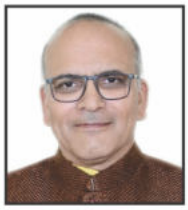

अखिल माहेश्वरी
जोरा मुरैना

पुष्पा ओमप्रकाश मूंदड़ा
नारायणगढ़ (वार्ड 10)

बरखा नितिन मालू
इन्दौर (भाजपा)

मंजू राजेश गगरानी
नागदा (वार्ड 13)

ये बने जिला/जनपद पंचायत सदस्य

तरूण बाहेती
नीमच जि.प.सदस्य

शोभा ब्रजमोहन राठी
कम्पेल सांवेर जि.पं. सदस्य

आशु विनोद तापड़िया
कन्नौद जनपद सदस्य

ये बने पंचायत के पंच

रागिनी मधुसुदन बाहेती
राजोद (धार)

श्याम आगाल
बाग (भाजपा)

रोहित झंवर
बाग उपसरपंच

अंकित झंवर
बाग वार्ड 10

दिनेश झंवर
बाग वार्ड-8

दीपाली रोहित झंवर
बाग वार्ड 12

नेहल गौरव तापड़िया
बाग वार्ड 15

कोकिला ब्रज जाजू
बाग वार्ड 11

किशनलाल सोमानी
बेड़गाँव काँटाफोड़

आशुतोष मनोहरलाल परवाल
रूनिजा वार्ड 20

शिल्पा शैलेंद्र राठी
रूनिजा वार्ड 13

आशीष सोमानी
सरवन (रतलाम) वार्ड-10

सोनिया आनंद माहेश्वरी
टांडा वार्ड 15

द्वारकाधीश लखोटिया
भाटपचलाना वार्ड 16

मनीष राजेंद्र बाहेती
बढिया मांडू वार्ड 8

लक्ष्मीदेवी रमेशचंद्र भूतड़ा
पानीगांव (देवास) वार्ड 9

कैंसर जागरुकता शिविर सम्पन्न

जयपुर। बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी द्वारा एचसीजी हॉस्पिटल, मानसरोवर, जयपुर के सौजन्य से एक कैंसर जागरुकता कैम्प आयोजित किया गया। इसमें करीब 50 सदस्यों ने भाग लिया। हॉस्पिटल के सर्जिकल आन्कोलॉजिस्ट डॉक्टर कपिलदेव श्योरान व डायटीशियन डॉ. विमलेश कंवर ने मार्गदर्शन दिया। सोसायटी के महामंत्री राधेश्याम परवाल ने बताया कि एचसीजी हॉस्पिटल की ओर से सभी पुरुष सदस्यों की कैंसर संबंधी पीएसए ब्लड टेस्ट तथा महिलाओं की मेमोग्राफी निःशुल्क की गई। सोसायटी की ओर से डॉक्टर्स एवं कार्यक्रम संयोजक के. के. गौड़ का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा सोसायटी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। सोसायटी के महामंत्री राधेश्याम परवाल ने एचसीजी हॉस्पिटल के डॉक्टरों, स्टाफ व संयोजक का आभार व्यक्त किया।

आनंद मेला का हुआ आयोजन

बैंगलुरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 16 जुलाई को माहेश्वरी भवन में आनंद मेला उत्तम 2022 का आयोजन किया गया। मेले की उद्घाटनकर्ता उद्यमी रश्मि डागा महिला मंडल की अध्यक्ष कान्ता काबरा, दीपक साबू, बिमल लोहिया, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल तापडिया, युवा संगठन के अध्यक्ष अरविंद लोहिया, माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के मोहन माहेश्वरी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष सुरेश लखोटिया, सेवा ट्रस्ट के प्रहलाद आगीवाल आदि थे। मानव सेवा के लिए राशि जुटाने के उद्देश्य से इस मेले में 63 स्टॉल लगाये गये। सचिव विजय लक्ष्मी सारडा ने बताया कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्येक घंटे में आगंतुकों के लिये सरप्राइज़ ड्रा निकाला गया। शाम को बम्पर लकी ड्रॉ निकाला गया जिसमें स्मार्ट टी.वी., फ्रीज़ जैसे अनेकों समान विजेताओं को दिए गए। स्वयं सेवी संस्था सहारा ने नम्मा फ़ेसिलिटी व जी आई जेड के सहयोग से प्लास्टिक फ्री पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाई। संस्था के लोगों ने पुरानी बेडशीट व कपड़ों से बेग व थैले सिलकर लोगों को उनके उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सुनिता लाहोटी, अनुश्री मालु व रीतू चितलांग्या ने किया। नीरा लड्ढा, कल्पना बाहेती ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

घर बसाने के लिए की अनूठी पहल

इंदौर। श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक सेवा समिति द्वारा विधवा-विधुर, तलाकशुदा युवक युवतियों का घर बसाने के लिए अनूठी पहल की गई। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राठी एवं सामाजिक परमार्थिक सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण एस मानधन्या ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले साल 11 तलाकशुदा विधवा विधुर युवक-युवतियों के घर बसाये गए। अभी पिछले दिनों दो परिवारों का और घर बसाया। इस तरह कुल 13 परिवारों के संबंध तय किये गये। इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के प्रचार मंत्री अजय सारडा ने बताया कि संस्था द्वारा 21 जोड़ों का विवाह कराने का संकल्प लिया गया है। इस तरह से जो युवक युवती शादी के बाद अपने आपसी विचारों के ना मिलते हुए तलाक ले लेते हैं, उनका घर बसाने के लिए संस्था ने अनूठी पहल की है। निम्न-मध्यमवर्गीय जरूरतमंद युवक युवतियों का पूरा शादी का खर्च भी संस्था द्वारा उठाया जा रहा है।

वाटर कूलर की हुई स्थापना

रतनगढ़। स्व. श्री रामरतन उदयचंद पेड़ीवाल (स्व. श्री रामनिवास पेड़ीवाल की स्मृति में) के आर्थिक सहयोग से रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा एक वाटर कूलर (ठंडा पानी पीने की मशीन) गढ़ के पास लगाया गया। इसका उद्घाटन रतनगढ़ माहेश्वरी युवा मंडल की अध्यक्ष पूर्णिमा लड्ढा ने किया। इस मौके पर चुरू जिलाध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, तहसील अध्यक्ष राकेश जाजू, युवा मण्डल जिलाध्यक्ष योगेश लड्ढा, नरेंद्र झंवर, रामोतार चांडक, रजनीकांत सोनी एडवोकेट, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सरिता चांडक, चन्दा सोनी, मंजू पेड़ीवाल, मंजू लड्ढा, जयश्री जाजू आदि उपस्थित थे।

अपनी जुबान से दूसरों की कमियाँ मत निकाला करो क्योंकि कमियाँ तुम में भी है और जुबान दूसरों के पास भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की श्री काबरा से सौजन्य भेंट

बड़ोदा। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में औद्योगिक विकास हेतु भ्रमण पर आये। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के शीर्ष 9 उद्योगपतियों के प्रतिनिधि मंडल से भेंटकर औद्योगिक विकास पर चर्चा की। इस चर्चा के निष्कर्ष स्वरूप 500 करोड़ रुपये के निवेश पर भी उन्होंने हस्ताक्षर किये। इन 9 शीर्ष उद्योगपतियों के प्रतिनिधि मंडल में आर.आर. कॉबेल समूह के उद्यमी त्रिभुवन काबरा भी शामिल थे। इस भेंट के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से श्री काबरा से पारिवारिक मुद्दों पर भी चर्चा की। इसके अंतर्गत उन्होंने श्री काबरा के पिता बाबूजी रामेश्वरलाल काबरा की कुशल क्षेम भी पूछी तथा काबरा परिवार से जुड़ी अपनी पूर्व की स्मृतियों को भी ताजा किया। इस दौरान उन्होंने आर.आर. ग्रुप के प्रकल्प पार्किंग व्यवस्था पर भी चर्चा की। श्री काबरा ने श्री माहेश्वरी टाईम्स से चर्चा में बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी से काबरा परिवार के बहुत पुराने रिश्ते हैं। वर्ष 1988 में जब वे आरएसएस के प्रचारक थे, तब उनके घर पर रुके थे। इसके पश्चात् जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय सोमनाथ के माहेश्वरी भवन के उद्घाटन अवसर पर राजश्री बिड़ला के साथ उनसे भी भेंट हुई थी।

परिवार परिवेदना निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

जोधपुर। परिवारिक परिवेदना निवारण प्रकोष्ठ, जोधपुर की बैठक गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर ख्यात समाजसेवी महेन्द्र मालपानी के निवास आयोजित कमला नेहरू नगर जोधपुर पर हुई। बैठक में जहां पारिवारिक परिवेदनाओं के नए-पुराने प्रकरणों में समाधान प्रस्तुत करने हेतु चर्चा हुई, वहीं गुरुपूर्णिमा के महत्व पर भी विस्तार से बात हुई। संयोजक-साहित्यकार हरिप्रकाश राठी ने हनुमान चालीसा की प्रथम पंक्ति 'श्री गुरु चरण सरोज रज..' में गुरु-महत्ता के अर्थ को बताया। बैठक में सुनीता हेड़ा ने एक अहम मुद्दा उठाया कि अब पारिवारिक शांति के लिए वृद्धों की भी कॉन्सलिंग हो। वृद्ध बच्चों की निजता को समझें, स्वयं को तकनीकी स्तर पर अपडेट करें एवं बच्चों, उनके विचारों, उनकी प्रतिभा को पूरा स्पेस दें। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने डॉ. फूलकौर मुंदड़ा एवं हरिप्रकाश राठी का माल्यार्पण, शाल आदि ओढ़ाकर अभिनन्दन भी किया। बैठक में डॉ. सूरज माहेश्वरी, एडवोकेट, उद्योगपति, कवि सहित अनेक समाजसेवी भी उपस्थित थे।

नन्हे बालक रिधान ने बनाया रिकॉर्ड

नागपुर। समाज सदस्य सौरभ-पूजा मंत्री के सुपुत्र ढाई वर्षीय रिधान मंत्री ने इतनी कम उम्र व कम समय में हनुमान चालीसा बोलकर नया इतिहास रचकर, इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया। रिधान सुनील एवं ललिता मंत्री के सुपौत्र हैं।

शारदा ने 5 इंजीनियरिंग मेजर की परीक्षा का बनाया रिकॉर्ड

सांगली। समाज की प्रतिभा शशिकांत शारदा यूएस और कनाडा में 5 इंजीनियरिंग मेजर में 4 प्रोफेशनल इंजीनियरिंग परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले पहले इंजीनियर बन गये हैं। उन्होंने सिविल, मैकेनिकल, नेवल आर्किटेक्चर, मरीन इंजीनियरिंग और फायर प्रोटेक्शन इंजीनियरिंग में परीक्षा उत्तीर्ण की। ये परीक्षाएं राष्ट्रीय स्तर पर और साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एनसीईईएस नामक संगठन द्वारा आयोजित की जाती हैं। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अलग-अलग राज्यों द्वारा लाइसेंस दिए जाते हैं। इन्हें आमतौर पर पीई लाइसेंस के रूप में जाना जाता है। पीई परीक्षा एक विशिष्ट 4 साल के इंजीनियरिंग कार्यक्रम की चौड़ाई और गहराई को कवर करती है। 99 प्रतिशत से अधिक इंजीनियर जो यह परीक्षा देते हैं, वे इसे अपने जीवनकाल में केवल एक बार ही देते हैं।

दोनों तरफ से रिश्ते निभाए जाए, वही रिश्ता कामयाब होता है। एक तरफ से सेक कर तो रोटी भी नहीं बनाई जाती है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन

शाजापुर। गत 13 जुलाई बुधवार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर खजांची मंदिर शाजापुर में गुरु महाराज का पूजन शाजापुर आगर माहेश्वरी समाज जिला उपाध्यक्ष कमल नारायण माहेश्वरी द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर महिला समाज अध्यक्ष मिथलेश माहेश्वरी, उपाध्यक्ष आशा माहेश्वरी, मीना माहेश्वरी, रेखा माहेश्वरी एवं समस्त समाज जन उपस्थित थे।

शैक्षणिक सामग्री का किया वितरण

पुणे। प्रतिवर्षानुसार सांगवी परिसर महेश मंडल (पुणे) की ओर से सांगवी (पुणे) स्थित मराठी प्राथमिक विद्यालय के 315 से ज्यादा जरूरतमंद विद्यार्थियों में शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस शैक्षणिक सामग्री का वितरण श्रीनिवास करवा के हाथो किया गया। शैक्षणिक सामग्री में कंपास, नोटबुक, पेन्सिल, स्केच पेन, आदि शामिल रहे। इस मौके पर महेश मंडल के अध्यक्ष सतीश लोहिया, मुख्याध्यापिका कल्पना सोनवणे, निलेश अटल, गजानंद बिहाणी, तुषार माहेश्वरी, दीपेश मालाणी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन संतोष नवले ने किया और आभार ज्ञापन मुख्याध्यापिका कल्पना सोनावणे ने किया।

गुरु पूर्णिमा पर्व का हुआ आयोजन

चंद्रपुर। बजाज विद्या भवन में सर्वोदय महिला मंडल द्वारा आषाढ़ी एकादशी व गुरु पूर्णिमा मनाई गई। इस अवसर पर सर्वोदय महिला मंडल की अध्यक्ष नील बजाज, कार्यपालक अधिकारी भारती बजाज, तोरल मुंधड़ा, बजाज विद्या भवन की निदेशक ममता बजाज व स्कूल प्रिंसिपल सिंधुराव मैडम मौजूद थीं। इस अवसर पर सभी गणमान्य व्यक्तियों ने विट्ठल-रुक्मिणी की पूजा की। स्कूल की शिक्षिका शीतल आभारे ने विद्यार्थियों को आषाढ़ी एकादशी और गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया। नील बजाज ने आषाढ़ी एकादशी पर बच्चों को गुरु का महत्व बताया।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर पुष्पांजलि

नई दिल्ली। संसद भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित राजनांदगांव के पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जन धन योजना में जो खाते खोले गए उनका लाभ हमें आज दिखाई दे रहा है क्योंकि किसी भी प्रकार की छूट, अनुदान, किसान सम्मान राशि, सरकारी योजनाओं में सहायता राशि आदि सीधे छोटे और गरीब व्यक्तियों के निजी खाता में जमा हो रही है। यह विचार भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेडिया ने आंध्र प्रदेश महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड द्वारा आयोजित ग्राहक संपर्क कार्यक्रम में बैंक परिसर में व्यक्त किए। उन्होंने महेश बैंक की सेवाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की। शाखा प्रबंधक राजेश जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बैंक का संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संयुक्त प्रबंधक मदन खटोड़ ने बताया कि शाखा की विशेष ग्राहक विमला शर्मा का इस अवसर पर अभिनंदन किया गया। सम्मानित ग्राहक कृष्ण गोपाल सोमानी, शंकर सोनी आदि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर गोविंद प्रसाद लड्ढा, सुरेश भाटी, राम प्रकाश पोरवाल, आशीष तिवाड़ी, कोमल खटोड़, कविता शर्मा, महावीर खाब्या, राजेंद्र सोमानी आदि उपस्थित थे।

किसी भी रिश्ते को कितनी भी खूबसूरती से क्यों न बांधा जाय अगर नजरों में इज्जत और बोलने में लिहाज न हो तो वह टूट जाता है।

सायकलिस्ट श्री झंवर ने सायकल राइडिंग में बनाया कीर्तिमान

अहमदनगर। सायकलिस्ट स्व. श्री कमलाकर झेंडे - 'घाट का राजा' के जन्मदिन के अवसर पर ACDA, ठाणे, (मुंबई) शहर के साइकलिस्ट के समूह ने 50 किलोमीटर सायकलिंग राईड का आयोजन आभासी तरीके से किया था। इसमें पूरे महाराष्ट्र के 350 से ज्यादा साइकिल चालकों ने भाग लिया। सभी भाग लेने वाले साइकिल चालकों को मैडल व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। अहमदनगर के साइकलिस्ट के समूह ने यह राईड 'अहमदनगर - औरंगाबाद हाइवे' पर आयोजित की। इसमें अहमदनगर के सायकलिस्ट भरत झंवर ने 11 जून के दिन आयोजित इस 50 किमी की राईड को सिर्फ 2 घंटे 5 मिनट 5 सेकंड में पूरा किया व घाट के राजा श्री कमलाकर झेंडे को सलामी दी। गत वर्ष 2021 में श्री झंवर ने 100 किलोमीटर की दूरी तय की थी। हाल ही में उन्हें अहमदनगर जिला माहेश्वरी समाज की ओर से क्रीड़ा क्षेत्र के कार्य के लिए 'महेश गौरव पुरस्कार' देकर सम्मानित किया गया।

महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार आयोजित

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा व्यक्तित्व विकास समिति के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण पर 26 जून को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्षा वीणा तोषनीवाल ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य समाज से युवतियों को जोड़ना, उनकी हॉबी को इस प्लेटफार्म द्वारा आगे लाना तथा जो महिलाऐं घर से कार्यरत है, उनको टेक्नोलॉजी युग में इस माध्यम से आगे लाना रखा गया। इसमें फैशन डिजाइनिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, सोशल मीडिया कोर्स, पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स इत्यादि पर जानकारी दी गई। यह सेमिनार आईआईएफडी की डायरेक्टर पल्लवी मुकेश माहेश्वरी के सौजन्य से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मे भूतपूर्व राष्ट्रीय महिला संगठन अध्यक्षा विमला साबू, गुजरात माहेश्वरी प्रांत की अध्यक्षा उमा जाजू, जिलाअध्यक्ष अविनाश चांडक, शांतम के विनोद अग्रवाल सहित समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंच संचालन श्वेता जाजू ने किया। आभार जिला माहेश्वरी महिला संगठन सचिव प्रतिभा मोलासरिया द्वारा व्यक्त किया गया।

डॉ. बंग को राष्ट्रीय पुरस्कार

अहमदाबाद। स्थानीय शेल्बी अस्पताल में डॉ. विजय बंग, कोचीन (केरल) में रहने वाले रामप्रकाश बंग के बेटे एक्सक्लूसिव शोल्डर प्रैक्टिस कर रहे हैं। गत 29 जून को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल हेल्थकेयर अचीवमेंट अवार्ड समारोह में डॉ. बंग को गुजरात में सर्वश्रेष्ठ आर्थोपेडिक शोल्डर सर्जन' के रूप में सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान ईशा देओल (भारतीय अभिनेत्री और मॉडल), मनोज तिवारी (भारतीय राजनीतिज्ञ, गायक और अभिनेता), शहजाद पूनावाला (राष्ट्रीय प्रवक्ता-भाजपा), सैयद जफर इस्लाम (राज्यसभा सदस्य और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता) आदि के हाथों प्रदान किया गया।

बांग्लादेश में रथयात्रा का भव्य आयोजन

खुलना (बांग्लादेश)। गत 1 जुलाई 2022 की प्रातः बांग्लादेश के मुख्य शहर खुलना में अवस्थित श्री सत्यनारायण मन्दिर से भगवान श्रीबलभद्र, बहन सुभद्रा और श्री जगन्नाथ के स्वरूप में योगेश्वर श्रीकृष्ण को रथ में विराजमान कर शहर के प्रमुख बाजारों से हिन्दू समाज की भारी संख्या की उपस्थिति में भव्य यात्रा निकाली गयी। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य सूत्रधार खुलना निवासी गोपीकिशन मूंधड़ा थे। विभिन्न बाजारों में सर्वजनों द्वारा पूजन कर कीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं का सत्कार किया गया। भारतीय वर्तमान शासन प्रणाली के चलते चंहुओर इस रथोत्सव की प्रशंसा हो रही है। रथ अगले 15 दिनों तक मन्दिर के प्रेमकानन बाग में सर्वजन दर्शनार्थ विराजमान रहा और निरन्तर भागवत पाठ, भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण हुआ।

सबको मंजिल का शौक है और मुझे राही रास्तों का, ये दुनिया इसलिये बुरी नहीं, बुरे लोग ज्यादा है। बल्कि इसलिये बुरी है कि यहां अच्छे लोग खामोश हैं।

महेश नवमी महोत्सव का समापन

राँची। स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी समाज ने अपने महेश नवमी महोत्सव का समापन भव्य समारोह के रूप में किया। समारोह में श्री माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष शिव शंकर साबू, सचिव नरेंद्र लाखोटिया, माहेश्वरी महिला समिति की सचिव अनीता साबू, माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष सौरभ साबू, सचिव अंकुर डागा, प्रदेश के उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, संगीता चितलांगिया, नीरज चितलांगिया एवं विशिष्ट अतिथियों का मंच पर स्वागत किया गया। अध्यक्ष शिवशंकर साबू ने स्वागत भाषण देते हुए महेश्वरी समाज के सहयोग से चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। माहेश्वरी समाज ने अपनी बुजुर्ग सम्मान परंपरा को निभाते हुए कुल 13 महिलाओं एवं 10 पुरुषों को सम्मानित किया एवं उनसे आशीर्वाद लिया।

श्रीमती तोतला के नेतृत्व में हुआ पौधारोपण

उज्जैन। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन कार्यसमिति सदस्य गीता तोतला के नेतृत्व में गत 17 अप्रैल को प्रातः प्रजापति ब्रह्मकुमारी आश्रम, नानाखेड़ा रोड पर पौधारोपण किया गया। इसमें नीम, पीपल, गुलमोहर आदि के 100 से अधिक औषधीय पौधे मंत्रोच्चार के साथ लगाए गए एवं उनकी सेवा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रजापति ब्रह्मकुमारी आश्रम की प्रमुख उषा दीदी, माहेश्वरी महिला संगठन प्रदेश सचिव ऊषा सोडानी, संगीता भूतड़ा, सीमा परवाल, सीमा पलोड, मनीषा डागा, पर्यावरण प्रेमी श्याम पलोड, वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट ओ. पी. तोतला, नवल माहेश्वरी, पुष्कर बाहेती, सुनिल पलोड़, डॉ. पेंढारकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सत्र न्यायाधीश अरविंद जैन, सचिव चंद्रेश मंडलोई आदि के साथ आश्रम के बहुत से स्वयं सेवक व साधिकाएं उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट (पंजीकृत) फरीदाबाद द्वारा माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से रोटरी क्लब एवं जिला रेड क्रॉस सोसायटी फरीदाबाद के तत्वावधान में 12 वाँ रक्तदान शिविर माहेश्वरी सेवा सदन में 19 जून 2022 को आयोजित किया गया। शिविर के दौरान 136 यूनिट रक्तदान हुआ। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश गट्टानी ने कैंप में पधारे रोटेरियन डीजी अनूप मित्तल, डी आर शर्मा एक्स सचिव रेड क्रॉस हरियाणा, एच एल भूटानी चेयरमैन रोटरी ब्लड बैंक, गोपाल शर्मा जिला अध्यक्ष बीजेपी और गंगा शंकर मिश्र- आर एस एस सम्पर्क प्रमुख हरियाणा सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही साथ 25 से ज्यादा बार रक्तदान करने वाले रक्तदानियों को ट्रस्ट द्वारा सम्मानित करने का भी निश्चय किया गया।

कोविद को अन्तर्राष्ट्रीय पदक

नागपुर। कोविद बुब सुपुत्र महेश एवं रचना बुब ने सिंगापुर द्वारा आयोजित STD. 8 SASMO 2022 परीक्षा में कास्य पदक प्राप्त किया। इस परीक्षा में एशिया खंड के विभिन्न देशों से बच्चों ने भाग लिया था। यह परीक्षा गणित विषय में बड़ा महत्व रखती है।

आवश्यक सूचना

श्री माहेश्वरी टाईम्स के सभी पाठकों एवं बंधुओं को सूचित किया जाता है कि **श्री जगदीश सुदा** निवासी **अमरावती** मार्च 2020 से **श्री माहेश्वरी टाईम्स** प्रतिनिधि के कर्त्तव्यों से मुक्त किये जा चुके हैं। वे अब श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रतिनिधि नहीं हैं। इस सम्बन्ध में पूर्व में श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा सूचना भी प्रकाशित की जा चुकी है। फिर भी यदि कोई श्री माहेश्वरी टाईम्स के लिये श्री सुदा से कोई लेनदेन करता है, तो उसके लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स जिम्मेदार नहीं हैं। ऐसे मामले में सम्बंधित पक्ष श्री सुदा के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही कर सकते है।

- सम्पादक, श्री माहेश्वरी टाईम्स, उज्जैन

योग शिविर का हुआ आयोजन

मथुरा। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'ज़िला माहेश्वरी सभा सेवा समिति, मथुरा' के तत्वावधान में 'माहेश्वरी समाज' का एक वृहद् योग शिविर मथुरा के जवाहर बाग़ के 'सूर्य नमस्कार स्थल' पर आयोजित किया गया। इसमें योग शिक्षिका डॉ. भावना माहेश्वरी द्वारा योगाभ्यास कराया गया, जो सत्र डेढ़ घंटे तक चला। इस अवसर पर ज़िला माहेश्वरी सभा सेवा समिति, मथुरा के अध्यक्ष राजेंद्र माहेश्वरी, सचिव अभिषेक राठी, कोषाध्यक्ष गौरव माहेश्वरी, उपाध्यक्ष अरुण माहेश्वरी, सह सचिव अखिलेश माहेश्वरी व अनुराग माहेश्वरी, माहेश्वरी महिला मंडल मथुरा की अध्यक्षा रेखा सारडा एवं पूजा गोदानी, रचना राठी, प्रिया माहेश्वरी, वंदना माहेश्वरी, रीनू राठी सहित समाज के कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

बागडी 'ग्लोबल अचिवर्स' में शामिल

नागपुर। 'गिनिज वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर डॉ. तिलक तनवर के सहयोग से ग्लोबल अचिवर्स न्यूज, 47 मिडिया, फोर्ब्स मैगजीन, टीचाट.काम, ऑल इंडिया रेडियो व ग्लोबल अचिवर्स मैगजीन द्वारा '100 इंस्पायरिंग इंडियंस' सूची किताब का विमोचन दिल्ली में किया गया। इसमें महाराष्ट्र से लेखक, चिंतक, समाज सुधारक व वरिष्ठ समाज सेवी शरद गोपीदास बागडी का नाम भी शामिल किया गया। इस किताब में देश भर के समाज सेवा, मेडिकल, खेलकूद, साहित्य, सेना, आदि सभी क्षेत्रों के कई दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

रोहित झंवर बने उपसरपंच

बाग (धार)। ग्राम पंचायत बाग में उपसरपंच का चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुआ। इसमें ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष रोहित झंवर को पंचो ने विशाल बहुमत से उपसरपंच चुन लिया। चुनाव में 20 पंचों एवं सरपंच सहित 21 जनप्रतिनिधियों ने मतदान किया। इसमे 16 पंचो ने झंवर के पक्ष में मतदान कर उन्हें बहुमत प्रदान किया।

बिरला व माहेश्वरी का सम्मान

वरंगल। कोटा से राजेश बिरला एवं आशा माहेश्वरी व रामेश्वर माहेश्वरी समाज की बैठक के लिये जा रहे थे। उनका भव्य स्वागत पगड़ी, शाल, पुष्पगुच्छ एवं माला से वरंगल रेल्वे स्टेशन पर माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा किया गया। उनके सभी साथियों के भोजन की व्यवस्था समाज की ओर से की गई जिसमें वरंगल समाज के गणमान्य सदस्य व महिलायें भी शामिल थीं।

तीन दिवसीय वर्कशॉप का समापन

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में चल रही 3 दिवसीय डिजीटल मार्केटिंग और फैशन डिजाइनिंग वर्कशॉप का समापन किया गया। इस 3 दिवसीय वर्कशॉप में विद्यार्थियों को डिजीटल मार्केटिंग और फैशन डिजाइनिंग के बारे में सिखाया गया। कार्यक्रम के डॉयरेक्टर डॉ संजय बियानी ने बताया कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ स्किल डवलपमेंट पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए समय-समय पर आयोजित इस तरह की वर्कशॉप काफी मददगार साबित होती हैं। फैशन डिजाइनिंग की एचओडी रितु सोनी ने बताया कि इस 3 दिवसीय फैशन डिजाइनिंग वर्कशॉप में विद्यार्थियों को क्ले ईयरिंग, टाई एण्ड डाय दुपट्टा व टी-शर्टमोल्ड इट ज्वैलरी, ड्रिमकेचर और फेब्रिक ज्वैलरी के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

लोग कहते हैं कि दुःख बुरा होता है
जब भी आता है हमें रुलाता है लेकिन
मेरा मानना है कि दुःख अच्छा होता है
जब भी आता है अपनो की पहचान करवाता है।

माहेश्वरी भवन का हुआ लोकार्पण

बालोद। माहेश्वरी भवन के लोकार्पण के साथ ही नवनिर्मित माहेश्वरी भवन में चार दिवसीय समारोह सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी युवा मंडल ने अतिथियों की मोटरसाइकिल रैली के साथ अगवानी की। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय महासभा अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी थे। अध्यक्षता अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने की। विशेष अतिथि डॉ. ओमप्रकाश टावरी, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा संयुक्त महामंत्री मध्यांचल विजय राठी, महासभा के पूर्व कोषाध्यक्ष दामोदरदास मुंदड़ा व छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रामरतन मुंदडा थे। कार्यक्रम में अतिथियों के साथ संगठन अध्यक्ष श्री घनश्याम, किशन जाजू, श्याम सुंदर मंत्री, राजेश मंचासीन थे। भवन निर्माण के दौरान विशेष कार्य करने वाले अरुण-मीना काबरा, दिलीप-सुषमा राठी, दानेश्वर-नीलिमा तापड़िया व श्रवण-गीता टावरी का अतिथियों ने सम्मान किया। समाज के संयुक्त परिवार के रूप में रहने वाले टावरी परिवार का विशेष रूप से सम्मान किया गया। चेतन टावरी को श्रेष्ठ कार्य के लिये सम्मानित किया गया।

मांगलिक प्रसंग

उज्जैन। प्रसिद्ध समाजसेवी रामावतार-स्नेहलता आगीवाल की पौत्री तथा नईदिल्ली के ख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट अतुल- पूनम माहेश्वरी की सुपुत्री पलक का शुभ विवाह गुंटुर निवासी भानु सुपुत्र रमेश लक्ष्मी के साथ 10 जून को गुंटूर में संपन्न हुआ।

महिला संगठन द्वारा खाद्य सामग्री वितरित

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन से सम्बद्ध क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-1 द्वारा अमावस्या के दिन विद्याधर नगर स्थित कच्ची बस्तियों के बच्चों तथा चांदपोल हनुमान मंदिर एवं गणेश मंदिर के बाहर गरीब व्यक्तियों को 250 कचोरी, 10 किलो आगरे का पेठा, 8 किलो इमरती, केले आदि वितरित किए गए। संगठन अध्यक्ष उर्मिला लोहिया ने बताया कि इसमें करीब सात हजार रुपये की सामग्री वितरित की गई। मंत्री सरोज परवाल के अनुसार इस अवसर पर जिला संगठन की अध्यक्ष उमा सोमानी सहित जिला एवं क्षेत्रीय संगठनों के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। उमा सोमानी, सविता राठी, प्रेमलता मांधना, उर्मिला लोहिया, सरोज परवाल, नेहा बागड़ी, अपला मूंदड़ा, अनिल मूंदड़ा, उषा खटोड़ आदि कई सदस्याओं का सहयोग रहा।

महेश नवमी पर्व का हुआ आयोजन

भुवनेश्वर (उड़ीसा)। उड़ीसा के भुवनेश्वर बड़बिल जिला में महेश नवमी पर्व पर शिव की पूजा आराधना की गई। भद्रक, राउरकेला जिला में महेश नवमी पर्व मनाया गया। ढेंकानाल, अंगुल, तालचेर जिला- द्वारा महेश नवमी के पावन पर्व पर सामूहिक पूजा अर्चना कर महेश नवमी पर बुजुर्गो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रसाद का सेवन किया। संबलपुर जिला द्वारा नारी सेवा सदन सब्जी मार्केट में 150 पैकेट छाछ वितरित की। नवरात्री में दुर्गा मंदिर में 70 कन्याओं को कॉपी, पेन, रबर, स्केल व बिस्कीट आदि बांटे गये। महेश नवमी के दिन पूजा समापन के बाद गेम्स और हाउसी का सभी ने आनंद लिया। बुजुर्गो को सम्मानित किया गया। 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत अंक वाले बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

समय और समझ दोनों एक साथ
खुश किस्मत लोगों को ही मिलते हैं, क्योंकि
अक्सर समय पर समझ नहीं आती
और समझ आने पर समय निकल जाता है।

''सफर'' ने किया मंत्रमुग्ध

नागपुर। ज्योति महिला मंडल व माहेश्वरी संगठन महल द्वारा स्वर कोकिला लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि स्वरुप कार्यक्रम 'सफर' (लता से वटवृक्ष) का आयोजन किया गया। सुरेश भट सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुरुषोत्तम मालू, मितेश भांगड़िया व उषा सोनी उपस्थित थीं। सुशीला मालू, मेघा भांगडिया, उषा सोनी व शोभा सुरजन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने स्वागत भाषण दिया। लता मंगेशकर द्वारा गाई गई गणेश वंदना पर बड़े दीपों के साथ नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा विभिन्न सेगमेंट, विभिन्न भाषाओं के गीतों पर म्यूसिकल ग्रुप के कलाकारों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सूत्र संचालक अमर कुलकर्णी द्वारा गीतों के बीच लता जी के जीवन के अनछुए पहलुओं के बारे में दी गई। कार्यक्रम की संकल्पना सचिव स्वाति सांवल की थी। किरण मुंदड़ा का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन कल्पना मोहता द्वारा किया गया। उमेश पगारिया, संजय बालपांडे, नगर सभा अध्यक्ष कृष्णा राठी, रमेश रांधड, रमेश मंत्री विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की संयोजिका कल्पना मूंदड़ा, अर्पणा टावरी, दीप्ति सावल, श्वेता राठी के साथ कीर्ति भैया, कल्पना मोहता, प्रीति भैया, मधुसूदन बिंझानी, विजय लड्ढा, जगदीश बजाज, ओम भैया आदि ने सहयोग दिया।

नागोरी की पुण्य स्मृति में हैल्थ केयर युनिट समर्पित

कोलकाता। स्व. श्री जीवनलाल बाहेती, स्व. श्रीमती गीता देवी सोमानी, स्व. नंदकिशोर सोमानी की स्मृति में सोमानी परिवार, गुवाहाटी एवं बाहेती परिवार, कोलकाता ने एक हेल्थ केयर डायलिसिस यूनिट ''जीवन नन्दन हेल्थकेयर'' समर्पित की। अत्याधुनिक तथा नवीनतम संयत्रों से लैस यह युनिट उनकी स्मृति में गत 27 जून, को लायंस क्लब ऑफ कोलकाता काकुरगाछी नेत्रालय एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रांगण में समर्पित की गई। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति बैठक के पश्चात 17 जुलाई को श्याम सोनी, सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा, श्याम सुंदर राठी, अशोक इन्नानी, रमेश तापड़िया आदि कई समाजसेवी डायलिसिस यूनिट को देखने आए। बाहेती परिवार एवं सोमानी परिवार के सदस्यगणों संजय बाहेती, रेनू बाहेती, समीक्षा सोमानी, सरिता नागोरी ने अतिथिगण को डायलिसिस यूनिट के बारे में जानकारी दी।

रेयांश का नाम इंडिया बुक में दर्ज

गोहाटी। माहेश्वरी सभा सदस्य वन्दना-नरेश सोमानी के पौत्र और सीमा-वरुण सोमानी के पुत्र 7 वर्षीय रेयांश सोमानी ने रुबिक क्यूब द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में पांच मिनट में 46 देशों के राष्ट्रीय ध्वज बना कर इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड व एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। रेयांश बरपेटा रोड़ निवासी अनुराधा-वासुदेव माहेश्वरी के दोहित्र है।

निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

इंदौर। पुस्तकें आज भी सच्चे मित्र की तरह हैं और निबंध प्रतियोगिता से वैचारिकता को बढ़ावा के साथ सकारात्मक व रचनात्मक सोच व दृष्टिकोण भी जाग्रत होता है। उक्त विचार मुख्य अतिथि समाजसेवी कमलनारायण भुराड़िया ने श्री महेश सार्वजनिक वाचनालय एवं ग्रंथालय द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 'मेरी रेल यात्रा' विषय पर आयोजित ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। संस्था मंत्री राजेन्द्र असावा ने बताया कि विशेष अतिथि राजेश शारदा व राजेश मूंगड़ थे। प्रतियोगिता की संयोजक रचना बजाज व राजकमल माहेश्वरी थीं। सभी विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार राशि व प्रमाण पत्र प्रदान कर बधाई दी। संस्था अध्यक्ष श्रीनिवास सोनी द्वारा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी गई। अतिथियों का स्वागत मनीष काबरा, लव शारदा, मधु भलिका, सूर्यप्रकाश झंवर, हरि चौधरी, मुकेश शारदा व श्याम सारडा ने किया। संचालन संस्था मंत्री राजेन्द्र असावा ने किया। आभार ईश्वर बाहेती ने माना।

जीवन का 'आरंभ' आपके रोने से होता है और जीवन का 'अंत' दूसरों के रोने से इस 'आरंभ' और 'अंत' के बीच का समय भरपूर हास्य भरा हो।

अक्टूबर में आयोजित होगा महिला महाधिवेशन "शंखनाद-2022"

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वादश सत्र का महाधिवेशन कोटा (राजस्थान) में आगामी 9,10,11 अक्टूबर को एलन के सद्गुण सभागार, लैंडमार्क सिटी, कुन्हाड़ी कोटा में आयोजित किया जाएगा। इसमें देश विदेश से 1600 महिलाऐं एवं डेलीगेट्स के शिरकत करने की संभावना है। कार्यक्रम आयोजन माहेश्वरी महिला मंडल कोटा रहेगा। आतिथ्य कोटा जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवम् कुन्हाड़ी महिला मंडल और संयोजक पूर्वी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन करेंगे। प्रथम दिवस 9 अक्टूबर को प्रातः कार्यक्रम का शुभारंभ मंचपूजन के साथ किया जाएगा। तत्पश्चात कर्म सारथी प्रतियोगिता, 5-जी. गाय, गंगा, गीता, ग्रामीण, गोपाल पर आधारित आंचलिक प्रतियोगिता, तत्पश्चात माहेश्वरी समाज की डिग्निटीज के कर कमलों से उद्घाटन समारोह होगा। रात्रि में शरद पूर्णिमा उत्सव में गोविंद माहेश्वरी की भजन संध्या के साथ आंचलिक प्रतियोगिता आयोजित होगी। द्वितीय दिवस 10 अक्टूबर को प्रातः भव्य शोभा यात्रा, मोटिवेशनल / आध्यात्मिक व्याख्यान, जागृति कवियित्री सम्मेलन (प्रतियोगिता) एवं कौन बनेगी मणि कर्णिका प्रतियोगिता आयोजित होगी। तृतीय दिवस 11 अक्टूबर को स्थानीय कार्यकर्ता सम्मान, समाज के चिंतनीय विषयों पर लघु नाटिका (आंचलिक प्रतियोगिता) रखी गई है। इसमें कोविड प्रभावित प्रभावित परिवारों की रोजगार उन्मुख 5 महिलाओं को स्टॉल लगाने की सुविधा दी गई है। उक्त जानकारी कार्यालय मंत्री मधु-ललित बाहेती ने दी।

पिकनिक का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा 20 जुलाई को बारिश के सुहाने मौसम और सावन को ध्यान में रखते हुए पिकनिक का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रकार के 1 मिनट के व्यक्तिगत खेल और समूह खेल रखे गए। सुबह के नाश्ते के साथ फलाहार भी रखा गया। स्वादिष्ट भोजन का भी सभी सदस्यों ने लुत्फ उठाया। संगठन की अध्यक्षा अनुराधा अजमेरा ने आने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। सचिव निक्की राठी ने 'चल सखी चले सखी संगठन' पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सखियों को एक साथ आने के लिए क्षेत्रवार समूह बनाकर दिए। सभी नए सदस्यों ने अपना परिचय दिया। कार्यक्रम का अंत बारिश और सावन से जुड़े गीतो से मनोरंजक हाउजी खेलवाकर किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक सदस्या के साथ भूतपूर्व अध्यक्षा और कार्यकारिणी सदस्याओं के साथ 135 सखियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में निक्की राठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुति

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी नर्सिंग कॉलेज में आयोजित फ्रेशर्स पार्टी 'फेस्टिनो बीट्स' में सीनियर्स ने फ्रेशर्स का स्वागत मस्ती और जोश के साथ परंपरागत तरीके से किया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के एकेडमिक निदेशक डॉ संजय बियानी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट डायरेक्टर मनीष बियानी, कॉलेज डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल और प्रिंसिपल तारावती चौधरी ने की। डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी व रिसर्च एंड डेवलपमेंट डायरेक्टर मनीष बियानी ने फ्रेशर्स को प्रेरक उद्बोधन दिया। फ्रेशर्स के स्वागत में सीनियर्स ने विभिन्न फिल्मी गीत और राजस्थानी गीतों पर नृत्य कर माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया।

महारुद्राभिषेक का हुआ आयोजन

कोलकाता। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महा रुद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में गत 24 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे से किया गया। इस 28वें रुद्राभिषेक में 51 जोड़ों ने भाग लिया। अतिथि स्वागत महिला संगठन अध्यक्षा सुशीला बागड़ी ने किया। महासभा के संयुक्त मंत्री श्याम राठी, कार्य समिति सदस्य गोपाल दम्मानी एवं निर्मला मल (प्रदेश महिला अध्यक्ष) कोलकाता प्रदेश, अंचल एवं माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुरेश बागड़ी थे।

वृद्धजनों की हुई सेवा

गुना। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल गुना द्वारा वृद्धाश्रम जाकर वृद्ध लोगों के साथ समय व्यतीत किया गया। उनके साथ भजन गाये, ढोलक और नाच के साथ मनोरंजन किया। अंत में सभी बुजुर्गों को चाय और नाश्ता कराया गया। मंडल द्वारा सावन का स्वागत गरमा गरम नाश्ता और चाय के साथ किया गया। सभी ने गेम्स और हाउजी खेली और मौसम का पूरा पूरा लुत्फ उठाया।

70 प्रतिशत तक सस्ती हो सकती हैं महत्वपूर्ण दवाइयाँ-श्री सोमानी

निजामाबाद। समाजसेवी श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र कोषाध्यक्ष पुरूषोत्तम सोमानी के प्रयासों से गत वर्ष कुछ महत्वपूर्ण दवाओं की कीमत कम हुई थी। अब श्री सोनी कैंसर, डायबिटीज और हृदय रोग आदि से संबंधित कई दवाओं की असामान्य कीमतों को कम करवाने में जुटे हैं और सम्भावना है कि 15 अगस्त को सरकार इसकी घोषणा कर दे।

श्री सोमानी के नेतृत्व में गत 20 जुलाई को एक प्रतिनिधि मंडल ने इन दवाओं पर असामान्य एमआरपी के कारण हो रही राजस्व हानि व उपभोक्ताओं की हानि आदि से केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत बराड़ को अवगत करवाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार आवश्यक दवाओं की लिस्ट में बदलाव पर काम कर रही है। पिछली बार इसमें 2015 में बदलाव किया गया था। अब इसमें ऐसी दवाओं को शामिल किया जाएगा, जिनका

व्यापक तौर पर इस्तेमाल हो रहा है। ऐसी दवाओं के हाई मार्जिन पर कैपिंग लगाने पर विचार किया जा रहा है, जिनका मरीज लंबे समय तक इस्तेमाल करते हैं। यदि यह आश्वासन मूर्तरूप लेता है तो कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को दवाओं पर जल्द राहत मिल सकती है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार इन बीमारियों के इलाज में जरूरी दवाओं की कीमत में कटौती की तैयारी में है। इसका ऐलान 15 अगस्त को हो सकता है।

अभी क्या है स्थिति

फरवरी 2019 में दवाओं की कीमतों से जुड़े रेगुलेटर एनपीपीए के कदम से कैंसर को 41दवाओं के 526 ब्रैंड की कीमतें 90 प्रतिशत तक कम हो गई थीं। फिलहाल 355 दवाओं को कंट्रोल में रखा गया है यानी इनकी अधिकतम कीमत एनपीपीए तय करता है। इन पर होलसेलर्स के लिए मार्जिन 8 प्रतिशत और रिटेलर्स के लिए 16 प्रतिशत है। एनपीपीए के कदम के बावजूद कई दवाओं पर अब भी ज्यादा कीमतें वसूली जाती हैं। जो दवाएं सरकार के कंट्रोल से बाहर है, उन पर कंपनियां सालाना 10 प्रतिशत तक कीमत बढ़ा सकती है। लेकिन कई दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 1000 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

कारगिल विजय दिवस का हुआ आयोजन

चंद्रपुर। सर्वोदय महिला मंडल द्वारा बजाज विद्या भवन में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बजाज विद्या भवन की निर्देशिका ममता बजाज व प्राचार्या सिंधु राव आदि भी उपस्थित थे।

सराहनीय पुनर्विवाह का आयोजन

उज्जैन। सोमानी परिवार की वधु कविता के पति शरद सोमानी का देहावसान कोरोना के कारण 25 अप्रैल 2021 को हो गया था। कविता की बहन व बहनोई अनिता-आनंदकुमार माहेश्वरी के प्रयास से कविता का पुनर्विवाह कांकरोली निवासी सुनील कुमार लखोटिया के साथ सादगीपूर्ण ढंग से मंदिर में सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि श्री लखोटिया की धर्मपत्नी का भी कोरोना के कारण देहावसान हो गया था।

सत्तू आटा वितरण कार्यालय का उद्घाटन

इन्दौर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा शहर की प्रथम महिला नैत्री जूही पुष्पमित्र भार्गव का सम्मान स्थानीय माहेश्वरी भवन गौराकुण्ड पर किया गया। संस्था अध्यक्ष सुमन सारड़ा ने बताया कि इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सत्तू आटा वितरण कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा विगत 50 वर्षो से सत्तू आटा वितरण का कार्य सफलता पूर्वक किया जाता है। इसकी तैयारी एक माह पूर्व ही आरंभ कर दी जाती है। पूरे शहर एवं प्रदेश ही नही वरन राजस्थान, महाराष्ट्र के परिवार एवं कुछ विदेशो में बसे परिवार भी यहां के सत्तु आटे के वितरण का इन्तजार करते हैं। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन संस्था सचिव नम्रता राठी ने किया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राजेश मुंगड, चंद्रा मुन्दडा, रेखा पसारी, सीमा माहेश्वरी एवं सभी क्षेत्रिय महिला संगठन पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

शब्द का भी तापमान होता है,
ये सुकून भी देते हैं और जला भी देते हैं।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे सेवा सदन भवन

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन प्रबंधकारिणी की बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय

पुष्कर। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की प्रबंधकारिणी समिति की वर्तमान सत्र की द्वितीय बैठक गत 23 जुलाई को आयोजित हुई। इसमें सेवा सदन भवनों को आधुनिक सुविधाओं से लेस करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए।

सेवा सदन प्रबंधकारिणी की बैठक अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, भीलवाडा प्रमुख अतिथि थे। गत प्रबंधकारिणी समिति की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के पश्चात अध्यक्ष भूतड़ा ने वर्तमान सत्र के प्रारम्भिक 6 माह में सेवा-सदन के सभी भवनों में वर्तमान परिवेश अनुसार आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित करवाये जाने वाले कार्यों के क्रम में अभी करवाये गये कार्यों की जानकारी साझा की। शीघ्र ही समाजबंधुओं के सहयोग से अजमेर में एक छात्रावास निर्माण करवाये जाने की जानकारी सदस्यों को प्रदान की। उन्होंने नासिक व जगन्नाथपुर में भी शीघ्र ही भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाने का आश्वासन दिया। महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि विभिन्न भवनों के उचित संचालन हेतु अध्यक्ष के निर्देशानुसार बनाई गई भवन समितियों के उपस्थित संयोजकों ने सम्बंधित भवनों में गत दिनों आयोजित समिति बैठकों की रिपोर्ट प्रहलाद शाह, अनिल कुमार बांगड़, जयकिशन बल्दुवा, विजयशंकर मूंदड़ा, मनोहरलाल पुंगलिया, मुरलीधर झंवर, मधुसुदन मालू आदि ने क्रमवार प्रस्तुत की एवं संबंधित भवन में करवाये जाने वाले आवश्यक कार्यों हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये। इसी क्रम में मुख्यालय पुष्कर के रामसभा परिसर के एक ब्लॉक के स्थान पर नव निर्माण हेतु भी महामंत्री ने प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सभी उपस्थितजन ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की।

अयोध्या में भी भवन बनायेगा सेवा सदन

सेवा सदन के मार्गदर्शक रामपाल सोनी ने सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा की कार्यशैली की मुक्तकण्ठ प्रशंसा की। उन्होंने सेवा सदन के उत्तरोत्तर विकास हेतु काफी अच्छे सुझाव भी दिये एवं नवनिर्माणों सहित वर्तमान प्रकल्पों के उचित रख-रखाव पर भरपूर कार्य करने की आवश्यकता प्रकट की। माहेश्वरी समाज की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या में शीघ्र ही भव्य भवन की कार्ययोजना पर श्री सोनी ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस हेतु महासभा ने भी प्रस्ताव लिया है एवं सेवा सदन का भी प्रस्ताव विचाराधीन है। मैं यह मानता हूँ कि इस भव्य प्रकल्प का निर्माण कार्य सेवा सदन द्वारा ही किया जा सकेगा एवं शीघ्र ही आपसी विचार विमर्श कर स्थिति स्पष्ट कर लेंगे। इस बीच अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट समाज की भावनानुसार बनाया जायेगा जिसमें कम से कम 50 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। मार्गदर्शक सोहनलाल भूतड़ा जोधपुर, निवर्तमान अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला चित्तौड़गढ़, ओमप्रकाश तोषनीवाल किशनगढ़, जगदीश प्रसाद राठी रियांबड़ी ने भी अपने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था द्वारा होगा परिचय सम्मेलन

इंदौर। श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था द्वारा लगातार आयोजित किए जाने वाले परिचय सम्मेलन की अगली कड़ी में माहेश्वरी समाज के विवाह योग्य उच्च शिक्षित, विधवा एवं विदुर युवक-युवतियों के लिए आगामी 8 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक परिचय सम्मेलन का आयोजन दस्तूर गार्डन में होने जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य रामावतार जाजू रहेंगे। स्वागत अध्यक्ष सुनील मालू एवं संयोजक श्याम सारडा कन्नौद व दिनेश भूतड़ा इन्दौर रहेंगे। उक्त जानकारी देते हुए संस्थापक अध्यक्ष रविन्द्र राठी ने बताया कि संस्था द्वारा विगत 5 वर्षों से समाज के युवा युवतियों के लिये लगातार सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। अभी तक सैकड़ों संबंध परिचय सम्मेलन के माध्यम से हुए हैं। विगत सम्मेलन में भी लगभग 25 से अधिक सम्बंध तय हुए हैं। संस्था अध्यक्ष श्री गोपाल मांधना ने बताया कि संस्था का उद्देश्य है, अधिक से अधिक परिचय सम्मेलन के माध्यम से संबंध हों और इस आगामी आयोजन में विधवा, विदुर व तलाकशुदा के 21 जोड़ों का संबंध कराने का संकल्प लिया है। आपने समाजबंधुओं से अपील की है कि अपने बच्चों के बायोडाटा शीघ्र से शीघ्र भेजें और सम्मेलन में भाग लें।

हम परेशान क्यों हैं? दो ही कारण है
एक हमें तकदीर से ज्यादा चाहिये
और दूसरा हमें वक्त से पहले चाहिये।

जय महेश

संस्था पंजीयन क्र. 03/27/01/21409/19

श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था, इन्दौर

मुख्य कार्यालय : श्री माहेश्वरी बोरवेल, 13, रत्नदीप टॉवर, नवलखा बस स्टेण्ड, इन्दौर

कार्यालय फोन : 0731-4102620 समय : सुबह 10 से 6 बजे तक

नोद क्र.

अ.भा. माहेश्वरी विवाह योग्य युवक - युवती एवं विशिष्ट प्रत्याशी परिचय सम्मेलन दि.8,9,10 अक्टोबर 2022

सम्मेलन स्थल : दस्तूर गार्डन, फूटी कोठी चौराहा, रिंग रोड़, स्कीम नं. 71, इन्दौर

E-mail : shrimaheshsamajiksanstha@gmail.com Website : www.shrimaheshsamajiksanstha.com

फॉर्म जमा हेतु व्हाटसएप नं. एवं पेटीएम से पेमेन्ट जमा हेतु नं. -7746086933

प्रत्याशी के दो साफ-सुथरे कलर फोटो चाहिए

एक फोटो चिपकायें व दूसरे फोटो को फॉर्म के साथ में पिन से लगायें।

युवक ☐ युवती ☐ विशिष्ट युवक ☐ विशिष्ट युवती ☐

रसीद क्रमांक ..... दिनांक ..... नगद रु. ..... ड्राफ्ट क्र. .....

प्रत्याशी का नाम _____ पिताजी का नाम _____

स्वयं की सांख _____ मामा की सांख _____

जन्म दिनांक D D M M Y Y Y Y जन्म समय ..... जन्म स्थान ..... जिला .....

आयु ☐☐ ऊँचाई ☐☐ वजन ☐☐ रंग _____ रुचि _____

शिक्षा एवं योग्यता _____ अन्य उपलब्धी _____

प्रत्याशी का व्यवसाय / सर्विस _____ पद _____ वार्षिक आय _____

कार्यालय / प्रतिष्ठान का पूरा पता _____

पिता का व्यवसाय _____ वार्षिक आय _____

माताजी का नाम _____ व्यवसाय _____

निवास का पता _____ व्हाट्सअप नं ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐

फोन नंबर - एस.टी.डी. कोड _____ व्हाट्सअप नं अभिभावक/पिता ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐

ई-मेल _____ व्हाट्सअप नं प्रत्याशी ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐

पारिवारिक जानकारी _____

_____

अन्य सम्पर्क सूत्र _____ स्थान _____

अध्यक्ष - गोपालकृष्ण एस. मानधन्या
मो. : 9827234033

संस्थापक अध्यक्ष - डॉ. रविन्द्र राठी
मो. : 9425052183

सम्मेलन प्रारंभ एवं समापन :-
8 अक्टो. 2022 प्रातः 9 बजे से 10 अक्टो. 2022 सायं 6 बजे तक

पंजीयन शुल्क रु. 1500

नोट : उपरोक्त जानकारी सत्यप्रतीत करता हूँ / करती हूँ। पीछे दिये हुए सभी नियम एवं सूचनाओं के पालन का मैं वचन देता हूँ / देती हूँ।

श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था, इन्दौर

Bank Name & A/c. No. : HDFC Bank, Gumashta Nagar Branch, Indore

A/c. No. 50100276343950 IFSC Code : HDFC0009412

संस्था के नाम से डी.डी. या एन.ई.एफ.टी. के द्वारा पेमेन्ट जमा करें।

हस्ताक्षर
पिता / अभिभावक

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

अमरनाथ आपदा में भी बने ''फरिश्ते''

बस्सी (कश्मीर)। कहते हैं देश सेवा का जज्बा अगर मन में हो तो व्यक्ति को किसी वर्दी की आवश्यकता नहीं होती। कुछ ऐसा ही जज्बा अमरनाथ यात्रा पर गए बस्सी के 8 नौजवानों ने दिखाया। पवित्र अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से कई लोगों की जान चली गई तो कई श्रद्धालु अपनों से बिछड़ गए। वातावरण चीख-पुकार में बदल गया। बस्सी निवासी व्यवसायी महेश जागोटिया ने बताया कि जिसको जहां रास्ता मिला वह अपनी जान बचाने के लिए भागा। यह देखकर हम सभी के मन से डर भाग गया ओर केवल लोगों को बचाने का ही ख्याल मन में रहा। इस दौरान वहां सेना के जवान पहुंच गए और उन्होंने रेस्क्यु ऑपरेशन शुरू कर दिया। सेना के साथ लोगों को बचाने की जंग में हम बस्सी वाले भी अपनी जान की परवाह किए बिना कंधे से कंधा मिलाकर जुट गए। यदि बादल फटने की घटना शाम के समय या रात में होती तो हजारों श्रद्धालुओं की जान चली जाती। उन्होंने बताया कि भीषण आपदा में जहां हर कोई अपनी जान बचाकर भागने को विवश था, ऐसी विकट परिस्थितियों में महादेव के भक्त बस्सी के ओम प्रकाश नामधराणी, महेश जागेटिया, विशाल सोनी, आशीष मूंदड़ा, दिलीप गट्टानी, अनिल तेली, लोको पायलट सोनू साहू, दीपक राइवाल भी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर श्रद्धालुओं को बचाने और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में जुट गए। अमृतसर में रहने वाले मूलतः बस्सी निवासी पवन साबू करीब 30 साल से अमरनाथ यात्रा के दौरान यहां आते हैं और अलग-अलग पारियों में लंगर में सेवाएं देते हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय भी बस्सी के युवा वहां मौजूद थे। बस्सी के ओमप्रकाश नामधराणी, महेश जागेटिया, विशाल सोनी ने फोन पर आंखों देखा हाल बताया कि तेज गर्जना के साथ जैसे ही बादल फटा तो सब लोग लंगर से गुफा की ओर भागने लगे। उस समय लंगर में भी करीब 60 लोग ठहरे हुए थे। उन्होंने बताया कि इस विकट घड़ी में कोई चंदनबाड़ी के रास्ते तो कोई बालटाल के रास्ते चल पड़ा। इस दौरान उन्होंने वहां रुककर लोगों को बचाना जरूरी समझा और सेना के साथ काम में जुट गये। वे पूरी रात सेना के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में फंसे मृतकों को निकलवाने और घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में लगे रहे।

सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन

बालोद। नवनिर्मित बालोद माहेश्वरी भवन के लोकार्पण समारोह की पूर्व संध्या पर माहेश्वरी भवन बालोद में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मंचासीन अतिथियों में युवा संगठन के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री, दिनेश गांधी, पवन डागा व अनिल टावरी उपस्थित रहे। माहेश्वरी भवन के लोकार्पण हेतु चार दिवसीय कार्यक्रम बालोद समाज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोकार्पण हेतु मुख्य अतिथि श्याम सुंदर सोनी, अध्यक्ष राजकुमार काल्या व विशेष अतिथि के रुप में ओम प्रकाश टावरी, विजय राठी, दामोदर दास मूंदड़ा, राम रतन मूंदड़ा उपस्थित थे। 1 जुलाई को माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन रखा गया। 2 जुलाई शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हाईकू

राम मूंदड़ा, इंदौर

सबको अपने
कर्मों का
पता होता है,

यूँ ही
गंगा पर इतनी
भीड़ नहीं होती।

■

तेरे **दर** पे
आने से पहले,
मैं **कमजोर** होता हूं !

तेरी **दहलीज़**
छूते ही, मैं
कुछ और होता हूं !!

■

दुनियादारी में
हम थोड़ा
कच्चे रहे

कमी ये रही
कि सबके साथ
अच्छे रहे...!

■

दुःख
कम **बढ़े** हैं,

सहनशक्ति
ज्यादा **घटी** है।

■

ये नहीं है
कि वह **एहसान**
बहुत करता है,

अपने **एहसान**
का **एलान**
बहुत करता है।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज में छात्राओं को मिले इंटरनेशनल और नेशनल पैकेज

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की छात्राओं ने ना केवल नेशनल बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी प्लेसमेंट पाने का अनूठा मुकाम हासिल किया। हाल ही में बियानी गर्ल्स कॉलेज की आईटी विभाग की चार छात्राओं का जापान की वेल ग्रुप इंटरनेशनल कम्पनी में चयन हुआ है। इसके पहले कॉलेज की 12 छात्राएं जापान और यूएसए की प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी जैसे जाइस्ट यूनिवर्सिटी, साईतामा यूनिवर्सिटी, राइकेन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में बेहतरीन पैकेज पर काम कर रही हैं और अपनी उच्चतर शिक्षा भी प्राप्त कर रही हैं। इसी के साथ कॉलेज के नर्सिंग विभाग में सभी छात्राओं को सौ प्रतिशत प्लेसमेंट देने का लक्ष्य भी हासिल कर लिया है।

जगन्नाथ यात्रा का किया आयोजन

वरंगल। स्थानीय जगदीश मंदिर, हनमकोंडा में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन धूमधाम से किया गया। प्रगतिशील मारवाडी समाज, वरंगल के तत्वावधान में श्री जगन्नाथ भगवान की पूजा अर्चना कर तीर्थ गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में प्रगतिशील मारवाडी समाज के अध्यक्ष व वरिष्ठ सदस्यों द्वारा भजन कीर्तन किया गया। समाज के कई गणमान्य सदस्य, महिला एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उक्त जानकारी समाज के सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी ने दी।

समाजजनों की अनुकरणीय पहल

हैदराबाद। ईलाज के लिये संजय बिहानी (सुपुत्रःस्वर्गीय शंकरलाल जी-मूलतः सरदारशहर) को मदुराई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्भाग्य से श्री संजय का गत 29 जून 2022 को देहान्त हो गया। पराई जगह में ऐसी विकट परिस्थिति में क्या किया जाय, परिजनों के लिये यह समय बड़ा कठिन हो गया। संयोग से जुगलकिशोर सोमानी के पास एक परिजन का फोन आया। श्री सोमानी ने तुरन्त प्रेम बिसानी और दिनेश मंत्री से संपर्क कर सारी स्थिति बताई। तुरन्त ही श्री लखोटिया, दिनेश राठी, रमेश भूतड़ा, अनुराग मून्धड़ा, रवि फोमरा व तोषनीवाल जी आदि को लेकर दिनेश मंत्री बिहानी परिवार के पास पहुंचे और सबको ढांढस बंधाया तथा सारी व्यवस्था कर मृतात्मा का दाह-संस्कार करवाया। इस सहयोग से पूरा परिवार गदगद है।

आयरलैंड में राजदूत से मुलाकात

भोपाल। वरिष्ठ व्यंग्य कवि एवं मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रादेशिक महामंत्री राजेन्द्र गट्टानी ने गत दिनों आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्र से मुलाक़ात कर अपनी मुक्तक कृति 'युग का गरल पिया करते हैं' भेंट की। श्री मिश्र ने चर्चा में बताया कि इन दिनों आयरलैंड में अलग-अलग प्रोफेशन में भारतीय प्रवासी निरंतर बढ़ रहे हैं जिन्हें आपस में जोड़कर भारतीय साहित्य और संस्कृति को यहां भी जीवंत रखते हुए तादात्म्य विकसित करना उनकी व्यक्तिगत रुचि है। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी, श्री माहेश्वरी टाइम्स में 'खरी खरी' कालम के नियमित रचनाकार हैं। श्री मिश्र ने अपनी इस भेंट के चित्र और श्री गट्टानी से सुने मुक्तक के वीडियो को ट्विट भी किया है।

नमक के जैसा बनाइये अपना व्यक्तित्व,
आपकी उपस्थिति भले ही पता न चले पर
अनुपस्थिति का अवश्य ही 'अहसास' हो।

गुरु पूर्णिमा पर आयोजित हुई स्पर्धा

उज्जैन। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल द्वारा एक स्पर्धा का आयोजन रखा गया। इसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विषय था "हमारे गुरु कैसे होने चाहिए?" महिलाओं ने अपने उद्बोधन में बताया कि जीवन में गुरु भाग्य से मिलते हैं, फिर भी मनुष्य अपने अभिमान के कारण गुरु से वंचित हो जाते हैं। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि आयोजित स्पर्धा में आरती सोडाणी प्रथम, मनीषा राठी द्वितीय व उषा सोडाणी तृतीय रही। इस मौके पर तेजू देवी तोषनीवाल, मनोरमा मंडोवरा, संतोष सोडानी, संगीता भूतड़ा, रूक्मणी भूतड़ा, शोभा मूंदडा, ज्योति राठी, निशा मूंदडा आदि कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

सहस्त्र घट कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। गत 17 जुलाई को 'श्रावण मास की शुरुआत पर महेश क्लब सिविल लाइन्स, (जयपुर) के तत्वावधान में विशाल सहस्त्र घट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष महेंद्र अजमेरा एवं सचिव राधेश्याम काबरा के अनुसार कार्यक्रम में 21 जोडो एवं 25 ब्राह्मण विद्वानों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। शिव परिवार की झांकी व उसके पश्चात स्वादिष्ट प्रसादी ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक कमल नुवाल थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन

सांगवी पुणे (महाराष्ट्र)। सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नवी सांगवी स्थित नटसम्राट निळू फुले रंगमंदिर में किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिये फेन्सी ड्रेस, एकल नृत्य, युगल और सामूहिक नृत्य की स्पर्धा आयोजित हुई। इस अवसर पर बच्चों ने प्लास्टिक बंदी, पर्यावरण, पेड़ लगाओ, पेड़ जगाओ, जल बचाऐं-भविष्य बचाऐं जैसे संदेश भी दिये। महिलाओं ने समूह नृत्य से राजस्थानी संस्कृति से अवगत कराया। इस अवसर पर नगर सेविका शारदाताई सोनावणे, सुनील लोहिया, सतीश लोहिया, निलेश अटल आदि उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि

श्री संजय बिहानी

हैदराबाद। समाज सदस्य श्री संजय बिहानी (सुपुत्र स्वर्गीय शंकरलाल जी) का मदुराई (तमिलनाडू) के अस्पताल में गत 29 जून को असामयिक निधन हो गया। आप अपने पीछे भंवरीदेवी (माता), नीलिमा (पत्नी) व पुत्र-पुत्री सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती सावित्रीदेवी लद्दा

उज्जैन। स्व. श्री नरसिंगदास लद्दा की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी लद्दा का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पौत्र-पौत्री तथा प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री राजेन्द्र राठी

उज्जैन। गितेश राठी के पिता श्री राजेन्द्र राठी का गत 18 जुलाई को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भाई, पुत्र, पौत्र-पौत्री आदि का भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गया है।

सुश्री महक बंग

आसोप (जोधपुर)। बड़ा ग्वाड़-आसोप जिला जोधपुर (राज.) निवासी जितेन्द्र बंग की सुपुत्री व सीताराम बंग की पौत्री तथा नंदकिशोर मोदानी, डेगाना, जिला नागौर की दोहिती नन्हीं सी बालिका कुमारी महक बंग का 4 वर्ष की अल्पायु में गत 19 जुलाई को असामयिक स्वर्गवास हो गया। महक अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई है। समाजसुधार अंतर्गत परिवार ने केवल एक दिन की बैठक तथा उठावना ही रखा।

श्री बालकृष्ण अजमेरा

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य व ख्यात जवाहरात कारोबारी श्री बालकृष्ण अजमेरा का गत 8 जुलाई को आकस्मिक देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती मीराबाई मंत्री

सूरत। अड़ाजन घोड़दौड़ रोड़ माहेश्वरी सभा सूरत के कार्यकारी सदस्य किरण मंत्री की माता श्रीमती मीराबाई मंत्री का गत 21 जुलाई को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री मूसा माता मंदिर का पुर्ननिर्माण

नांदेड़ (महाराष्ट्र)। गत अनेक वर्षों से कुलदेवी श्री मूसा माता के मंदिर निर्माण हेतु प्रयास किए जा रहे थे। इस हेतु 1 जनवरी 2012 को नांदेड़ (महाराष्ट्र) में पहला अखिल भारतवर्षीय दरक परिवार सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें इस विषय को गति प्रदान की गई। अगला सम्मेलन औरंगाबाद में संपन्न हुआ। इस में अखिल भारतीय श्री मूसा माता चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की घोषणा की गई। इस ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर औरंगाबाद निवासी सुप्रसिद्ध उद्योजक काशीनाथ दरक को मनोनीत किया गया। माताराणी के अनन्य भक्त एवं कृपा पात्र काशीनाथ दरक, सुभाषजी, शीतलजी, रमेशजी, प्रो.किशनप्रसादजी, गोविंदजी, बजरंगजी, ओमप्रकाशजी, रोहितजी, ऋषि दरक (किशनगढ़) आदि दरक भाइयों ने इस कार्य को पूर्ण करने का संकल्प किया। इस संकल्प को राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा देशविदेश में बसने वाले दरक भाइयों ने खुले हृदय से आर्थिक सहयोग देकर सभी दरक परिवार के इस सपने को सहज बनाते हुए मूर्त स्वरूप प्रदान किया। मंदिर प्रांगण में ही भक्तों के लिए तीन सुसज्ज एवं अटैच बाथरूम वाले कमरों का निर्माण नागपुर निवासी भाई सत्यनारायणजी एवं चाइना निवासी उनके लघु भ्राता श्री रामजी और श्यामजी के सहयोग से पूर्ण हुआ। मंदिर के भीतर के तीन रूम का आर्थिकभार गोपाल दरक वरंगल, रामावतार दरक मुंबई और एक भाई ने उठाया। संपूर्ण भारत वर्ष से पधारे हरद्रयास गोत्र के भाइयों की सपरिवार उपस्थिति में आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2079 तदर्थ गुरुवार दिनांक 30 जून 2022 को शतचंडी पाठ से मूर्ति स्थापना की पूजा का प्रारंभ हुआ। आषाढ़ शुक्ल दशमी संवत 2019 शनिवार दिनांक 9 जुलाई 2022 को होम हवन उपरांत श्री मूसा माता की मूर्ति की विधिवत स्थापना की गई।

बियानी कॉलेज में नेशनल वेबीनार का आयोजन

जयपुर। बियानी गर्ल्स बीएड कॉलेज में नैक द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय नेशनल वेबीनार का ऑनलाईन आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बियानी कॉलेज के रिसर्च एण्ड डवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी ने किया। टांटिया यूनिवर्सिटी के कुलपति एम एम सक्सेना तथा एनसीटीई एनआरसी के चैयरमेन डॉ. बनवारी लाल नाटिया, कॉलेज के डायेरक्टर डॉ संजय बियानी पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नंदिता सिंह ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

माधुरी माहेश्वरी बनी पार्षद

नरसिंहगढ़ (जिला राजगढ़)। गोपाल माहेश्वरी की धर्मपत्नी माधुरी माहेश्वरी स्थानीय निकाय के चुनाव में वार्ड 11 से भारतीय कांग्रेस पार्टी की ओर से पार्षद निर्वाचित हुई। उल्लेखनीय है कि श्रीमती माहेश्वरी के पति गोपाल माहेश्वरी नरसिंहगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष रहे हैं। माता स्व. श्रीमती ईनानी भाजपा महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष रही हैं।

चुनाव समिति में सदस्य मनोनीत

नागपुर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के 29 सत्र के केंद्रीय चुनाव समिति के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय चांडक नागपुर द्वारा मध्यांचल से महेश तोतला इंदौर एवं सज्जन मोहता को केंद्रीय चुनाव समिति सदस्य मनोनीत किया गया। इस नियुक्ति पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया।

'सप्तरंगी' में भूतड़ा व दम्माणी

अमरावती। शहर सहित प्रदेश के साहित्यिक क्षेत्र में विगत 45 वर्षों से सक्रिय और लब्ध प्रतिष्ठित "सप्तरंगी" हिन्दी साहित्य संस्था की नूतन कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर शंकर भूतड़ा तथा सचिव पद पर श्याम दम्माणी 'नीलेश' का सर्वसम्मति से चयन किया गया। नई कार्यकारिणी आगामी 3 वर्षों तक संस्था की बागडोर संभालेंगी तथा हिन्दी के साहित्य व साहित्यकारों के सम्मान में तत्पर रहेगी।

कटू सत्य - ईश्वर ने हमें धरती पर खाली चेक की भांति भेजा है, गुणों और योग्यता के आधार पर हम स्वयं अपनी कीमत उसमें भरनी है।

बाहेती को पीएच.डी. उपाधि

अकोला। ख्यात वित्त एवं कर सलाहकार एवं सहयोग टैक्स एंड फाइनेंस मैनेजमेंट लिमिटेड के संस्थापक, आशीष गोपीकिसन बाहेती को मदर टेरेसा विश्वविद्यालय-मुंबई द्वारा डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि से नवाजा गया। श्री बाहेती ने वर्ष 1997 में कराधान और वित्तीय प्रबंधन में एल.एल.बी. पूरा किया। साथ ही 2012 में इसी विषय में एम.बीए किया और 2020 में एल.एल.एम. कर लिया है। अब उन्होंने वर्ष 2022 में इसी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

दिशा क्लेट में चयनित

अमरावती (महाराष्ट्र) स्थानीय शारदा नगर स्थित डॉ. गिरीश-नंदकिशोर डागा और वनिता डागा की सुपुत्री कुमारी दिशा डागा ने CLAT (कॉमन लॉ ऐडमिशन टेस्ट) लॉ पूर्वपरीक्षा ऑल इंडिया रैंक 611 के साथ उत्तीर्ण की। इस परीक्षा की तैयारी वह 2 साल से ऑनलाइन भोपाल से कर रही थी। कक्षा 12वीं में भी वह बोर्ड से दूसरी टॉपर रही और संगीत में गांधर्व महाविद्यालय मुंबई द्वारा दी गई मध्यमा पूर्णा (पांचवी) परीक्षा में भी वह उत्तीर्ण हुई।

माधव का स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत चयन

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के रिसर्च एण्ड डवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी के पुत्र माधव बियानी ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके साथ ही माधव ने जापान के शिबोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी के कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग में स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत इनोवेटिव ग्लोबल प्रोग्राम के कोर्स में चयनित होने में भी सफलता हासिल की। इस कोर्स में प्रवेश के लिए दुनियाभर के विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन केवल 9 विद्यार्थियों का ही चयन होता है, जिसमें से माधव एक हैं। माधव की बहन सुरभि बियानी ने भी सीबीएसई 12वीं में 92.2 प्रतिशत और भाई राघव माहेश्वरी ने सीबीएसई 10वीं परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

साक्षी को 99 प्रतिशत अंक

कोलकाता। संजीव-अनिता मूंदड़ा की सुपुत्री साक्षी ने सीबीएसई 12 वीं (वाणिज्य संकाय) की परीक्षा में 99.6% अंक प्राप्त किये। उन्हें पांच विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने अपने निजी सचिव के हाथों प्रशस्तिपत्र और मिठाई भिजवाकर बच्ची को आशीर्वाद दिया।

डॉ. पसारी को डी.लिट. की उपाधि

इन्दौर। देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के 58 वर्षो के इतिहास में अंग्रेजी में पहली डी.लिट और सबसे कम उम्र में डी.लिट का कीर्तिमान डॉ. प्रियंका पसारी के नाम दर्ज हुआ है। अभी तक विश्व विद्यालय द्वारा अन्य विषयों में 9 व्यक्तियों को डी. लिट की उपाधी प्रदान की गई है। प्रियंका पसारी, माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी के अनुज गोविंद पसारी की पुत्र वधु व अखिलेश पसारी की पत्नी तथा समाज सेवी ओमप्रकाश मुछाल की सुपुत्री हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रेया आईआईटी में चयनित

विजयपुरा (कर्नाटक)। श्रेया मर्दा ने 10 वीं की परीक्षा राज्य बोर्ड से 99.05 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। उन्होंने पीयूसी सेकेंडरी में भी 98.2 प्रतिशत हासिल किये थे। इसके पश्चात् जेईई मेन में 98.76 पर्सेंटाइल और 12,322 रैंक और जेईई एडवांस में 11157 रैंक हांसिल की। वर्तमान में श्रेया आईआईटी गोवा से स्नातक (बीटेक) कर रही हैं।

प्रियंका को देश में दूसरी रैंक

कोलकाता। घनश्याम दास बाहेती की पौत्री व सुनील बाहेती की सुपुत्री प्रियंका ने आईएससी बोर्ड की 12 वीं की परीक्षा 99.5% अंकों से उत्तीर्ण कर पूरे देश में द्वितीय रैंक प्राप्त की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रियंका के लिलुआ स्थित घर अपने निजी सचिव के हाथों प्रशस्तिपत्र और मिठाई भिजवाकर उनका अभिवादन किया।

अंकुर को पीएच.डी. उपाधि

बुलढाणा। समाज सदस्य ओमप्रकाश व रश्मि बंग के सुपुत्र अंकुर बंग ने एन.आई.टी. सूरत (गुजरात) से कम्प्यूटर साईंस अंतर्गत पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उन्हें विषय "Investigating and Devising Security Solutions for Resource Constraint IoT Devices Operating on 6LoWPAN Protocol Stack" पर प्रस्तुत शोध प्रबंध के लिये यह उपाधि प्रदान की गई। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सुरभि को प्रदेश में प्रथम स्थान

इंदौर। समाज सदस्य सुनील-सीमा लालावत की सुपुत्री सुरभि लालावत ने गजरा राजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर से एमडी पैथोलॉजी में पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर देवास जिला माहेश्वरी सभा की ओर से शुभकामनाएं दी गई।

सोमिल बने सीए

कांकरोली (राजसमंद)। समाज सदस्य सुनील एवं कविता लखोटिया के सुपुत्र सोमिल लखोटिया ने सीए फाइनल परीक्षा पहले ही प्रयास में दोनों ग्रुप में एक साथ उत्तीर्ण की।

श्रद्धा को 99.87 प्रतिशत अंक

इन्दौर। कुटीर उद्योग अगरबत्ती कारखाने के मालिक सत्यनारायण माहेश्वरी (आगार) की पोती व विपिन-वर्षा माहेश्वरी की सुपुत्री श्रद्धा माहेश्वरी (आगार) ने 12वीं सीबीएसई परीक्षा 98.8% एवं एकाउंट में 100 प्रतिशत हासिल कर इंदौर में द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्तीर्ण की। श्रद्धा बजरंग लाल गग्गड़ की दोहिती हैं।

पार्थ को 93.2 प्रतिशत अंक

सीहोर। नवीन सोनी के सुपुत्र पार्थ ने केंद्रीय विद्यालय से सीबीएससी 12वीं की बोर्ड परीक्षा 93.2% अंक अर्जित करके उत्तीर्ण की। शास्त्री नृत्य कलाकार रूपाली सोनी आपकी माता हैं।

देविका को 95 प्रतिशत अंक

इंदौर। स्व. श्री शंकरलाल राठी एवं फूलकँवर बाई राठी (कंपेल वाले) की सुपौत्री एवं युगलकिशोर-सुधा राठी की सुपुत्री देविका राठी को सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 95% अंक प्राप्त हुए। उद्यमिता विषय में उन्हें 100 में से 100 अंक आए एवं बुक कीपिंग में 99 अंक मिले।

दिशांक को 98 प्रतिशत अंक

नागपुर। दिशांक-सचिन बजाज ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। दिशांक अच्छे शतरंज खिलाड़ी भी हैं।

गर्विका को 93 प्रतिशत अंक

इंदौर। समाज सदस्य शिव प्रकाश काकानी की सुपुत्री गार्विका ने सीबीएसई 12वीं कामर्स की परीक्षा 93 % अंकों से उत्तीर्ण की।

खुशी को 99.25 प्रतिशत अंक

देवघर (झारखंड)। समाज सदस्य नीरज व सीमा मूंदड़ा की सुपुत्री खुशी ने सीआईसीएसई बोर्ड की 12वीं (कॉमर्स) की परीक्षा 99.25 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें खुशी ने पूरे झारखंड में टॉप किया। खुशी स्व.श्री लक्ष्मी निवास मूंदड़ा की पौत्री तथा सरदार शहर के स्व. श्रीविजयकुमार पेड़ीवाल की दोहिती है।

हरीश बने सीए

गुजरात। समाज की प्रतिभा हरीश-श्यामसुंदर सारडा ने अपनी कड़ी मेहनत से पहली ही कोशिश में सीए फाइनल की परीक्षा में सफलता पाई। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

हर्ष बने सीए

उज्जैन। समाजसदस्य कमलेश-रेखा मंत्री के सुपुत्र हर्ष ने प्रथम प्रयास में ही सीए फायनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सुरभि बनी सीए

अकोला। गंगानगर निवासी समाज सदस्य अनिल भैया की सुपुत्री सुरभि ने सीए फायनल की परीक्षा मात्र 22 वर्ष की उम्र में उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भव्या को 95 प्रतिशत अंक

इंदौर। समाज सदस्य राजेश व सोनिया जाखेटिया की सुपुत्री भव्या ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें गणित स्टैण्डर्ड में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

अवनी बनी सीए

उज्जैन। वरिष्ठ समाज सेवी प्रहलाद-रुकमणी भूतड़ा की पौत्री व विनय सोनाली भूतड़ा की सुपुत्री अवनी भूतड़ा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेही जनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रीत को 98 प्रतिशत अंक

सिलीगुड़ी। रीत करनाणी सुपौत्री बनवारीलाल व सुपुत्री संदीप करनाणी को आईएससी बोर्ड की 12वीं में 98% अंक प्राप्त हुए हैं। रीत अपने स्कूल की टॉपर है।

आदित्य को आईसीएसई में तीसरी रैंक

कानपुर। आईसीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा में कानपुर के आदित्य चाण्डक सुपुत्र आशीष-मुदिता चाण्डक ने देश में तीसरी रैंक प्राप्त की।

शैली को 99 पर्सेन्टाईल

उज्जैन। समाज सदस्य आशीष व अर्चना जाजू की सुपुत्री शैली ने जेईई मेन्स परीक्षा 99.46 पर्सेन्टाईल अंकों से उतीर्ण की।

दोनों हाथ जोड़कर आपसे बस इतनी ही विनती है कि जो देना है सो देना लेकिन कभी भी अहंकार, घमंड, ईर्ष्या ये सब चीजें मत देना।

मोहित को 99 प्रतिशत अंक

जयपुर। कालू जिला बीकानेर निवासी और जयपुर निवासी शंकरलाल राठी के सुपौत्र श्याम राठी के सुपुत्र मोहित ने जयपुर ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 99% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वंशिका को तीसरी रैंक

कोलकाता। वंशिका कोठारी सुपौत्री देवकीनंदन कोठारी सुपुत्री राजेश कोठारी ने आईएससी (विज्ञान) की 12 वीं की परीक्षा 99.25% अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने देशभर में तृतीय रैंक प्राप्त की।

खुशी को 94.6 प्रतिशत अंक

आलीराजपुर। प्रतिभावान छात्रा खुशी-हरिश बाहेती ने सीबीएसई कक्षा बारहवी की परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय विधायक मुकेश पटेल सहित समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कार्तिक बने सीए

भीलवाड़ा। राज्य कर अधिकारी दिनेश काबरा के सुपुत्र कार्तिक ने प्रथम प्रयास में सीए के दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसमें 509 अंकों के साथ उन्होंने भीलवाड़ा जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सिया को 99.4 प्रतिशत अंक

गाजियाबाद। मूलतः छापर निवासी व साहिबाबाद प्रवासी वरिष्ठ समाज सदस्य हुलासचंद की सुपौत्री व निलेश सारड़ा की सुपुत्री सिया ने सीबीएसई 10वीं में 99.4% अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

वैभव बने सीए

दुर्ग। दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा द्वारा सीए की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने पर वैभव सोमानी सुपुत्र नरेश सोमानी एवं शारदा सोमानी का उनके निवास पर पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा नरेंद्र राठी, जिला संगठन मंत्री व बाबा मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक राठी आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

महक को गोल्ड मेडल

बैंगलौर। बी.एड. की छात्रा सुश्री महक सारड़ा सुपौत्री आशाराम सारड़ा व सुपुत्री अनु-जयप्रकाश सारड़ा को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड तथा गोल्ड मेडल से क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. मुदित ने किया एमडी

माधोगंज (उ.प्र.)। समाज सदस्य नवलकिशोर माहेश्वरी के सुपुत्र एवं स्व. श्री रामविलास माहेश्वरी के पौत्र डॉ. मुदित ने इंदौर मेडिकल कॉलेज से तीन विषयों में स्वर्ण पदक और मध्यप्रदेश में 13 स्थान लेते हुए एमबीबीएस किया था। इसके बाद उन्होंने गत दिनों ग्वालियर मेडिकल कॉलेज से रेडियोलॉजी में एमडी की उपाधि प्राप्त की है।

तनिष बने सीए

बठिंडा। तनिष माहेश्वरी पुत्र स्वर्गीय जगदीश माहेश्वरी को पहली बार में ही सीए फायनल उत्तीर्ण करने पर माहेश्वरी सभा, महिला संगठन व युवा शक्ति के सदस्यों द्वारा उनके घर जा कर बधाई दी गई। सुशील मुंधड़ा, के. के. मालपानी, जगदीश मंत्री, सुमित चांडक, सविता होलानी, अंजू मालपानी आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

राघव को 99.2 प्रतिशत अंक

पुणे (महाराष्ट्र)। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री पुष्पा तोष्णीवाल के पौत्र, व निर्मल तोष्णीवाल के सुपुत्र राघव ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 99.2प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में 8वाँ तथा माहेश्वरी समाज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनन्या को 97 प्रतिशत अंक

जयपुर। निकटस्त फुलेरा की अनन्या साबू सुपुत्री अमित-अनुपमा साबू ने सीबीएसई की विज्ञान संकाय 12 वीं कक्षा की परीक्षा फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 97.4% नंबर प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

दिव्यांश 97 प्रतिशत अंक

बरेली (उ.प्र.)। सरदारपुरा निवासी एवं बरेली (उ.प्र.) प्रवासी राजकुमार चाण्डक के सुपुत्र दिव्यांश सुपौत्र गजानंद चांडक ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 97.6% अंक से उत्तीर्ण कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पार्थ को 99 प्रतिशत अंक

पुणे। समाज सदस्य सुमित व मनीषा मालपानी के सुपुत्र पार्थ ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 99.3 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने तीन विषयों में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

कुछ तकलीफें जिंदगी में हमारा 'इम्तेहान' लेने नहीं बल्कि हमारे साथ जुड़े लोगों की 'पहचान' करवाने आती है।

भाद्रपद कृष्णपक्ष तृतीया (14 अगस्त 2022) को सम्पूर्ण राजस्थान में मनाया जाने वाला सातुड़ी तीज पर्व इस राज्य की विशिष्ट परम्परा का पर्व है। लेकिन माहेश्वरी समाज के लिये तो यह विशेष महत्व रखता है। कारण यह है कि साक्ष्यों की मान्यता के अनुसार इसी दिन माहेश्वरी समाज के पूर्वज 72 उमराव भगवान महेश की कृपा से पुर्नजीवित हुए थे। आइये देखें परम्पराओं के आयने में इस विशिष्ट पर्व का महत्व।

उमरावों के पुर्नजीवित होने का पर्व

सातुड़ी तीज

यह है पौराणिक मान्यता

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति की प्राचीन मान्यताओं के माध्यम से प्रतिपादित किया गया है कि श्राप वश 72 उमराव पत्थर की प्रतिमा में परिवर्तित हो गए थे। तब उनकी पत्नियों ने अपनी तपस्या से भगवान शिव व माता पार्वती को प्रसन्न किया। भगवान शिव ने उन उमरावों को पुनः जीवन प्रदान किया। इन उमरावों ने पुनः जीवन पाकर तत्काल तलवार आदि शस्त्रों का त्यागकर तराजू को ग्रहण किया एवं माहेश्वरी समाज की स्थापना की। जिस समय भगवान शिव ने उमरावों को पुनः जीवन दिया, उस वक्त उन्हें भूख लगी। भोजन के लिए अन्य वस्तु वहां उपलब्ध न होने से प्रभु के आदेश पर वहां उपलब्ध बालूरेती के पिण्ड बनाये गए एवं भगवान शिव ने मंत्र द्वारा उन रेत के पिण्ड को ''सत्तु'' के पिंडों में परिवर्तित कर दिया। ये सत्तु पिंड खाकर हमारे पूर्वजों ने अपने पेट की ज्वाला शांत की एवं क्षत्रिय वर्ण से वणिक वर्ण की ओर नई जीवन यात्रा माहेश्वरी के रूप में प्रारंभ की।

ऐसे मनाते हैं यह पर्व

जिस तरह तलवार एवं कृपाण से पिण्डों को बड़े कर हमारे पूर्वजों ने खाया गया था, उसी तरह आज भी चाकू से पिण्डों को बड़े (काटना) करने की परम्परा चली आ रही है। इस दिन 72 उमरावों के भगवान शिव एवं माता पार्वती के आशीर्वाद से पुनः जीवित होने पर उनकी पत्नियों में हुई असीम खुशी ने एक महोत्सव का रूप धारण कर लिया था। अनेक दिनों से तपस्या में लीन महिलाओं ने अपना उपवास जंगल में उपलब्ध कच्चे दूध, ककड़ी, नींबू एवं प्रभु द्वारा प्रदत्त सत्तु को ग्रहण करके तोड़ा था। ठीक इसी प्रकार आज भी माहेश्वरी महिलाएं तीज के दिन उपवास रखकर शाम को नीमड़ी की पूजा करके, चंद्र दर्शन कर अर्ध्य देती हैं एवं अपना उपवास कच्चे दूध, सत्तु, ककड़ी व नींबू से तोड़ती हैं। इसमें विशेष रूप से चार प्रकार के सत्तु बनाए जाते हैं। परंपरानुसार जिस स्त्री के विवाह के बाद प्रथम सावन आया हो, उसे ससुराल में ही रखा जाता है। अतः पकवान बनाकर बेटियों को सिंधारा भेजा जाता है।

चंद्रमा से सौभाग्य की कामना

रात्रि में चंद्रमा उगने के बाद अर्ध्य दिया जाता है। अर्ध्य देते समय बोलते हैं-'सोना को सांकलों, मोत्यां को हार, बड़ी तीज (कजली तीज) का चांद के अरग देवता, जीवो बीर-भरतार।' अर्ध्य देने के बाद पिंडा (सत्तू) पासा बड़ा किया जाता है। पति या भाई चांदी के सिक्के से पिंडे का एक टुकड़ा तोड़ते (बड़ा करते) हैं। पति द्वारा पत्नी को कच्चे दूध के 7 घूंट पिलाकर उपवास खुलवाया जाता है। महिलाएं कलपना निकाल कर सास-ननद को देकर अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद लेती हैं। इसके बाद पूजा की हुई नीमड़ी का एक पत्ता सत्तू के साथ देकर कहती है, 'नीमड़ी मीठी'। माना जाता है कि ऐसा कहने से वे पीहर ससुराल सभी जगहों पर अपने मीठे व्यवहार से सभी का दिल जीत लेती हैं। इस व्रत का उद्यापन विवाह के बाद प्रथम वर्ष में ही यदि कर सकें तो बहुत अच्छा, नहीं तो जब भी मौका लग जाए तब जरूर करना चाहिए। इसमें 18 पिंडे एवं उसके साथ 18 नीमड़ी बना कर 18 सुहागिनों को बांटते हैं। सासुजी को कपड़े और कलपना भेंट करते हैं।

समाजसेवा के क्षेत्र में ''खींवसर के लाल'' तथा चैन्नई के ''कर्मवीर'' पद्मश्री बंशीलाल राठी का नाम हमेशा ही अत्यंत गरिमामय ढंग से लिया जाता है। कारण यह है कि उनके योगदानों से वटवृक्ष की तरह न सिर्फ कई स्वयंसेवी संस्थाओं को संबल प्राप्त हुआ अपितु आप सदैव सेवा पथ के पथिकों के लिये प्रेरणा स्त्रोत भी बने। आगामी 14 अगस्त को 89वाँ जन्मदिवस मना रहे ऐसे ''सेवापथ के वटवृक्ष'' को श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार नमन करता है।

समाजसेवा के ''वटवृक्ष''

पद्मश्री बंशीलाल राठी

व्यवसाय ही नहीं बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में भी चैन्नई निवासी पद्मश्री बंशीलाल राठी एक ऐसा नाम है, जिनका जिक्र आते ही, हर कोई नतमस्तक हुए बिना नहीं रहता। इसका कारण है, उनकी वह अद्भूत सेवा भावना जिसने सदैव मानवता की सेवा ही की। उम्र के 89 पड़ाव पार कर चुके होने पर भी उनका जज्बा किसी युवा से भी 100 कदम आगे ही है। उनके पास यदि किसी भी संगठन के पदाधिकारी किसी मदद के लिये पहुंचते हैं, तो उनकी वह मदद करने में उन्हें मात्र चंद घंटे लगते हैं। जबकि वे लोग सभी मिलकर भी प्रयास करें तो उसे करने में महीनों लग जाएँ। बस, यह दृढ़ संकल्प और जज्बे का ही अंतर होता है।

व्यवसाय जगत में भी प्रेरणा स्त्रोत

14 अगस्त 1933 को नागौर (राजस्थान) के खींवसर ग्राम में सेठ श्री गंगाधर राठी के यहां जन्मे बंशीलाल राठी वास्तव में एक अद्भुत व्यक्तित्व हैं। मात्र प्रायमरी स्तर तक शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद उन्होंने शून्य से अपने व्यवसाय की शुरूआत की और आज शिखर की ऊँचाई पर हैं। वर्तमान में स्टील, फायनेंस, एक्सपोर्ट आदि कई व्यवसाय व उद्योगों का संचालन कर रहे हैं। समाजसेवा के अंतर्गत अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जैसे शीर्ष पद की जिम्मेदारी भी निभाई। समाज की कई संस्थाओं व ट्रस्टों के लिये तो आप जीवनदाता ही रहे। जाजू ट्रस्ट के कायाकल्प व रामगोपाल माहेश्वरी ट्रस्ट के विकास के मूल में आपका अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने समाज को राह दिखाई कि सिर्फ संस्था बना कर छोड़ देना तो वैसा ही है, जैसे पौधा रोपकर उसे प्यासा छोड़ देना, उसकी देखरेख कर उसे बड़ा करना भी हमारा कर्त्तव्य होता है। ऐसी अनगिनत संस्थाएं हैं, जिनमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से बाबूजी श्री राठी सहयोगी बने हुए हैं।

आर्थिक संबल में भी बढ़ाये हाथ

वर्तमान में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र समाज के आर्थिक विकास की धुरी बन चुका है। इसकी स्थापना श्री राठी के अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापतित्वकाल में वर्ष 1997 में हुई थी। इसके पश्चात यह बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला की अध्यक्षता में सतत रूप से कार्य कर रहा है। प्रारंभ से ही श्रीमती बिड़ला ने श्री राठी को इस संस्था का नेतृत्व कार्याध्यक्ष के रूप में सौंप दिया था। तब से ही इसे शून्य से शिखर की ऊंचाई देने में श्री राठी के नेतृत्व का बहुत बड़ा योगदान है। महासभा की नागपुर बैठक के समय महाराष्ट्र प्रदेश के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की असहाय महिलाओं की सहायता हेतु अपील की जिस पर आप महाराष्ट्र प्रदेश की 40 ऐसी महिलाओं को वर्ष 2009-10 से प्रतिमाह रु 1000/- की नियमित रूप से सहायता राशि भेज रहे हैं।

कोरोना काल में भी बने थे सहयोगी

श्री राठी अपने चिरपरिचित अंदाज में कोरोना महामारी की इस दूसरी लहर के दौरान भी विपदा में फंसे अपनों के लिये देवदूत की तरह ''अपने'' बनकर सामने आये थे। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के 108 सहित देशभर के कई जरूरतमंद परिवारों को ससम्मान आर्थिक सहायता प्रदान कर अपनत्व का परिचय दिया। विगत वर्ष कोरोना महामारी की प्रथम लहर व उसके फलस्वरूप हुए लॉकडाउन में श्री राठी द्वारा देश के अनेक असहाय परिवारों को प्रति परिवार रू 3000/- की राशी भेजी गई थी। कोरोना की इस दूसरी लहर में भी भामाशाह बन श्री राठी ने स्वयं आगे आकर महाराष्ट्र के कोरोना प्रभावित दुर्बल परिवारों को प्रति परिवार रू 10000/- (दस हजार) की सहायता अति शीघ्रता से जिला सभा एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से करीब 108 परिवारों को पहुंचाई थी।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

संयम और उत्साह सावन का संदेश

हरी भरी वसुंधरा, रिमझिम बरसात, भरे-भरे नदी तालाब, मंद-मंद समीर निश्चय ही मन में उत्साह का उफान ले आता है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में सावन माह का हर दिन कुछ विशिष्ट बन गया है। हर दिन उत्सव का दिन है, हर उत्सव का अपना एक अलग अंदाज है।

उत्सवों से भरे इस सावन मास की एक और अन्य व्यवस्था भी है, उत्सव के साथ-साथ ये महिना उपवास का भी है। पूरे मास एक समय भोजन की प्रथा है, पूरा मास नहीं तो सोमवार का जिव्हा संयम तो अधिकतर लोग रखते हैं। अन्य दिवसों में भी इस संयम के अलग-अलग तरीके वर्णित हैं।

सावन मास की यह परम्परा जिंदगी की सही राह समझाती है। सफल और आनंदमयी जिंदगी जीनी है, तो मन में जीने का उत्साह होना बहुत जरूरी है। हर कार्य को उत्साह के साथ करना जरूरी है, उत्साह कार्य को बोझिलता से बचाता ही नहीं वरन् उसे आनंदमयी बना देता है। उत्साह नहीं तो जिंदगी नीरस बन, बोझ लगने लगती है और आप सब जानते हैं कि बोझा ढोया जाता है, जिया नहीं जाता। बोझ भार होता है, आनंदमयी नहीं होता।

श्रावण मास की उपवास व्यवस्था जीवन में संयम का महत्व समझाती है। मन के उत्साह पर मस्तिष्क का संयम, जीवन को संतुलित बनाता है। जीवन का संतुलित होना सुख, शांति और सफलता के लिये बहुत आवश्यक है। ये उत्साह पर लगी वो नकेल है जो जीवन को कभी भटकने नहीं देती।

सावन माह की इस सांस्कृतिक धरोहर को अपने जीवन प्रबंधन का मूल मंत्र बनाइये। हर हाल, हर परिस्थिति में स्फूर्ति और उत्साह को अपने मन से कभी अलग मत कीजिये और साथ ही संयम की डोर से अपने जीवन को हर घड़ी बांधे रखिये। निरंतर अभ्यास और मनोबल आप स्वयं इन दोनों का सुंदर समायोजन कर सकते हैं।

ये करेंगे तो राह जिंदगी की आसान ही नहीं सुंदर और मनमोहक बन जायेगी।

जीवेत् शरदः शतम्

मानवता के सेवक, प्रकृति के पुजारी,
आर आर ग्लोबल ग्रुप के प्रमुख एवं
अ.भा. माहेश्वरी महासभा (मध्यांचल) के उपसभापति

श्री त्रिभुवन काबरा (भाईजी)

को जन्म दिवस (7 अगस्त) की हार्दिक-हार्दिक बधाई
एवं दीर्घ सफल जीवन की मंगल कामनाऐं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

जालोर निवासी समाजसेवी अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के तीसरी बार निर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा का सम्पूर्ण जीवन ही समाजसेवा को समर्पित रहा है। उन्होंने स्वयं का व्यवसाय किया या राजनीति लेकिन उनका लक्ष्य रहा तो मानवता की सेवा ही। उम्र के 7 3वें पड़ाव पर भी श्री भूतड़ा की यह मानवता की सेवा की यात्रा उसी तरह अनवरत जारी है जिस तरह उनकी युवावस्था में रहती थी।

समाजसेवा ही जिनका जीवन

रामकुमार भूतड़ा

देश के विभिन्न तीर्थस्थलों पर माहेश्वरी संस्कारों के अनुरुप घर जैसी आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने वाली शीर्ष सेवा संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष के रूप में तीसरे सत्र में सेवा दे रहे जालौर निवासी समाजसेवी रामकुमार भूतड़ा के समाजसेवा के जज्बे को पूरा समाज अच्छी तरह जानता है। युवावस्था से प्रारम्भ उनकी यह सेवा यात्रा कई पड़ावों को तमाम व्यस्तताओं के बावजूद भी पार करते हुए अनवरत जारी है। श्री भूतड़ा की तीन विशिष्ट पहचान हैं। वे व्यवसाय जगत में प्रतिष्ठित व्यवसायी, राजनीति में सफल राजनेता तथा समाजसेवा में सफल नेतृत्वकर्ता के रूप में पहचान रखते हैं। इन तीन विशेषताओं के कारण इनकी त्रिवेणी की तरह एक विशिष्ट पहचान है और वह है, एक समर्पित समाजसेवी की छवि। श्री भूतड़ा के मन में समाज व मानवता की सेवा इस तरह रचि बसी हुई है कि इन्होंने त्रिवेणी का अंतिम लक्ष्य ही समाजसेवा बना दिया। आप भाजपा के राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। व्यवसाय जगत में श्री भूतड़ा की पहचान एक सफल ग्रेनाइट स्टोन व्यवसायी के रूप में है। इसे भी उन्होंने शून्य से शुरुआत कर शिखर की ऊंचाई के रूप में प्राप्त किया। श्री भूतड़ा सेवा संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के दो सत्रों तक पूर्व में सतत अध्यक्ष रहे एवं अपने इस कार्यकाल में उन्होंने संस्था का ऐसा चहुँमुखी विकास किया जो इतिहास बन गया। अ.भा. माहेश्वरी महासभा को भी महामंत्री के रूप में श्री भूतड़ा सफलतापूर्वक अपनी सेवा दे चुके हैं।

सिद्धांतों से समझौता नहीं

श्री भूतड़ा का जन्म सन् 1949 में राजस्थान के एक छोटे से गाँव डोडीयाना, जिला नागौर में स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा के यहाँ जन्माष्टमी पर्व पर एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्हें भी अपने गाँव से बेहद लगाव रहा। अपने गाँव की सुविधाविहीनता व पिछड़ापन उन्हें बहुत कष्ट देता था। स्वयं की पढ़ाई भी उन्हें पारिक संस्कृत विद्यालय मेडता सिटी तथा कक्षा 9 से 10 तक की पढ़ाई सांईनाथ विद्या मंदिर बडायली से पूर्ण करनी पड़ी। इसके बाद कक्षा 12वीं की परीक्षा उन्होंने पत्राचार से पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। उनका सपना था कि उनका गाँव सुविधाओं में सबसे आगे रहे। बस इस सपने ने ही उन्हें राजनीति में भी सक्रिय कर दिया। शुरूआत से रही जनसंघ की विचारधारा ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर प्रेरित कर दिया। मात्र 18 वर्ष की आयु में शासकीय अध्यापक पद पर नौकरी लग गई, लेकिन उनके सिद्धांतों से नौकरी टकरा गई। विभाग के हाईकमान ने उन पर आरएसएस को छोड़ने के लिए दबाव बनाया। उन्हें आरएसएस से दूर हटना किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं था। बस सिद्धांतों के इस टकराव में उन्होंने सन् 1967 में नौकरी को ही तिलांजलि दे दी। इसके पश्चात लंबे समय तक गांव में व्यापार करते हुए गांव की असुविधाओं को दूर करने के मिशन में लगे रहे और इसी में गांव में सरपंच बनकर ग्राम विकास का इतिहास रच दिया। 1995 से जालौर में ग्रेनाईड उद्योग की स्थापना की व व्यवसाय की नई यात्रा प्रारंभ की।

कर्त्तव्यों के प्रति रहे समर्पित

समाज संगठन के अंतर्गत श्री भूतड़ा वर्ष 1990-96 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रहे। प्रादेशिक सभा के विभिन्न पदों पर रहकर कार्य किया। वर्ष 2003 से 2012 तक अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के दो सत्रों तक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का निर्वहन किया। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के लगातार कार्यकारी मंडल व कार्य समिति सदस्य रहकर महामंत्री पद की जिम्मेदारी का सफलता पूर्वक निर्वहन किया। वैश्य सम्मेलन के जिला अध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष पदों पर कार्य किया। साथ ही साथ भाजपा के विभिन्न पदों पर (मंडल अध्यक्ष व जिला उपाध्यक्ष व अन्य) कार्य करते हुए प्रदेश कोषाध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर चुके हैं, वर्तमान में आप प्रदेश कार्यसमिति सदस्य है। आप आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल ट्रस्ट के सदस्य, कोटा होस्टल के ट्रस्टी, दीपक भूतड़ा स्मृति संस्थान के संस्थापक सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर एम.एन.आई.टी. जयपुर आदि कई पदों पर भी कार्यरत हैं। वर्तमान में 9 दिसम्बर 2021 को सम्पन्न अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के चुनाव में सदस्यों के आग्रह पर पुनः अध्यक्ष पद के प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इतना ही नहीं शेष सभी 15 पदों पर भी उनकी पूरी टीम निर्विरोध निर्वाचित होकर श्री भूतड़ा के नेतृत्व में सेवा सदन के विकास में योगदान दे रही है।

ऋतुएँ प्रकृति का अमूल्य उपहार होती हैं। वर्षा की पहली ही फुहार मन को आनंदित कर देती है। लेकिन इस ऋतु में आहार-विहार पर सर्वाधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। तभी यह निरापद हो सकती है अन्यथा बीमार पड़ते देर नहीं लगती। आइये जानें वर्षा ऋतु में कैसा हो हमारा आहार-विहार?

टीम SMT

वर्षा ऋतु में हमारा आहार विहार

वर्षा ऋतु में उन खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए जो पाचक रस उत्पन्न करने वाले तथा शीघ्र पचने वाले हों। जिन खाद्य पदार्थों में जलीय अंश कम हो, उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिए। बारिश के मौसम में कुछ विशेष किस्म की सब्जियाँ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहती हैं। इनमें तुरई, लौकी, टिंडी, भिंडी, बैंगन, मूली, कद्दू, सहजन परवल आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा अदरक और पुदीना भी हितकर रहता है।

इस ऋतु में बिना चोकर निकले आटे की रोटियों का सेवन करना चाहिए। दालों में उड़द की दाल ठीक रहती है। दलिया-खिचड़ी का सेवन भी किया जा सकता है। वर्षा ऋतु में जब तक आम आते हों, उनका सेवन करना चाहिए। इसके अलावा नींबू की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। जामुन का सेवन भी लाभदायक है। इस मौसम में भुने चने, भुने हुए भुट्टे का सेवन लाभदायक रहता है।

बारिश के मौसम में चाट-पकौड़ी से परहेज करना चाहिए। विशेषकर ठेले-खोमचे वालों से तो कदापि न खरीदें। कचौड़ी, समोसा, आलू बड़ा, पकौड़े आदि हजम नहीं होते। इसी प्रकार मिठाइयों का सेवन भी कम करना चाहिए। वर्षा ऋतु में अधिकांश बीमारियाँ दूषित जल के इस्तेमाल से होती हैं। इसलिए पेयजल का शुद्ध एवं कीटाणुरहित होता नितान्त आवश्यक है। नदी या तालाब का पानी बिना फिल्टर किए नहीं पीना चाहिए। बेहतर होगा कि पानी को उबालकर और छानकर सेवन करें।

बारिश के दिनों में दिन में नहीं सोना चाहिए और न ही रात्रि-जागरण करना चाहिए। रात में भरपूर नींद लें। इन दिनों में नदी, नाले और तालाब में तैरना नहीं चाहिए। एक तो उनका जल दूषित होता है, दूसरे नदी-नालों का बहाव भी इन दिनों तेज हो जाता है जिससे कोई अप्रिय हादसा घटित हो सकता है।

इस ऋतु में सदैव सूखे वस्त्र धारण करें। गीले कपड़ों से सर्दी-जुकाम और चर्म रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। इसी प्रकार ओढ़ने और बिछाने के बिस्तर आदि भी सूखे होने चाहिए। जूते-मौजे भी सूखे होने चाहिए। बारिश में बासी भोजन पूर्णतः निषिद्ध है। सदैव शुद्ध ताजा, व शाकाहारी भोजन ही करें। मांसाहार का सेवन इस ऋतु में ठीक नहीं है। भोजन गर्म होना चाहिए।

इस मौसम में मक्खी, मच्छर और कीड़े-मकोड़ों का प्रकोप बढ़ जाता है जो अनेक बीमारियों का कारण बनते हैं। मच्छरों से मलेरिया, डेंगू, पीतज्वर, कालाजार, आदि रोग होने की आशंका रहती है इसलिए इनसे बचाव करना चाहिए। बेहतर होगा कि इनकी उत्पत्ति रोकें। इसके लिए घर और आसपास के गड्ढों में पानी जमा न होने दें। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें। पानी भरे गड्ढों में क्रूड ऑयल या मिट्टी का तेल छिड़क दें। इसके अलावा रात को सोते समय मच्छरदानी लगाएँ या अन्य किसी साधन, उपकरण का इस्तेमाल करें जिनसे मच्छरों से बचाव होता हो।

समस्त खाद्य सामग्री और पेय पदार्थों को ढककर रखें याद रखें कि पर्याप्त सफाई नहीं रखी गई तो हैजा, पीलिया, डायरिया आदि रोग हो सकते हैं। बारिश में कोई भी फल या सब्जी बिना धोए इस्तेमाल नहीं करें। इसी प्रकार कटी-फटी और खुली फल-सब्जियाँ न खदीदें। बारिश का मौसम आरम्भ होने से पूर्व ही अपने घर की छत, नालियों और आस-पास के गड्ढों को ठीक करे...

खरी-खरी

क्या कहें क्या नाम दें,
इस आज के इंसान को

स्वार्थी, लोभी को' या फिर
यूँ कहें नादान को

ख़ुद की खोदी खाई में
गिरता है जब ख़ुद ही कभी

कोसने लगता है' अपने
भाग्य को, भगवान को

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

आज हम बात करेंगे पेट की। जैसा कि हमें पता कि अपच का मुख्य कारण है ठूंस-ठूंस कर खाना जिससे आकाश तत्त्व की कमी हो जाती है और शक्तिहीनता हो जाती है। अपान मुद्रा इन दोनों कमियों को दूर करती है।

पेट को स्वस्थ करती है
अपान मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

अपान वायु नाभि से नीचे पैरों तक विचरण करती है- पेट, नाभि, गुदा, लिंग, घुटना, पिंडली, जंघाएं, पैर सभी प्रभावित होते हैं। अतः अपान मुद्रा द्वारा नाभि से पैरों तक के सभी रोग ठीक होते हैं। अपान वायु की गति नीचे की ओर होती है। अपान मुद्रा अपान वायु को सक्रिय कर देती है। इस मुद्रा से आकाश और पृथ्वी तत्त्व बढ़ते हैं। अंगूठा, मध्यमा और अनामिका के शीर्ष भाग को आपस में मिलाने से अपान मुद्रा बनती है।

क्या होते हैं इसके लाभ

नस-नाड़ियों का शोधन होता है। इस मुद्रा से शरीर से विजातीय तत्व बाहर निकलते हैं। शरीर शुद्ध और निर्मल बनता है। पेट के सभी अंग सक्रिय होते हैं। पेट के सभी विकारों उल्टी, हिचकी, जी मिचलाना, डायरिया में लाभ होता है। पसीना आने की क्रिया को यह मुद्रा उत्तेजित करती है और शरीर की अवांछित गर्मी को बाहर निकालती है। पैरों की जलन दूर होती है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे के रोग, श्वास रोग, दांत दर्द, मसूड़ों के रोग, पेशाब का रुक जाना, पेशाब की जलन, यकृत के रोग, पेट दर्द, कब्ज, पाचन रोग, बवासीर, कोलाईटस तक ठीक होते हैं।

ये भी होते हैं इससे लाभ

महिलाओं की मासिक धर्म की तकलीफें दूर होती हैं और हार्मोन समस्याएं ठीक होती हैं। पेट के सभी अंग स्वस्थ रहते हैं। प्रसिद्ध कहावत है कि पेट ही सभी रोगों की जड़ है। जब पेट ठीक तो सभी रोग ठीक। इसीलिए अपान मुद्रा एक अत्यन्त लाभदायक मुद्रा है। अपान मुद्रा से अनिद्रा, पीलिया, अस्थमा एवं हार्मोन प्रणाली भी ठीक होती है। इस मुद्रा के नित्य अभ्यास से मुख, नाक, कान, आंख आदि के विकार भी स्वाभाविक रूप से दूर होते हैं। मधुमेह में 15 मिनट अपान मुद्रा और 15 मिनट प्राण मुद्रा (देखें श्रीमाहेश्वरी टाइम्स पेज 39 अंक अप्रैल 2022) करने से अधिक लाभ होता है। बस में यात्रा करते समय अपान मुद्रा करने से उल्टी नही आती है। अपान मुद्रा के करने से संपूर्ण शरीर मल रहित हो जाता है। प्राण मुद्रा और अपान मुद्रा के नित्य अभ्यास से आध्यात्मिक साधना का मार्ग प्रशस्त होता है। महिलाएं प्रसव के पहले सात महीनों में इस मुद्रा का प्रयोग न करें। इस बात की सावधानी रखें।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार - वर्ष-2022

माहेश्वरी महिला साहित्यकार इस पुरस्कार के लिये पात्र होंगी
पुरस्कार : रुपये एक लाख तथा 100 ग्राम का चांदी का सिक्का
माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जानेवाला प्रथम पुरस्कार है।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार समिति
बसंती हॉस्पीटल, रामदासपेठ, अकोला - ४४४००५. मो. 8007720747
puraskarsamiti@gmail.com

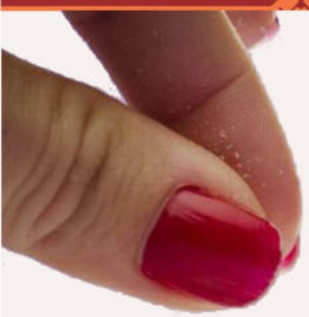

अच्छा खाना बनेगा तो घर के अन्दर खुशहाली रहेगी और यह क्षमता है नमक में। नमक के बिना तमाम मसाले भी भोजन को स्वादिष्ट नहीं बना सकते। लेकिन यह एक चुटकी नमक सिर्फ किचन की चार दीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पन्नता व सुख-समृद्धि का कारण भी हो सकता है।

खुशहाली का कारण है

एक चुटकी नमक

रजनी माहेश्वरी, उज्जैन

नमक का इस्तेमाल हम खाने पीने की चीजों में करते हैं। जरा सा नमक खाने में कम ज्यादा हो जाए तो खाने का टेस्ट बिगड़ जाता है। कहने का मतलब है कि नमक का हमारे खानपान में बहुत महत्व होता है। क्या आप जानते हैं साधारण सा दिखने वाला यह नमक हेल्थ के साथ ही आपकी किस्मत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। नमक को तंत्र एवं वास्तु शास्त्र में भी विशेष प्रयोग किया जाता हैं। नमक का उपयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ खुद को बुरी नजर से बचाने के लिए भी करते हैं। हमारे तंत्र शास्त्र में नमक को चंद्र और शुक्र का प्रतिनिधि माना गया है। नमक से कई ऐसे वास्तु उपाय किए जाते हैं, जिसे करते ही आपकी सारी परेशानियां खत्म हो जाती है। नमक चार तरह का होता है आयोडीन, काला नमक, डली या साबुत नमक और सेंधा नमक. तंत्र-मंत्र में घर की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए काला या सेंधा नमक का यूज किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि नमक को कभी भी किसी व्यक्ति को अपने सीधे हाथ से नहीं देना चाहिए। कहते हैं सीधे हाथ से नमक देने से इंसान से आपकी लड़ाई हो जाती है।

एक चुटकी नमक और ढेरों फायदे

■ **दूर होगी धन की कमी:** आप जब भी आप घर में पोंछा लगाएं तो उसमे कुछ नमक मिला दे। ऐसा कम से कम हफ्ते में दो बार करें। ऐसा कहते हैं कि घर में नमक वाला पोछा लगाने से शीघ्र धन की प्राप्ति होती हैं। ये नमक पूरे घर को पॉजिटिव उर्जा से भर देता हैं। तो घर की तरक्की के लिए नमक से पोछा अवश्य लगाएं।

■ **शौचालय या स्नानघर में रखें:** नमक और कांच दोनों को ही राहू का कारक माना जाता है। इसलिए यदि आप नमक को कांच की प्याली में भरकर शौचालय या स्नानघर में रखेंगे तो वहां से निगेटिव एनर्जी का नाश होता हैं। इसके अलावा इस उपाय से वहां मौजूद सूक्ष्म कीटाणु नष्ट होते हैं।

■ **बरकत के लिये करें ये:** तंत्र शास्त्र में एक और उपाय बताया गया है कि नमक को कांच की प्याली में भरकर उसके अन्दर चार पांच लौंग डाल दें। ऐसा करने से घर में धन की बरकत बनी रहती है और लक्ष्मी का आगमन होता हैं। घर में सकारात्मक उर्जा हमेशा रहती हैं।

■ **नमक वाले पानी से बच्चे को नहलाएं:** यदि हफ्ते में एक बार बच्चों को चुटकी भर नमक डालकर पानी से नहलाएंगे तो उन्हें बुरी नज़र नहीं लगेगी। साइंटिफिक रीजन भी है कि ऐसा करने से उन्हें एलर्जी से सम्बंधित कोई बीमारी भी नहीं होगी। पति-पत्नी में झगड़ा होता है या घर में तनाव के हालात रहते हैं तो इसे दूर करने के लिए कांच की कटोरी या गिलास में सेंधा नमक डालकर, बेडरूम, ड्राईंगरूम में रख दें। नमक नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा और घर के हालात सुधर जाएंगे।

■ **कोई बीमार हो तो करें ये उपाय:** अगर कोई लंबी बीमारी से ग्रसित है तो उसके सिरहाने कांच के एक बर्तन में नमक रखें। एक सप्ताह बाद उस नमक को बदल कर दोबारा नमक रख दें। धीरे-धीरे सेहत में सुधार होने लगेगा।

■ **रोजगार के लिये टोटका:** जिन लोगों को नौकरी नहीं मिल रही या बिजनेस में घाटा हो रहा है तो उनके लिए शास्त्र में ये उपाय बताया गया है। इसके लिए आपको अपने हाथ में पिसा हुआ नमक लेकर उसे सिर पर से तीन बार घुमाना है। फिर अब इस नमक को दरवाजे के बाहर फेंक दें, ऐसा लगातार तीन दिनों तक करें। यदि इससे भी लाभ ना मिले तो नमक को सिर पर से उतार के शौचालय में डाल फ्लश कर दें, इससे निश्चित रूप से लाभ मिलेगा ।

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

तंबू में लेटा अभिमन्यु एक-एक कर इस सारे घटनाक्रम को याद कर रहा था। क्या मनुष्य के सारे संयोग नियति की डोर से बंधे होते हैं? वह देर तक वहीं पड़े अगड़म-बगड़म सोचता रहा। तत्पश्चात मन नहीं लगा तो बाहर आया।

जद जाणूंगी नेह

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर 94141-32483

डग भरती गोडावण ने शकुन दिए तो ठाकुर महेन्द्र प्रताप सिंह को लगा यह बारात प्रस्थान का उचित समय है।

अभी कुछ समय पहले ही उन्होंने गढ़ के प्रथम मंजिल पर स्थित दालान में कुल देवताओं, पितरों की अभ्यर्थना कर बारात सकुशल पहुंचने की दुआ की थी। ठकुराइन ने तिलक कर उन्हें मुंह में दही-गुड़ दिया, घुटनों तक लम्बे कोट पर बंधी मूठ से तलवार ऊंची कर उस पर कुंकुम के छींटे, अक्षत आदि डाले तत्पश्चात सुंदर परिधानों में सजी स्त्रियों ने मंगल-गीत गाए तो ठाकुर के चेहरे पर कुल की आन उतर आई। उनकी आंखें कुल-गौरव से चमक उठी। उन्होंने दालान के झरोखे से, जिस पर नक्काशी का सुंदर कार्य था एवं जिसके नीचे दीवारों पर सुंदर मांडणे मंडे थे, दूर तक खड़ी कुंवर अभिमन्यु सिंह की बारात को निहारा तो उनकी छाती फूल गई।

ओह, वह कैसी अद्भुत बारात थी। गांववाले खुसर-फुसर कर रहे थे कि ऐसी शानदार बारात अब तक नहीं देखी। सबसे आगे हाथी जिसकी पीठ पर तीन ओर से खुला चांदी का खूबसूरत हौदा लगा था एवं जिसके दोनों ओर नगाड़े बंधे थे। हाथी पर सूंड से पूंछ तक फूल-पत्तियों वाली सुन्दर चित्रकारी की गई थी। हत्थे के बीचो बीच महावत जो नगाड़ची भी था एवं जिसके हाथों में नगाडे बजाने के दो मोटे डण्डे थे, सिर पर पचरंगी साफा बांधे फब रहा था। हाथी के पीछे बैलगाड़ी पर नौपत, फिर बाजे, गोरबंद से लदे-फदे ऊंट जिनके नाक में नकेल एवं कूबड़ के दोनों ओर पेट तक की गई नक्काशी के नीचे रास्ते का बंदोबस्त एवं सामान लटका हुआ था लंबे-मोटे दांतों से जाने क्या चबाते हुए मस्ता रहे थे। इसके पीछे बीस रसाले घोड़े, नृत्य करने वाली कालबेलियां, गीत गाने वाले लंगे, बारातियों को रिझाने वाली पतुराइनें एवं अंत में सौ से ऊपर बाराती खड़े थे, जिनमें से अधिकांश युवक थे जो चौड़ी छाती एवं सुपुष्ट भुजाओं से बाराती कम सैनिक अधिक लगते थे तथा जिनकी घनी मूंछें ऊपर की ओर उठी हुई थी। कुछ युवकों के दाढी भी थी जो ठोड़ी के पास दो भागों मे बंटकर ऊपर कानों तक जाती। इन्हीं युवकों में कइयों ने कानों में चांदी की बालियां, गले में मोतियों के कण्ठहार एवं हाथों में चांदी के कड़े पहन रखे थे। एक व्यक्ति रुई के फोहों से सबके कपड़ों पर इत्र लगा रहा था। इन सबके पीछे सफेद सजे-धजे घोड़े पर सवार मशालचियों से घिरा हुआ कुंवर ऐसा लग रहा था मानो तारों एवं नक्षत्रों को साथ लिये चन्द्रमा आगे बढ़ने को तत्पर हो। देखते ही देखते वहां कुछ और मशालची आए एवं सभी बारात के चारों ओर फैल गए।

ठाकुर नीचे आए तो बाराती ही नहीं, गांव वाले भी अदब से खड़े हो गए। कोई अन्नदाता तो कोई हुकुम-हुकुम कहे जा रहा था। उनका रुतबा ही कुछ ऐसा था। आधा प्रबंधन तो आंखों से ही कर लेते। लंबाई छः फीट से ऊपर थी। रौबदार आंखें, चेहरे के तेज से वे साक्षात् राजपुरुष लगते। आज बंद गले का चमचमाता जोधपुरी कोट जिस पर ऊपर से नीचे तक सोने के गोल, बीच से उभरे हुए बटन लगे थे। नीचे सफेद चूड़ीदार पायजामा, उसके नीचे कशीदा कढ़ी जूतियां जिनके आगे का नुकीला हिस्सा पीछे की ओर मुड़ा था, सर पर मारवाड़ी साफा जिस पर कलंगी सहित सोने का पेच लगा था एवं जिसकी लंबी पूंछ उनके कमर से नीचे तक जाती थी, पहने हुए वे ऐसे लग रहे थे जैसे सूरज डूबते हुए सारा तेज उन्हीं को दे गया हो। उन्होंने क्षणभर के लिए घोड़े पर सवार कुंवर की ओर देखा तो उनके चेहरे का ताब और बढ़ गया। एक दीपक से जलने वाले दूसरे दीपक की तरह उसका व्यक्तित्व हूबहू पिता जैसा था हालांकि वह पिता से कुछ अधिक लंबा था। आज मानो समूचे ब्रह्माण्ड का नूर उसके चेहरे पर आन बसा था। नस-नस से यौवन फड़क रहा था। भीगी मूंछें, भरा चेहरा तिस पर ऊपर बांधे साफे एवं परम्परागत दूल्हे के परिधान में वह खूब जंच रहा था।

ठाकुर बारात का मुआयना करते हुए अपने रिश्तेदारों के साथ बारात के आगे तक आए तो पण्डित रामचरण ने मुहूर्त वांचा.. जेठ शुक्ल चतुर्दशी शक संवत् 1908 अंग्रेजी दिनांक 12 जून 1851 सांझ ढले कुंवर की बारात गांव वीरपुर हेतु प्रस्थान करती है। ठीक उसी समय गोडावण आगे आई तो ठाकुर ने हाथ ऊंचा कर बारात प्रस्थान का इशारा किया।

ठाकुर का इशारा पाते ही हाथी पर बैठे नगाड़ची ने सिर के ऊपर तक हाथ उठाकर दोनों ओर के नगाड़ों पर चोट की तो उसी के पीछे बैलगाड़ी पर बैठे नौपत जिनमें दो शहनाईवादक एवं तीन ढोलक बजाने वाले थे, शहनाई बजाकर बारात प्रस्थान की विधिवत् घोषणा कर दी। नौपती के कमान संभालते ही पीछे खड़े बाजे वाले गाल फुला-फुलाकर ऐसे बजाने लगे मानो ठाकुर को बताना चाहते हों कि आज आपके कुंवर की ही नहीं, गांव के कुंवर की बारात प्रस्थान कर रही है। नगाड़े-नौपत एवं बाजों के शोर से सर्वत्र आनंद की लहर दौड़ गई। लंगे हाथ ऊपर कर खरताल बजाते हुए सिरदार बन्ना री जान चढै.. केसरिया है रूप थारो. आदि गीत गाने लगे। बारात में मारवाड़ी साफा, सुंदर परिधान पहने बाराती जिनके चेहरे पीढ़ियों की आन से दीप्त थे, ऐसे चल रहे थे जैसे वे किसी बारात में न होकर रणक्षेत्र में जा रहे हों। इनमें से कुछ बूढ़े मूंछों पर ताव देकर इधर-उधर खड़े गांव वालों को ऐसे निहार रहे थे जैसे कह रहे हों उम्र ढल गई तो क्या हमारा नूर आज भी बरकरार है, सूरज सूरज है, उगता क्या ढलता क्या। बारात आगे बढी तो इसे देखने पूरा गांव उमड़ पड़ा।

वीरपुर यहां से पूरे तीस कोस पर था। इस यात्रा को पूरी करने में चार दिन तो लगेंगे। ठाकुर ने इसका आकलन पहले ही कर लिया था। सारा बंदोबस्त तदनुसार किया गया था। पहला पड़ाव फकत चार कोस की दूरी पर था जहां खाने-पीने, रात ठहरने के लिये तंबुओं की माकूल व्यवस्था थी। पहला दिन या यूं कहें पहली रात यहीं गुजरनी थी। इलाके के श्रेष्ठ रसोइये बारात के साथ थे। रात चूरमा, दाल-बाटी खाने के बाद लंगों के गीत, पतुराइनों एवं कालबेलियों के नृत्य देखकर बाराती भावविभोर हो गए। रेगिस्तान के टीलों से टकराती लंगों की आवाज... केसरिया बालम आओ नी... भर लाए कलाली दारू दाखां रो एवं अन्य ऐसे ही लोकगीत सुनकर बाराती ही नहीं, आसपास के लोग भी झूम उठे। चांदनी रात में दूर धोरों तक गूंजती आवाज ने सबको रोमांचित कर दिया।

रात एक खास तंबू में लेटे कुंवर अभिमन्यु की आंखों में नींद कहां थी। एक युवक जिसकी आंखों में प्रेम हिलोरें ले रहा हो, चैन से सो भी कैसे सकता है। जबसे फूफी के घर रूपकंवर को देखा तब से मन अब तक उसी में अटका था। फूफी रामगढ़ की ठकुराइन थी। फूफेरी बहन की शादी में उसका अनायास रूपकंवर से परिचय हुआ। वह गढ़ की छत पर खड़ा दूर तक फैले गांव के धोरों, मगरों एवं खेतों को देख रहा था कि यकायक उसकी फूफेरी बहन हेमा अपनी सखी रूपकंवर के साथ वहां आई एवं अभिमन्यु से उसका परिचय करवाया। हेमा ने बताया कि रूपकंवर हर कार्य में पारंगत तो है ही, कविताएं भी लिखती है। अभिमन्यु रूपकंवर को देखकर दंग रह गया। गोरा भरा चेहरा, नाक में हीरे की लोंग, बड़ी-बड़ी आंखें, तीखा नाक, ऊंचा कद, लंबे काले केश, लाल होठ, उठा हुआ वक्षस्थल, राजपूती ड्रेस एवं पांव में पायल पहने वह ऐसे लग रही थी जैसे चांद धरती पर उतर आया हो। तभी हेमा को किसी ने पुकारा तो उसने अभिमन्यु को कहा, 'मैं थोड़ी देर में आती हूं, तब तक तुम रूप को गढ़ दिखाओ।''

अब अभिमन्यु एवं रूपकंवर अकेले थे। कुछ क्षण मौन रहने के बाद अभिमन्यु ने बात छेड़ी, 'आप किस ठिकाने से हैं?'' उसकी आवाज आत्मविश्वास से लबरेज थी। 'मैं वीरपुर से हूं एवं मेरे पिता ठाकुर बलदेव सिंह जी के साथ यहां आई हूं। आप..?'' यकायक आये इस प्रश्न का उत्तर देते हुए वह सकपका गई।

'मैं श्यामगढ़ से हूं। हेमा मेरी फूफेरी बहन है। कभी श्यामगढ़ देखा है?'' अभिमन्यु ने बात आगे बढ़ाई।

'नहीं! वहां के बारे में सुना है।'' कहते हुए रूपकंवर की गर्दन अकारण नीचे हो गई।

'क्या सुना है?'' अभिमन्यु की आंखों में कौतुक उतर आया।

'सुना है वहां के लोग बात के पक्के होते हैं। मां ने अनेक बार मुझे आपके गढ़ के किस्से भी सुनाए हैं। तब से इच्छा है कभी श्यामगढ़ जाऊं। आप दिखाएंगें?'' कहते हुए रूपकंवर मुस्कुराईं तो उसकी उजली दंतपंक्ति मोतियों सी चमक उठी।

'अवश्य!'' अपने गांव की प्रशंसा सुनकर अभिमन्यु की छाती फूल गई। उत्तर देते हुए अभिमन्यु को लगा मानो रूपकंवर उसी के लिए बनी हो। यह एक पूर्व संयोग के इस जन्म में पुनः उदय होने जैसा था।

'कौल करते हो!'' कहते हुए रूपकंवर की आंखें एक ऐसे प्रेम से भर गई जो अबूझ एवं अलौकिक ही नहीं भवितव्यता का कोई गुप्त सन्देश भी अपने भीतर छुपाए था।

'पक्का! हम जो कहते हैं, करते हैं। हमारी जान जाती है, आन नहीं।'' इस बार अभिमन्यु ने थोड़ी ऊपर जाती हुई मूंछों पर यूं हाथ रखा मानो रूपकंवर को गांव की आन से परिचय करवा रहा हो।

'देखते हैं! यह तो समय ही बताएगा।'' उत्तर देते हुए रूप की आंखों का रंग हल्का गुलाबी हो गया। लज्जा ने उसकी सुंदरता एवं मोहकता में चार चांद लगा दिये।

'बिल्कुल! आप जब चाहे परख लीजिएगा।'' कुंवर अभिमन्यु ने उत्तर देते हुए आंखों के उस मौन सन्देश को हृदय में उतार लिया।

तभी वहां कामदार आया एवं रूपकंवर की ओर देखकर बोला, 'आपको हेमाजी मेहंदी के लिए बुला रही है।' रूपकंवर ने आंखों ही आंखों में अभिमन्यु से अनुमति ली एवं छत से नीचे उतर गई। इस छोटी सी मुलाकात में ही रूप ने उसके मन में डेरा बना लिया।

दूसरे दिन अभिमन्यु ने हेमा को मन की बात कही, उसने उसके पिता को, उसके पिता ने अभिमन्यु के पिता को, तो आनन फानन वहीं दोनों की सगाई तय हो गई।

सगाई होने के बाद अभिमन्यु श्यामगढ़ लौटा तो सबसे पहले अपने खास वफ़ादार रणवीरसिंह को यह बात बताई। कुछ समय पश्चात उसने रणवीर के हाथ रूपकंवर को वीरपुर पत्र भेजा जिसमें लिखा कि यह संबंध मात्र संयोग ही नहीं, उसका एवं उसके परिवार का सौभाग्य भी है। पत्र में यह भी लिखा कि जबसे उसने रूप को देखा है वह उसी के रूप-वारिधि में गोते लगा रहा है। रूपकंवर इस पत्र को प्राप्त कर निहाल हो गई, उसने भी रणवीर के हाथ प्रत्युत्तर भिजवाया कि अभिमन्यु जैसा जीवनसंगी पाकर वह किस कदर खुश है। वह पल-पल उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रही है जब वह पुनः अभिमन्यु के दर्शन करेगी। पत्र में अभिमन्यु के पत्र की तरह इत्र एवं केसर के छींटे लगे थे एवं साथ में गुलाब की कुछ पत्तियां भी थी।

अभिमन्यु ने इस पत्र को जितनी बार पढ़ा उतनी ही बार कलियों को चूमा। चूमते हुए उसका चेहरा प्रेमगंध से ऐसे सराबोर हुआ कि क्षणभर के लिए आंखें बंद हो गई। ओह! प्रेम की यह भाषा कितनी अनूठी है। जब प्रेम होता है तो फिर अन्य कुछ भी नहीं होता। प्रेम की इस भाषा को ज्ञानी-मानी भी आज तक परिभाषित नहीं कर पाए।

तंबू में लेटा अभिमन्यु एक-एक कर इस सारे घटनाक्रम को याद कर रहा था। क्या मनुष्य के सारे संयोग नियति की डोर से बंधे होते हैं? वह कई देर तक वहीं पड़े अगड़म-बगड़म सोचता रहा। तत्पश्चात मन नहीं लगा तो बाहर आया।

उसने ऊपर आसमान की ओर देखा। रात तारों जड़ी थी। ऐसी रातें तो उसने अनेक बार देखी पर वे रातें इतनी स्वप्निल कहां थी। आसमान के तारे आज उसके प्रेम-नूर से दीप्त थे। इन सबके मध्य उसने आगे बढ़ते हुए चतुर्दशी के चन्द्र को देखा तो रूपकंवर की याद प्रगाढ़ हो गई। उसके स्मृति-सरोवर में कोई कंकरी गिर गई । इस कंकरी के वर्तुलों ने उसे बेचैन कर दिया। वह पुनः भीतर आया। कलम-स्याही आदि का बंदोबस्त था ही। उसने रूप को पत्र लिखा –

प्रिय रूप, खम्माघणी !

बारात प्रवास प्रारंभ हो चुका है। अभी-अभी तंबू से बाहर आकर आसमान के चांद को देखा तो आपकी याद आंखों में तैरने लगी। सचमुच मैं कितना भाग्यशाली हूं। आपको पाकर अब पूर्णकाम हो गया हूं। आपका रूप, बात करने का अंदाज, बौद्धिक कौशल आज भी मेरी आंखों में बसा है। अब तो यह आंखें आपके दर्शन कर ही शांत होंगी। वह कैसी शुभ घड़ी होगी जब वीरपुर पहुंचकर आपके गढ़ के मुख्यद्वार पर तोरण मारूंगा। तब आप भी तो सजी-धजी झरोखे से अपनी सखियों के संग खड़ी मुझे देख रही होंगी। ओह! आपके अप्रतिम सौन्दर्य का दर्शन कर कहीं सुध-बुध न भूल जाऊं?

क्रमशः... (आगामी अंक में)

आजकल माता-पिता व उनकी संतान के बीच जनरेशन गेप के कारण टकराव बढ़ता जा रहा है। अक्सर माता-पिता को अपने बच्चों से यह कहते सुना जाता है कि या तो सुधर जाओ नहीं तो हम अपना पैसा किसी ट्रस्ट को या किसी सामाजिक संस्था को देकर चले जाऐंगे। अभी कुछ ही दिनों पहले हमारे एक परिचित परिवार में माता-पिता की अपने बच्चों से इतनी नाराजगी और गुस्सा दिखा कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति किसी संस्था को दान कर दी। एक और दंपत्ति ने तो आक्रोश में आकर अपने नौकर के नाम अपनी सारी संपत्ति कर दी। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि माता-पिता द्वारा ऐसा कदम उठाना कितना उचित है, या कितना अनुचित? माना कि सम्पत्ति उनकी कमाई हुई है, लेकिन क्या ऐसा कदम उठा लेना सही है? ऐसा करके हम युवा पीढ़ी में सुधार कर रहे हैं अथवा उनमें आक्रोश उत्पन्न कर भटकाव पैदा कर रहे हैं? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

अपनी पूरी सम्पत्ति दान कर देना कितना उचित?

इससे बच्चे के सुधरने की गुंजाइश नगण्य हो जाएगी

माता-पिता अपने बच्चे की परवरिश में कोई कमी नहीं रखते और ना ही संस्कार देने में। फिर भी कभी-कभार बच्चे परिस्थितिवश जाने-अनजाने में गलत संगत अथवा बाहरी परिवेश के बहकावे में आ जाते हैं और पारिवारिक संस्कारों के विपरीत कार्य करने लगते हैं। ऐसे में परिवार की नाराजगी जायज है। माता-पिता को हरसंभव कोशिश करनी चाहिए कि उनके भटके बच्चे सुधर जायें क्योंकि बच्चों के भटकने से परिवार-समाज-देश की भी क्षति होती है। ऐसे बच्चे की कॉउंसलिंग करवाने के साथ उनकी संगत और परिवेश में बदलाव की जरूरत है। बच्चे को वसीयत और संपत्ति से बेदखल करने के पूर्व माता-पिता को बच्चे को सुधारने में साम-दाम-दंड-भेद नीतियों का उपयोग भी करना पड़े तो गलत नहीं होगा। अगर हमारी परवरिश की नींव मजबूत हो तो ठोकरें खाकर भी हमारे भटके हुए बच्चे अंततः सही रास्ते पर आ ही जायेंगे। बस इनको समझने और समझाने के लिए सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। संपति का वारिस बच्चे को न बनाकर अपनी बहू-बेटी और नई पीढ़ी को बनाया जा सकता है अथवा अपने बच्चे को ही विशेष शर्तों के साथ सम्पति पर साझा/एकल मालिकाना हक दिया जा सकता है। इससे बच्चा संपत्ति उपयोग करने के लालच/जरूरत के लिए खुद को अवश्य परिवर्तित करेगा। अपने बच्चे को संपति से पूरी तरह बहिष्कृत कर देना उचित नहीं है। इससे तो स्थिति संभलने की जगह बिगड़ सकती है यानि बच्चे के सुधरने की गुंजाइश नगण्य हो जाएगी। यह भी सोचने वाली बात है कि जब हम अपने ही बच्चे पर विश्वास खो चुके हैं तो क्या गारण्टी है कि अन्य व्यक्ति विशेष अथवा संस्था जिसे आप अपनी संपति दान कर रहे हैं वहाँ उसका सदुपयोग ही होगा। इसलिए बेहतर यही है कि आपकी मेहनत की कमाई आपके अपनों के पास ही रहे। वैसे भी विरासत को संजोना और संभालना हमारी अपनी काबिलियत और किस्मत पर निर्भर है कि हम उसका उपभोग एवं उपयोग कर पाते हैं अथवा दुरुपयोग और बर्बाद।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

ऐसा करना उचित नहीं है

हमारे बच्चे हमारे जीन्स से ही बने हैं और जैसे हमने संस्कार दिये हैं वे वैसे ही बने हैं। हां कुछ कमियाँ हो सकती है लेकिन वे हैं तो हमारी संतान। वे हमसे प्रेम भी करते हैं, मान भी देते हैं। कभी-कभी परिस्थिति अनुकूल नहीं भी हो सकती है, पर ऐसे किसी कदम से अनावश्यक रूप से उन्हें अपना दुश्मन मत बनाइए। अब बात करते हैं किसी संस्था की, तो संस्था दो चीज़ों से बनती है, एक उनका संविधान और दूसरे उसके कार्यकर्ता। आपने संविधान को देखकर, प्रभावित होकर संस्था के साथ जुड़ने का निर्णय कर लिया और अपनी सम्पत्ति भी दान करने का मन बना लिया। लेकिन आपने कभी दूसरी बात पर ध्यान नहीं दिया कि संस्था के कार्यकर्ता कैसे हैं? जिन कार्यकर्ताओं ने संस्था की स्थापना की है वे निःसंदेह श्रेष्ठ होंगे लेकिन दूसरी या तीसरी पीढ़ी उतनी ही श्रेष्ठ हो ये ज़रूरी नही। आप जिसे भी नेक कार्य के लिये दान करते हैं वे भी कहीं ना कहीं दोषयुक्त होते ही हैं। तो आपके बच्चों में भी कुछ दोष है तो आपको संस्था को वरीयता नहीं देनी चाहिये। बच्चों को वरीयता देंगे तो वे आपके प्रति प्रेममयी बने रहेंगे। आज संस्थाओं के हाल बहुत अलग है क्योंकि समाज का दृष्टिकोण बदल चुका है। थोड़ी मात्रा में दान करना हो तो सही है लेकिन सम्पूर्ण सम्पत्ति को दान करना मेरी दृष्टि से उचित नहीं है। हम भी युवाओं के प्रति धारणा बनाने से पहले अपनी ओर नहीं देखते। हमारे देश में दान की परम्परा है, अच्छे कार्य के लिये दान देना भी चाहिये लेकिन अपने बच्चे को सजा देकर दान देना...? यह भी सच है कि कुछ बच्चे कुसूरवार हैं लेकिन कितने...? मुट्ठी भर बच्चों की सजा सारे समाज को कसूरवार ठहराकर नहीं दी जा सकती है। बहुत से संस्थान अच्छा काम भी करते हैं लेकिन सभी कुछ उनको देकर जाना बच्चों के साथ अन्याय जैसा लगता है। हाँ किसी के पास बच्चे ही ना हों तो बात अलग है।

❐ **मधु ललित बाहेती**, कोटा

पूरी सम्पत्ति दान कर देना बहुत उचित

सभी माता-पिता अपने बच्चों को उच्च शिक्षा, उज्जवल भविष्य, अच्छे संस्कार और उनकी ख्वाहिशें पूरा करने के लिए उनकी इच्छानुसार मतलब बड़े शहर जहाँ सम्भव हो प्रशिक्षण हेतु भेजते हैं। मध्यम वर्ग के माता-पिता, रात-दिन अपनी क्षमता से ज्यादा परिश्रम करके उनका खर्च वहन करते हैं, लेकिन आजकल परिणाम उल्टा हो जाता है। बच्चे ये सोचते हैं माता-पिता अपना फर्ज अदा कर रहे हैं। बच्चे बाहर रहने के बाद बहुत ही ज्यादा आत्मनिर्भर और निडर हो जाते हैं और गलत रास्तों पर भी चल पड़ते हैं जैसे मदिरापन, लव अफेयर इत्यादि। न जाने अपने आपको कितना महान समझकर रूठ भी जाते हैं, माँ-बाप अपनी इच्छानुसार शादी का दबाव भी डालते हैं, मना करने पर माँ-बाप से मुंह भी मोड़ लेते हैं। जिसके लिये धन संचय किये वो उस काबिल नहीं तो बाप अपनी सम्पत्ति का करे तो भी क्या करे। दान देना ही श्रेष्ठ रहेगा। अभी कुछ दिन पहले रेमण्ड कम्पनी के मालिक का किस्सा भी सुनने में आया था, कहाँ तक सही है या गलत मुझे नहीं मालूम। मीडिया के अनुसार बहुत ही दुःख भरी जिंदगी निर्वहन कर रहे हैं।

❐ **शरद कुमार थिरानी,** झारसुगुड़ा (ओडीशा)

कुछ धन समाज में भी लगाऐं

''पूत कपूत तो क्यो धन संचे, पूत सपूत तो क्यो धन संचे।'' अगर आपने बहुत धन कमाया है तो यह जरुरी नहीं है कि आप सब कुछ अपने बच्चो को ही दें। उन्हें उतना ही देना चाहिए जिससे वे अपनी ज़िन्दगी की बुनियादी जरुरत पूरी कर सकें। अगर वे सक्षम हैं तो वे भी धन कमा लेंगे। आपने यह धन इसी समाज से कमाया है तो आपका कर्तव्य है कि अगर आपके पास जरुरत से ज्यादा धन है तो उसमें से कुछ मात्रा फिर से समाज में अच्छे काम में लगाये और कुछ अपने रिटायर्मेंट के लिए रखिये। ऐसा नियोजन करें कि आपके बाद वो धन अच्छे काम में लग जाए।

❐ **अजयकुमार बाहेती,** सोलापुर

बच्चों को दें संस्कारों का धन

'पूत कपूत तो क्यो धन संचे, पूत सपूत तो क्यो धन संचे' अर्थात् अगर बेटा कुपुत्र है तो उसके लिये धन संचय क्यो किया जाय, वो तो उसे गलत कामो में उड़ा देगा। और अगर पूत सपूत है तब भी धन क्यो संचय किया जाय वो तो स्वयं अपनी क्षमता से अधिक कमा सकेगा। यहां बरसों से चली आई कहावत आज अत्यंत विचारणीय है। देव, ऋषि, पितर, समाज ऋण भूलने के कारण आई है यह विकट स्थिति। धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष यह चार पुरुषार्थ सनातन धर्म ने बताए हैं। हमने धर्म छोड़ दिया और अर्थ व काम के पीछे दौड़ रहे हैं। उसका परिणाम आज हम समाज में देख रहे हैं। पिता का यह धर्म है कि बच्चों से केवल पढ़ाई और अच्छी नौकरी की अपेक्षा न रखते हुए उसमें समाज, देश, धर्म इनके प्रति अपने दायित्व के संस्कार भी रोपित करें। जो हमने बोया वही उगता है। अगर हमने बचपन से ही सनातन धर्म के संस्कार बच्चों को नहीं दिए, तो उसका दुष्परिणाम स्वाभाविक है। बड़ा होने के बाद वह अपना पुत्र धर्म भूल कर अर्थ और काम के वश गलत व्यवहार करने लगता है। ऐसे में प्रश्न आता है कि संपत्ति पुत्रों को देनी चाहिए या नौकर या ट्रस्ट को। इसमें महत्वपूर्ण यह है हमारे धर्म में सद्पात्र दान बताया है। जो सद् पात्र है, उसको ही दान करें। किसी को जरूरमंद समझकर हमने सहायता की और उस पैसे का विनियोग अनुचित कार्यों के लिए हुआ, तो दान देने वाला भी उसका भागी बनता है। सभी अपने धर्म का पालन करेंगे, तो समाज में अव्यवस्था कदापि नहीं होगी। इसलिए इसे बढ़ावा देने के लिए हमने प्रयास किया तो कम से कम हमारे जीवन में जो दुख आया, वह अगले पीढ़ी में तो नहीं आएगा।

❐ **आनंद जाखोटिया,** मध्यप्रदेश एवं राजस्थान समन्वयक हिंदू जनजागृति समिति

संतान व समाज दोनों जरूरी

संतान को संपत्ति दें या किसी संस्था को यह बड़ा ही विचारणीय विषय है। दोनों के प्रति ही हमारी जिम्मेदारी है। एक कहावत है, ''पूत सपूत तो क्यों धन संचय पूत, कपूत तो क्यों धन संचय।'' अगर बेटा सपूत है तो अपने आप ही अपना भविष्य संभाल लेगा। कपूत के नाम संपत्ति करेंगे तो वह तो सब संपत्ति यूं ही नष्ट कर देगा। अब जब संतान के प्रति तो हमने अपने कर्तव्य का पूरी तरह से निर्वाह कर लिया है, उसको पढ़ा लिखा कर किसी व्यवसाय या नौकरी में स्थापित कर दिया है और उसका भविष्य सुरक्षित कर दिया। तो अब समय आ गया है कि हम अपने लिए सोचे, अपने जीवन के निर्वाण एवं कल्याण के लिए सोचे। यदि आपके पास पर्याप्त मात्रा में संपत्ति है तो निश्चित रूप से आपको कुछ संपत्ति किसी संस्था, आश्रम, अस्पताल आदि के नाम जरूर करनी चाहिए। ऐसे आश्रम या अनाथालय या अस्पताल जहां गरीबों का निःशुल्क इलाज होता है, रहने को मिलता है, वह सब भी दानदाताओं द्वारा दिए गए दान से ही चलते हैं। यहीं हमारी संपत्ति का सदुपयोग होता है, कुछ जिम्मेदारियां संतान के प्रति भी हैं। तो संपत्ति का कुछ हिस्सा संतान के नाम भी करना जरूरी है। साथ ही साथ हमें एक बात का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है कि जो भी संपत्ति हम किसी संस्था या संतान को दे रहे हैं तो मृत्युपरांत ही स्थानांतरित होनी चाहिए क्योंकि आज का समय ही ऐसा है कि जब तक आपके पास धन है तब तक सब आपके आगे पीछे हैं।

❐ **उषा भट्टड़,** उज्जैन

सबसे पहले परिवार का हक

संसार में जीवन के दो नियम प्रचलित है, ईश्वर द्वारा प्रदत्त ''खाली हाथ आए थे और खाली हाथ जाना है,'' दूसरा संसार का नियम ''पैसा है तो शक्ति और संपन्नता है।'' इसी में उलझा हुआ इंसान कुछ समझ ही नही पाता है। दान के बारे में कहा जाता है कि आपके पास धन है तो सबसे पहले अपने परिवार, रिश्तेदार, आस पड़ोस, समाज जो कमजोर हैं, उनकी मदद करो। इसके बाद नगर, फिर जिले, फिर राज्य और देश-परदेश का नंबर आता है। खुद का परिवार, रिश्तेदार जो परेशानी में हों उनको सहयोग नही देकर लोक दिखावा और प्रतिष्ठा के लिए किया हुआ दान उचित नहीं है। इसमें धर्म, समाज, संस्कृति, शिक्षा भी आपकी प्राथमिकता में शामिल होने चाहिए। क्रम के अनुसार आपके समस्त दायित्व पूर्ण होने के पश्चात धन को दान करना जायज है, उसमे कोई दुविधा नहीं है।

❐ **कपिल करवा,** संगरिया (राजस्थान)

अपने बच्चों को कुछ भी न देना अनुचित

बचपन से बच्चों को संस्कार रूपी संपत्ति मिल जाये तो बाद में संपत्ति किसी ओर को देने की नौबत ही नहीं आएगी। माता-पिता की मेहनत की कमाई हो या विरासत, उन्हें हक है वे किसी को भी देवें। लेकिन अपने बच्चों को कुछ भी ना देना अनुचित है। वर्तमान समय में बहुत से परिवार में बच्चों के साथ मतभेद रहता है। उसे दोनों ओर की सोच व सामंजस्य के साथ सुलझा लेना चाहिए। कुछ ना देने से जो मतभेद हैं, वो दरार के रूप में बदल जाऐंगे। अगर आप के साथ कुछ अनबन हैं तो जब तक जीवित हैं तब तक ना देवें, बाद में बच्चों को सम्पत्ति मिलनी चाहिए। सारी सम्पत्ति दान करते हैं तो किसे मालूम है कि जो दान दी गई सम्पत्ति है, इसका सदुपयोग हो रहा है या नहीं। इससे बढ़िया है, बच्चों को ही देकर जायें। आप की संपत्ति का कुछ हिस्सा दान धर्म में, जरूरतमंद की सेवा में अपने हाथों से व्यय कीजिये। परंतु अपने बच्चों के नाम विरासत जरूर छोड़ जायें।। बच्चों को कुछ ना देने से आने वाली पीढ़ी से रिश्ता खत्म कर देंगे।

❐ **नीरा मल्ल,** पुरुलिया (प.बं.)

बच्चों पर ध्यान देना भी जरूरी

माता-पिता को बच्चों द्वारा दुःख पहुँचाने पर अपनी पूरी सम्पत्ति किसी ट्रस्ट में दान देना बिल्कुल गलत हैं। माना की बच्चे गल्तियां कर देते हैं, पर बच्चों को सही गलत समझाना व उन्हे संभालना भी माता-पिता की जिम्मेदारी हैं। माता-पिता की सीख अच्छी होगी तो अपनी सम्पत्ति को ट्रस्ट में देने की सोचने को नौबत ही नही आयेगी। हाँ अपने कमाये हुए रुपए में से आप कुछ अच्छे कामों में लगाये तो आपका बेटा आपको मना नहीं करेगा, इतना तो हमें अपनी परवरिश पर विश्वाश भी जरुरी है। आप अपने रुपए अच्छे कामों में जरुर लगाये, पर अपने बच्चों के लिये भी जरुर ध्यान देना चाहिये। इससे खुशियाँ आपके कदम चूमेगी अपने परिवार की खुशियों को कही खोने मत दें जीओ भी शान से अपने परिवार के साथ व खुशियों के साथ।

❐ **भगवती-शिव प्रसाद बिहानी,** नाजिरा सीब सागर (आसाम)

मध्यस्त निभाऐं सही भूमिका

आजकल हम कई बार सुनते है कि बच्चों के उपेक्षित व्यवहार के कारण माता-पिता आहत हो कर अपनी पूरी सम्पत्ति दान करने का निर्णय ले लेते हैं। यह कोई गलत बात नही, पर यहाँ सोचने वाली बात यह है कि क्या अकेले बच्चों की गलती है, या जाने अनजाने उनसे भी कुछ गलत हो रहा है? ऐसे में किसी मध्यस्थ की भूमिका कारगर हो सकती है। हल अवश्य निकलेगा। माना कि उनकी पूरी सम्पति उनकी कमाई हुई है, पर सम्पूर्ण दान करने के पूर्व अपने आसपास नजर अवश्य डालें। अपना ही कोई नजदीकी रिश्तेदार पैसों के अभाव में अपनी मां का इलाज नही करा पा रहा,या कोई पड़ोसी आर्थिक तंगी के कारण बच्चों को आगे पढ़ाने में असमर्थ है। दोस्त को अपने बेटे के व्यापार हेतु कुछ धन राशि की जरूरत है। कल्पना कीजिये जब ऐसी छोटी-छोटी मदद की जाएगी तो एक नही अनेको के चेहरों पर मुस्कान आएगी। उन्हें मानव जीवन सार्थक होता नजर आएगा। माता-पिता चाहें तो अपने पोता-पोती के नाम से फिक्स डिपॉजिट करा देवे। हां इस बात का भी ध्यान रखें कि आगे के जीवनयापन के लिए धन की कमी नही रहे।मेरी तो यह भी सलाह रहेगी कि अपनी मनपसंद जगहों की यात्रा कर भगवान की बनाई इस खूबसूरत दुनिया का दर्शन अवश्य करें।

❐ **शीला अशोक तापड़िया,** नागपुर

पूत कपूत हो सकता है, पर माता पिता नहीं'

अभिभावक की उपाधि अपने साथ बहुत से दायित्व दामन में दे जाती है। कुछ अपवादों को छोड़ा जाये तो संस्कारों का सही तरीके से सिंचन होने पर स्थितियों को नियंत्रित करना मुश्किल नहीं होता। पुरानी और नई पीढ़ियों के विचारों में अंतर होना यह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसे सहर्ष स्वीकारना ही होगा। समय का चक्र कौनसे पल किस दिशा का रुख लेगा इसका अनुमान लगाया नहीं जा सकता। हमारे बच्चे युवा, युवा से प्रौढ़ भी हो जाते हैं तब भी अभिभावकों की तुलना में उनका अनुभव कम ही आंका जायेगा। आवेश में आकर अभिभावक अपनी पूरी संपत्ति कहीं दान दे देते हैं और कुछ कारणवश अपने ही बच्चों पर आपत्ति जनक स्थिति आती है तो क्या माता पिता ऐसी अवस्था में खुश रह पायेंगे..? निश्चित ही नहीं। इसलिए दान पुण्य कर अपने कर्मों का खाता अवश्य संवारे किंतु बच्चे भले ही दायित्व निर्वहन में कोताही करते हों किंतु बड़े होने के नाते हमें अपनी उदारता का परिचय देना होगा। संपत्ति तो हो सकता है बच्चे अपनी काबिलियत से पुनः दोगुनी कमा लें, पर संपत्ति की आड़ में जो रिश्ते टूटकर बिखरेंगे उन्हें पुनः समेटना संभव नहीं होगा। वर्तमान दौर में कुछ हद तक संपत्ति एक ऐसी मजबूत डोर है जो एक दूसरे को बांध कर रखती है, यह कटुसत्य है। आवेश में लिया हुआ निर्णय ग़लत साबित हो सकता है और अंत में पश्चाताप की नौबत आ सकती है। सीमित संपत्ति का अच्छे कार्यों में दान धर्म कर उपयोग करें। किंतु बच्चे हमारा अंश है, हमें उनके लिए संपत्ति सुरक्षित रखनी ही चाहिए।

❐ **राजश्री राठी,** अकोला

बच्चों को भी दें सम्पत्ति का हिस्सा

अपने बच्चों के लिए पैसा छोड़ना अक्सर हर माता-पिता का सपना होता है। माता-पिता की खुद की कमाई है तो अपनी पूरी संपत्ति को कभी दान नहीं देना चाहिए। किसी कारणवश बेटा या परिवार पर ऐसी कोई संकटपूर्ण स्थिति आ जाये तो उसके लिये पैसा कहां से आएगा? माता-पिता को अपने जीते जी अपनी संतान से क्रोधित होकर सम्पत्ति दान नहीं करनी चाहिए। उनके इस निर्णय से परिवार में तनाव व संतान मे आक्रोश बढ़ सकता है। आज की युवा पीढ़ी अपनी कमाई पर विश्वास करती है। उसको मालूम है कि पिता के मरने के बाद सम्पत्ति मिलेगी। यदि बच्चा सक्षम है तो वह अपनी सम्पति, खुद बना सकता है। यदि वह सक्षम नहीं है तो पिता का दिया हुआ पैसा भी बर्बाद कर सकता है। हाँ यदि पिता अपनी संपत्ति ट्रस्ट व संस्था में दान करना चाहते हैं तो बच्चों को भी थोड़ी सम्पति की वसीयत कर देना चाहिये। माता-पिता को भी अपने पास संपत्ति रखना चाहिये क्योंकि वह अपनी बीमारी का इलाज व अन्य खर्चों में काम आएगी। अन्तिम निर्णय यह है कि माता-पिता को अपने बच्चों के लिये वसीयत बना कर रखना चाहिये। यदि ज्यादा सम्पति है और दान देने की इच्छा है तो ट्रस्ट व संस्था को दे सकते है।

❐ **कुम कुम कांबरा,** बरेली (उत्तर प्रदेश)

संपत्ति का सदुपयोग हो

स्वेच्छा से किए गए चल-अचल संपत्ति के अंतरण या विरासत को सौंपना दान कहलाता है। माता-पिता यदि कोई दान करना चाहते हैं उसके लिए वे स्वतंत्र हैं। उन पर कोई भी दवाब बच्चों द्वारा नहीं होना चाहिए बल्कि अनुकरण करना चाहिए। यदि बच्चों की नजर केवल माता-पिता की संपत्ति पर है और वे गैर जिम्मेदार हैं, तो उन्हें जिंदगी का पाठ पढ़ाने के लिए वसीयत में बच्चों को छोड़कर किसी उपयुक्त पात्र अथवा संस्था को संपत्ति का हकदार बना देना चाहिए। यदि सभी बच्चे सामर्थ्यवान हैं तो बच्चे अपने जन्मदाताओं को प्रेरित करें कि जिंदगी भर की मेहनत की कमाई को समाज के उत्थान में, जरूरतमंदों की मदद करने में लगाएं। ऐसे शुभ कार्यों में परिवारजनों को आगे बढ़ कर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे समाज में एक नई सोच का जागरण होगा एवं बच्चे भी जिम्मेदार बनेंगे।

❐ **अनुभि राठी,** रतलाम

सोच समझकर कीजिए संपदा का निवेश

अपनी संपत्ति को पूरा का पूरा दान में देना आज के समय में अनुचित ही नहीं मूर्खता भी होगी। क्योंकि बिना पैसों के आजकल जीवन यापन तो मुश्किल होगा ही साथ ही साथ बुढ़ापे का सहारा भी पास नहीं होने से रिश्तेदार भी आने जाने से कतराते हैं, तो सेवा होना तो दूर की बात होगी। अपने जीविकोपार्जन का साधन रखने के बाद बची हुई संपत्ति को दान में देना चाहिए ताकि जिस समाज से अर्जित किया है उसके विकास में भी योगदान दे सकें। अगर संतान पहले से ही अच्छी आजीविका के मालिक हैं तो उनको संपत्ति देना गलत होगा। ज्यादा पैसा होने से लोग उसका अनादर करते हैं और साथ में समाज में अराजकता भी फैलती है जो सभी के विकास में बाधक होती है। इसलिए आवश्यक धन संचय करके बचे हुए धन को दान में देकर अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करना चाहिए।

❐ **विनीता काबरा,** जयपुर

मधुर स्मृति भी है पैतृक सम्पत्ति

माता-पिता अपना आधा जीवन अपनी संतानों का भविष्य संवारने में लगा देते हैं। आजकल देखने में आ रहा है कि कई अभिभावक अपनी संपूर्ण संपत्ति दान कर देते हैं। यदि उनकी संतान नहीं है, तो इस तरह का दान प्रशंसनीय है। परंतु यदि उनकी संतान हैं, तो अभिभावकों को अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा या जो भी उनकी जमा पूंजी है, उसका कुछ अंश अपने बच्चों को आशीर्वाद स्वरूप अवश्य देना चाहिए। क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि अभिभावक द्वारा दी गई कोई भी वस्तु चाहे वह गहने हों, संपत्ति हो, मकान हो या अन्य किसी रूप में; बच्चों को सदैव अभिभावकों के संघर्ष की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने अपने जीवन में क्या खोया, क्या पाया? यह आने वाली पीढ़ी के लिए एक भावनात्मक तथ्य हो सकता है। अपने माता-पिता से जुड़ी हर चीज से बच्चों को लगाव महसूस होता है। अभिभावक चाहें तो अपनी संपत्ति का कुछ अंश दान कर सकते हैं और कुछ अंश स्मृति के तौर पर बच्चों को दे सकते हैं। यह सब इसलिए नहीं कि बच्चों को अभिभावकों से धन या पैसा चाहिए। बल्कि इसलिए कि इनमें से कई चीजें उनके बचपन से जुड़ी हो सकती हैं, जो बचपन से लेकर अब तक आए परिवर्तनों की याद दिलाएगी और इससे वे भी जीवन में संघर्ष करते हुए आनंद के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

❐ **पल्लवी दरक,** न्याती कोटा (राजस्थान)

अपनी पूरी सम्पति का दान ठीक नहीं

सम्पत्ति पूर्वजो की निशानी होती है, जो कि माता-पिता के आशीर्वाद के रूप मे बच्चों को मिलती है। जिसे देने का अधिकार सिर्फ माता-पिता को होता है। जब पुत्र सपूत होते हैं, तो बेहिचक होकर अपनी सम्पत्ति बच्चों के नाम कर देते है। किन्तु पुत्र कपूत होते हैं तो सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि सम्पत्ति नाम करें या दान करें। नाम करेंगे तो सम्पत्ति का नामोनिशान तक मिट जाएगा। दान करेंगे तो पुण्य कमा लेंगे। लेकिन हकीकत यही है, कि बच्चे चाहे जैसे भी हों उनसे मुँह नही मोड़ा जा सकता है। कभी-कभी बच्चे वक्त की थपेड़ों से सुधर जाते है। जब दुनिया अपमान के घुंट पिलाती है, मदद करने से दूर भागती है, तब काबिल बनने के लिए, माता-पिता की सम्पत्ति का ही सहारा होता है। माता-पिता विश्वास कर ट्रस्ट को सम्पत्ति दान करते हैं, किन्तु उसका सदुपयोग हो रहा है या दुरूपयोग, वो उन्हे पता नहीं होता। उसी प्रकार बच्चे कब सुधर जाऐं पता नही। सम्पत्ति दान करना नेक कार्य है। किन्तु सारी सम्पत्ति दान करना अनुचित हैं। कहते है दाने-दाने पे लिखा है, खाने वालों का नाम, सम्पत्ति का उपयोग वही करेगा, जिसके नसीब में होगा।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

अपनी पूरी संपत्ति दान कर देना कितना उचित?

अपनी पूरी संपत्ति दान कर देना अनुचित है। दान धर्म करना अच्छी बात है, लेकिन आक्रोश में आकर इतना बड़ा कदम उठाना ठीक नहीं है। माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी मेहनत कर एक-एक पाई जोड़ते हैं। अपनी नई पीढ़ी के लिए काम करना सरल कर देते हैं। जरूरतमंदों को दान देना सबसे बड़ा कर्म होता है, जितनी उसे जरूरत हो उतना ही दीजिए। प्यार मोहब्बत से जीना ही सबसे बड़ा कर्म होता है। अगर सच में आप अपने बच्चों को रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर देश की तरक्की में योगदान देना चाहते हैं, तो अपने बच्चों से कितने आज पढ़े हो की जगह पर, कितना आज सीखे हो, का प्रश्न करें। परिवार में पैसे से पैसा बढ़ता है। किसी भी अन्य व्यक्ति जिसको पैसा बांट रहे हैं, वह तो बिना सोचे समझे व्यर्थ ही पैसा उड़ाएगा। आप अपनी नई जनरेशन को समझाइए कि व्यर्थ पैसा ना उड़ाए, उसकी कदर करें, जहां लगाना चाहिए वहीं उपयोग करें। जब जेब में रुपए हों तो दुनिया आपकी औकात देखती है और जब जेब में रुपया ना हो तो दुनिया अपनी औकात दिखाती है। ना बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया।

❐ **पूजा काकानी,** इंदौर (म.प्र)

वाणी और विचार ये दोनों हमारी खुद की कंपनी के हैं। जितनी क्वालिटी और गुणवत्ता अच्छी रखोगे, उतनी कीमत ज्यादा मिलेगी।

खुश रहें - खुश रखें

कल्याण की वृत्ति हमारा मूल स्वभाव होना चाहिए

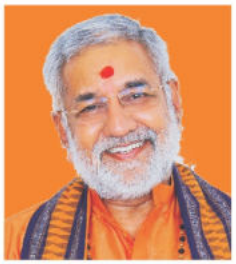

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

पिछले दिनों जो महामारी हमने देखी है, उसके बाद के कुछ दृश्यों को हमें बहुत बारीकों से देखना होंगे। भारत में गरीब लोगों की संख्या बढ़ेगी और एक अनुमान के मुताबिक यह आंकड़ा 90 करोड़ के पार होगा। लेकिन, ध्यान रखिए, इसी के साथ भोगी-विलासी लोगों की भी संख्या बढ़ती जाएगी।

माहेश्वरी समाज में ऐसे समाजसेवियों की संख्या बहुत है जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए खूब काम किया है। अब एक काम और करने की जरूरत है, जो है लोगों को संस्कारित जीवनशैली से जोड़ना। बहुत बड़ा कल्याण का काम होगा यह। आप लोग तो भगवान महेश के वंशज हैं। कल्याण की वृत्ति आप लोगों का मूल स्वभाव है।

भगवान शिव कल्याण के देवता हैं। हमारे यहां पांच प्रमुख देव हैं- गणेश, सूर्य, दुर्गा, विष्णु और शिव। शिव इन पंच देवों में प्रधान माने गए हैं। वेदों ने शिवजी को परम तत्व, अव्यक्त, अजन्मा और सबका कारण माना गया है। कल्याण के रूप में इनके लिए कहा गया है कि ये सृष्टा भी है, पालक भी और संहारक भी हैं। शास्त्रों में लिखा है- देव-दनुज, ऋषि-महर्षि, योगेंद्र-मुनिन्द्र, सिद्ध-गंधर्व और बृह्मा-विष्णु भी इनकी उपासना करते हैं। शिव से जुड़ने का मतलब है लोककल्याण की वृत्ति अपने भीतर उतरना। कल्याण की वृत्ति यानी आज के दौर में वेलफेयर की समझ और भाव बहुत आवश्यक हैं। अगर देश के भले के लिए, गरीबों के हित के लिए हमको विषपान करना पड़े, कष्ट भी उठाना पड़े तो उठा लेना चाहिए।

एक बार जब देव-दानव युद्ध में देवता पराजित हो रहे थे तो विष्णुजी ने कहा था समुद्र मंथन करो। उसमें से अमृत निकलेगा। देवता अमृत पी लेंगे तो युद्ध में दैत्यों से मरेंगे नहीं। लेकिन अमृत मंथन अकेले नहीं हो सकता, इसके लिए दैत्यों को साथ लेना पड़ेगा। जीवन में कोई बड़ा काम करना हो तो शत्रु से भी मित्रता कर लेना चाहिए।

समुद्र मंथन शुरू हुआ। एक तरफ देवता खड़े थे, दूसरी तरफ थे दैत्य। एक-एक कर 14 रत्न निकले। सबसे पहले निकला कालकूट नाम का हलाहल। इतना भीषण विष था कि सारा ब्रह्माण्ड जलने लगा। देवता विष्णु के पास गए और कहने लगे आप तो कह रहे थे कि अमृत निकलेगा, यहां तो विष निकल आया। विष्णु ने कहा- अमृत प्राप्त करने के लिए पहले विषपान करना पड़ता है। जीवन में कोई सुख बिना दुख के नहीं आता। कुछ पीड़ा उठाना पड़ती है तब सुविधा मिलती है।

अब देवताओं का प्रश्न था इस विष का करें क्या? विष्णु ने कहा- इस विष को एक ही व्यक्ति ग्रहण कर सकता है जो हैं शंकर। सब देवता कैलाश पहुंचे। शिवजी पत्नी सती के साथ बैठे हुए थे। देवताओं को देखा तो पूछा- आप कैलाश पर्वत किसलिए आए हैं? मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ? देवताओं ने बताया समुद्र मंथन से भयंकर विष निकला है। आप पी लीजिए। शिवजी ने पत्नी सती की ओर देखा और पूछा- कहा तो विष पी जाऊं? ये देवगण हमारे अतिथि हैं। इन्हें खाली हाथ लौटाना ठीक नहीं।

सतीजी सोचने लगीं यह क्या बात हुई...। ठीक भी है। कोई पति पत्नी से पूछे कि विष पी लूं तो क्या वह पीने को कहेगी। सतीजी ने शिवजी से कहा- पूछ तो आप ऐसे रहे हैं जैसे सारे काम मुझसे पूछकर ही करते हैं। मैं कुछ भी कहूं, आप करेंगे तो वही जो आपके मन में आएगा। बस, शिव सारा विश गटक गए।

भगवान शंकर ने जैसे ही उस भीषण विष को पीया, इतना तीक्ष्ण था कि एक समय शिवजी को लगा कि यदि बाहर निकाला तो संसार का अहित होगा और भीतर उतारा तो मेरा नुकसान है। बीच का मार्ग निकाला और विष को अपने कंठ में अटका लिया। विष के कारण कंठ नीला हो गया, और इसीलिए शिव का एक नाम नीलकंठ भी हुआ।

जब रात्रि को शिवजी को पीड़ा, जलन हुई तो पत्नी सती से कहा मेरे ऊपर जल का अभिषेक कर दीजिए, भांग-धतूरे का लेप कर दीजिए। इससे मुझे शीतलता मिलेगी। सतीजी ने वैसा ही किया। इसलिए आज भी हम शिवजी को जलांजलि अर्पित करते हैं, उन्हें जल चढ़ाकर धन्यवाद अर्पित करते हैं कि आपने एक दिन हमारे हित के लिए विषपान किया था।

बस, आज संसारभर की शिवभक्ति यानी माहेश्वरी समाज के लोग यह घोषणा करें कि हम विषपान करेंगे। विषपान का अर्थ है हम सहन करेंगे, हम संकट का सामना करेंगे तथा उन लोगों की मदद करेंगे जो कमजोर हैं और देशवासियों को दुर्गुणों के विरूद्ध मजबूत करेंगे। यह कल्याण की भावना आज आम लोगों के हित में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार जैसी बुराइयों के विरूद्ध हमारा शस्त्र होगी...।

सामग्रीः आधा कप भुट्टे के दाने, 1 लीटर दूध, डेढ़ सौ ग्राम चीनी, इलायची पाउडर, बादाम, काजू, किशमिश, चेरी सभी आवश्यकतानुसार ।

विधिः भुट्टे के दाने को 15 से 20 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रख दें, फिर उसे थोड़े से पानी के साथ मिक्सर में महीन पेस्ट बना लें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 से 3 चम्मच घी गर्म करके उसमें यह पेस्ट को हल्के आज पर भुने फिर दूध मिलाएं और लगातार हिलाते हुए अच्छी से पकाये। पुडिंग को गाढ़ा करें फिर चीनी मिलाएं। आंच से उतर कर उसमें मनपसंद मेवा डालें और ठंडा करें।

इसे फ्रीज में 2 से 3 घंटे रख दें। एक ट्रांसपेरेंट बाउल में यह पुडिंग डालें । ऊपर से थोड़ी सी क्रीम डालें और मनपसंद मेवा, चेरी से सजाकर ठंडा ठंडा पुडींग राखी पर अपने भाई और भाभी को पेश करें ।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

जीवित शव समान तेई प्राणी

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हाँ.. जो जिंदा तो है पर जीवित मुर्दे रे तरह ही जीवे। मरणो कोई नहीं चाहवे.. अच्छा अच्छा पहलवान भी मौत रे सामने घिग्घी बण जावें। म्हारा एक पड़ोसी शर्मा जी जो क्रांतिकारी हमेशा गोळी, बारूद, खून, हमले री बातों में ही आनंद लेहवे.. कुछ दिन पेला शेयर बाज़ार में भारी नुकसान हुग्यो, इण दुख में तेज हृदयाघात हुयो, सारी हेकड़ी भूलने सदमे में आय ग्या। मोती रो पाणी उतर ग्यो, वाणे देखने म्हने समझ आय ग्यो मौत रो डर दिमाग मे चढ़ ग्यो है।

हुकुम मरणों कूण चाहवे.. शायद कोई नहीं.. ! भले ही जिवता कुछ भी नहीं करें पर मरणों कोई नही चाहवे। यूँ सारी उमर कैवतो रैवे इण ज़िंदगी सु मौत भली पर मौत देखता ही ज़िंदगी ने पाछी पकड़ने दौड़े। जीवते जीवन री कदर नहीं करे, सबसूं लड़तो रैवे, हेंकड़ी मारतो रैवे, पर मौत री छाया देखता ई मिन्नी व्हे ज्यूं भागे। आ तो वाहि बात हुई पा जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है।

इणने अलावा भी हुकुम अगर आपा आपाणे इर्द गिर्द लोगा ने देखा तो कई लोग जिवता भले ही है पर वाणे जीवन मे कोई रस नहीं हैं, फकत हेकड़ी रा पुतला है। बात करां तो लागे वे आपाणे पर अहसान कर रियाँ है वाणे सूं चर्चा करां तो बस आपरो बखान.. आपरे जवानी री चर्चा औलादों रो चर्चा... हुकुम म्हने तो यूँ लागे अगर वे नहीं हुवता तो वाणे घर मे प्रलय हूँ जावतों... म्हारी एक पड़ोसन है जीने सात भाई बहन सात देवर जेठ... अब बूढ़ी हूँ गई.. पर कोई भी वाणे कने बैठे... एक ही बात.. म्हारें तो पीहर में सात म्हारें सासरे में सात.. म्हे इता भचिड़ा खाया.. महें ओ करियो म्हे वो करियों.. बस पिछली बातां रो गुणगान करने खुद ने साबित करें कि म्हाणे सरिखो धरती माथे कोई पैदा नहीं हुयों... यूँ लागे कोई जीवित मुर्दो बोल रियो है क्योंकि नए काम री कोई उमंग ही नहीं.. वाणी सारी बातां में सिर्फ 'मैं' खुसयोड़ों हैं।

हुकुम सही बताऊं जिंदा कुण और मुर्दा कुण?

हुकुम जो अच्छाई और बुराई रो भेद नहीं जाणे वे मुर्दा है, जो इंसानियत छोड़ चुकिया वे मुर्दा है जो आपरी पिछली बातों रो गुणगान करता रेहवे वे मुर्दा है, जिने जीवन में उत्साह नहीं, जीवट नहीं, जो कौल रा पक्का नहीं व्हे मुर्दा है। जो न खुद रे स्वाभिमान री चिंता करै न लोगो री.. व्हे मुर्दा है। कई लोग तो कोई काम रो कहदो हज़ार समस्या आगे रख देई। वे अच्छे कार्य री और कदम बढावणी कोनी चाह्वै। अबे वाने कीकर समझावों कि गिरते हैं घुड़सवार ही मैदाने जंग में, वे कायर क्या गिरे जो घुटनों के बल चले। मारवाड़ में एक कहावत है कि दो कदम चालता ही तिरसा मरग्यो। वाणे कने काम नही करण रा हज़ार बहाना है हुकम। तुलसी ठीक कह्यो हुक्म' जीवित शव समान तेई प्राणी।'

म्हने तो लागे अगर जीवन सार्थक करणों है तो किन्ही एक जीवित मुर्दे रे जीवन मे उत्साह उमंग भर ने जीणों सिखा दो.. यों ही सबसूं पुण्य रो काम हूँ जावेला। आखिर ज़िंदगी जिंदादिली रो नाम है हुक्म, मुर्दादिल क्या खाक जीवे।

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- जिंदगी को खुला छोड़ दो... जीने के लिये
  बहुत संभाल के रखी चीज़ वक्त पर नहीं मिलती।
- पहले तराशा कांच से उसने मेरा वजूद फिर
  शहर भर के हाथों में पत्थर थमा दिए।
- हम तो हँसते हैं दूसरों को हँसाने के लिए
  वरना ज़ख्म तो इतने हैं कि ठीक से रोया भी नहीं जाता।
- एक जैसी ही दिखती थी माचिस की वो तीलियाँ,
  कुछ ने 'दीए' जलाये और कुछ ने 'घर'
- मिली हैं रूहें तो, रस्मों की बंदिशें क्या है,
  यह जिस्म तो ख़ाक हो जाना है फिर रंजिशें क्या हैं।
- है छोटी सी ज़िन्दगी तकरारें किस लिए,
  रहो एक-दूसरे के दिलों में यह दीवारें किस लिए।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

आपकी राशि के जातकों के लिए यह माह साहसिक निर्णय लेने का समय रहेगा। यद्यपि इस माह में रुकी हुई योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए संघर्ष करना पड़ेगा किंतु यह समय विजय दिलाने वाला साबित होगा। आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी एवं संगीत कला आदि के प्रति रुझान रहेगा। मानसिक रूप से उथल-पुथल चित्त को चंचल रखेगी। परिवार में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। अपने कार्य क्षेत्र एवं मान प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहें। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे, संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी, बड़ी नौकरी के योग प्रबल रहेंगे।

वृषभ

आपके लिए आर्थिक दृष्टि से यह माह विशेष लाभप्रद है। न्यायालय संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। शत्रु आप से पीड़ित रहेंगे। मन में खिन्नता बनी रहेगी। धन का व्यय अधिक रहेगा। दान धर्म में राशि व्यय होगी। घर पर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। वाहन सुख, मकान सुख की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। ईश्वर के प्रति मन में आस्था भाव बढ़ेगा। विद्यार्थियों को अच्छी सफलता मिलेगी। परिवार में विवाह संबंध का निर्धारण होगा।

मिथुन

इस माह में यात्रा के योग बनेंगे। खर्च अधिक रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भोग विलास के अवसर मिलेंगे। भाग्य की कृपा से उन्नति दायक विशेष अवसर मिलेंगे। शिक्षा के प्रति अरुचि पैदा होगी। झूठे आरोप का सामना करना पड़ेगा। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा।

कर्क

इस महीने दिमाग में तरह-तरह की चिंताएं रहेंगी। व्यवसाय एवं कार्य के क्षेत्र में बाधाएं आ सकती हैं जिनके प्रति आपको सजग रहना है। शरीर में एसिडिटी की समस्या एवं जलन की शिकायत का सामना करना पड़ सकता है। अतः इससे संबंधित आहार-विहार का पालन करें। पिता के स्वास्थ्य की चिंता करें। लंबी दूरी की यात्राएं एवं तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजनेताओं के संपर्क का लाभ मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। शौक मौज-मस्ती पर खर्च करेंगे।

सिंह

आपकी राशि के लिए यह माह विशेष सजगता रखने वाला है। धन हानि एवं सहयोगियों से धोखे की संभावना है। अतः इसके प्रति सचेत रहें। मन में अज्ञात भय बना रहेगा। किसी भी कार्य को करने के पहले शांति से सोच-विचार आवश्यक है। किसी पर भी विश्वास करने के पहले सभी पहलुओं पर दृष्टिपात करना परम आवश्यक है। अपने हस्ताक्षर करे हुए कागज किसी को देने से बचें। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाएंगे, धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। किसी गूढ़ रहस्यमय ज्ञान की प्राप्ति होगी। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे।

कन्या

आपके लिए यह साहसिक निर्णय लेने का समय है। इस माह में आपके द्वारा किए गए प्रयत्न मे सफलता मिलेगी। एसिडिटी की समस्या एवं सिरदर्द संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साझेदारों से संबंध अच्छे रहेंगे। अपनी वाणी पर संयम रखें एवं विवादों से बचें। संतान की चिंता रहेगी। लेखन-प्रकाशन वालों के लिए यह बहुत सुंदर समय रहेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्थाई संपत्ति के विक्रय के योग प्रबल रहेंगे। नौकरी व पद प्रतिष्ठा में वृद्धि / पदोन्नति / इच्छित स्थानांतरण होने के योग रहेंगे। आय के स्थाई स्त्रोत की प्राप्ति तथा नवीन कार्य व्यवसाय की प्राप्ति के योग प्रबल बने रहेंगे।

तुला

आपकी राशि वालों के लिए यह माह कार्य क्षेत्र में बहुत लंबे समय से लंबित कार्य योजना के पूर्ण होने का संकेत दे रहा है। जीवनसाथी के विचारों से सहमति नहीं बन पाएगी। अविवाहितो के संबंध के योग बनेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा, शत्रु सक्रिय रहेंगे। इन सबके बावजूद मन में प्रसन्नता एवं उत्साह रहेगा। सोच बेहद सकारात्मक रहेगी। लेखन-प्रकाशन के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। वाहन सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। धार्मिक यात्रा होगी।

वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। रोग एवं शत्रु पर विजय मिलेगी। सामाजिक मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मन प्रसन्न रहेगा। विद्वानों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। पिताजी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी एवं धन लाभ होगा। किसी पुराने परिचित से मुलाकात होगी। जोखिम भरे कार्यों को करने में सफलता अर्जित होगी। व्यय की अधिकता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे।

धनु

राजकीय पक्ष/ बैंक/ अदालत आदि के कार्यों में विशेष सजगता रखें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। टैक्सेशन संबंधी कार्यों में लापरवाही न बरतें। अज्ञात भय बना रहेगा। अपने परिजनों से बहस करने से बचें। इच्छित कार्यों में अनावश्यक विलंब हो सकता है। मित्रों से सहयोग मिलेगा। पानी एवं जलाशय से सावधानी बरतें। जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा एवं विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। प्रेम के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अचानक धन लाभ के योग प्रबल बने रहेंगे।

मकर

इस महीने में स्वभाव में उग्रता रहेगी। वाणी पर संयम बरतें एवं अनावश्यक वाद-विवाद से बचें। कैरियर एवं कार्य क्षेत्र में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। जीवन साथी एवं पार्टनर्स से संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। छोटे भाई-बहनों का पर्याप्त सहयोग मिलेगा। संतान योग बनेंगे। इच्छित कार्य में सफलता मिलेगी। सर्दी-जुखाम से संबंधित कष्ट की संभावना रहेगी। अच्छा काम करना, व्यवस्थित काम करना, झूठ नहीं बोल पाना आदि परेशानी का कारण बनेगा।

कुम्भ

यह माह आपके लिए कुल मिलाकर सकारात्मक रहेगा। कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह माह मिश्रित फल देने वाला साबित होगा। आय के नए स्त्रोत खुलेंगे। गुप्त रास्तों से भी धन की आवक होने की संभावना रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे, जिसकी वजह से आप चिंतित रहेंगे एवं आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके प्रति सजग रहें। जिन जातकों के दांपत्य जीवन में विवाद चल रहे हैं, उनके हल होने की संभावना भी रहेगी एवं तीर्थ यात्रा इत्यादि पर जा सकते हैं। परिवार में आप की अहमियत बढ़ेगी।

मीन

इस माह में कैरियर को मजबूती मिलेगी। जो जातक नौकरी में हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने की संभावना रहेगी एवं जो जातक व्यापार-व्यवसाय में हैं उनके व्यापार व्यवसाय में बढ़ोत्तरी होगी। व्यय पर नियंत्रण करना जरूरी रहेगा। अकस्मात धन प्राप्ति के योग भी बनेंगे। माह के शुरुआती 2 हफ्तों में स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। कृपया ऋतु अनुसार आहार-विहार करें। आपको सलाह दी जाती है कि इस माह कुटुंबियों की बातों को सहानुभूति पूर्वक सुने एवं कुटुंबजनों से अनावश्यक वाद विवाद ना करें।

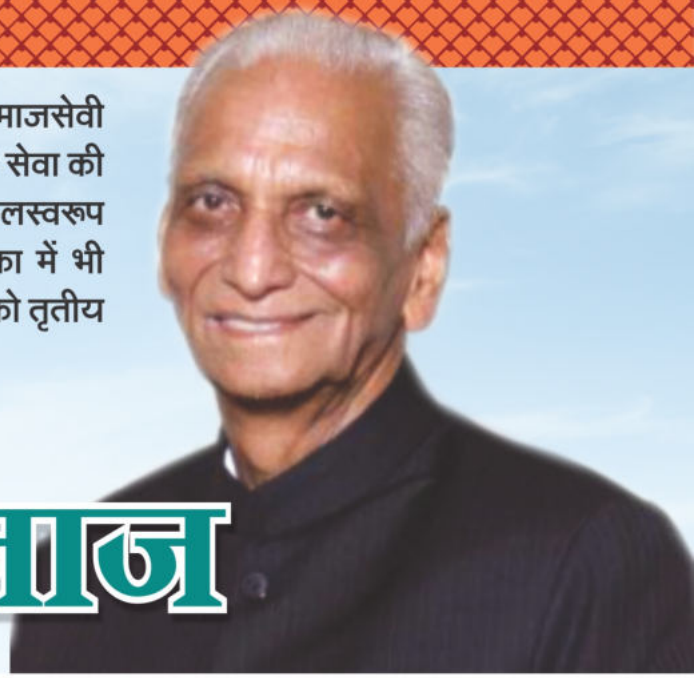

हैदराबाद निवासी स्व. श्री ब्रजभूषण बजाज का नाम एक ऐसे समाजसेवी के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने न सिर्फ स्वयं ने ही समाज की सेवा की अपितु अन्यों के लिये प्रेरणा स्त्रोत भी बने। इसी प्रेरणा के फलस्वरूप आज आपका परिवार देश की सीमाओं को लांघ कर अमेरिका में भी अपनी सेवा भावना का ध्वज फहरा रहा है। आगामी 26 अगस्त को तृतीय पुण्यतिथि पर समाज आपको श्रद्धासुमन अर्पित कर रहा है।

सेवा पथ के प्रेरणास्त्रोत थे
ब्रजभूषण बजाज

हैदराबाद ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी अपनी समाजसेवा की विशिष्ट पहचान रखने वाले ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी श्री ब्रजभूषण बजाज ऐसे समाजसेवियों में से एक थे, जिन्होंने स्वयं पद प्रतिष्ठा की लालसा तो नहीं की लेकिन तन-मन-धन से अपना सहयोग देने में भी कोई कसर नहीं रख छोड़ी। श्री बजाज कई संस्थाओं रामायण मेला, माहेश्वरी प्रादेशिक सभा आदि से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। बालिका शिक्षा के लिए आपने हैदराबाद में पिताजी के नाम पर एक कन्या महाविद्यालय की स्थापना भी की थी, जिसमें वर्तमान में 700 बालिकाएं पढ़ाई कर रही हैं। हैदराबाद में एक नर्सिंग होस्टल की स्थापना भी उनका सपना था। इसका उद्घाटन गत सितंबर 2019 में उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडु, गोवा की तत्कालीन राज्यपाल मृदुला सिन्हा, तेलांगना की राज्यपाल तमीलीसाई सौंदरराजन के कर कमलों से हुआ। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में भी वे काफी सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भी भाग लिया था। आप अपनी समाजसेवा की विरासत पत्नी डॉ. सरोज बजाज, नार्थ-अमेरिका माहेश्वरी महासभा से संबद्ध दो पुत्र अनुराग एवं पराग, पौत्र आदित्य, यश, अनंत और अर्जुन, पुत्री अर्चना व दामाद निर्भय, दोहित्र नेहा और नीरज को सौंप गए हैं।

परिवार भी हर कदम पर साथ

स्व. श्री बजाज के लिए पिता स्व. श्री वृंदावनदास बजाज उनके सच्चे मार्गदर्शक व आदर्श थे। पिताजी सच्चे देशभक्त व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। अतः बचपन से ही श्री बजाज को देशप्रेम की भावना विरासत में मिली। समाजसेवा के पथ पर स्व. श्री बजाज को धर्मपत्नी डॉ. बजाज का साथ मिला। डॉ. सरोज बजाज अत्यंत विदुषी महिला होने के साथ ही परिवार के प्रति इस तरह समर्पित रहीं कि जिससे सभी पुत्र-पुत्री सुसंस्कारित हो गए। श्रीमती बजाज ने उज्जैन के विक्रम विवि से पूर्व कुलपति व ख्यात साहित्यकार डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। परिवार के प्रति उनके समर्पण के बारे में स्व. श्री बजाज ने एक साक्षात्कार में स्वयं कहा था कि बच्चों के लालन-पालन से लेकर कुशल अर्द्धांगिनी के रूप में उन्होंने जो योगदान दिया है, उसके ऋण को वे जीवित रहते तो ठीक मरणोपरांत भी नहीं उतार सकते। श्री बजाज के पिता ने नारी शिक्षा व सशक्तीकरण की जो ज्योति जलाई थी, श्री बजाज ने उसे मशाल बनाने का सदैव प्रयास किया। धर्मपत्नी डॉ. बजाज महिला दक्षता समिति की अध्यक्ष हैं, लेकिन श्री बजाज व्यक्तिगत रूप से तन-मन-धन से इस संस्थान को सदैव पोषित करते रहे।

With Best Compliments From

Highly Effective against COVID-19 Virus.

VALUE IN EACH DROP

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectants Best By Test

Available at all leading stores and shops

Other Disinfectants of high grade & quality also available on our website on COD

Order online : www.nathpeters.com

USE REGULARLY TO KEEP YOURSELF AND YOUR SURROUNDINGS HYGENIC

An ISO 9001:2015 Certified Company

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA

PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299

CIN NO. U24110TG1992PLC014256 E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com

For Distributorship Enquiries Please Contact Mr. Raju on Cell No. 09701343335

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 August, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
https://srimaheshwaritimes.com